गतिमान

तेइसवाँ दीक्षान्त समारोह

2019

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर उ.प्र.

23 वाँ दीक्षान्त समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

गतिमान 2019

03 दिसम्बर, 2019

प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव
कुलपति

श्री एम.के. सिंह
वित्त अधिकारी

श्री सुजीत कुमार जायसवाल
कुलसचिव

प्रो. बी.बी. तिवारी
समन्वयक, टेकिप–III

प्रो. रंजना प्रकाश
निदेशक, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

श्री वी.एन. सिंह
परीक्षा नियंत्रक

डॉ. राज कुमार
चीफ वार्डेन

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

संपादक मण्डल

डॉ. के.एस. तोमर
डॉ. पुनीत कुमार धवन

डॉ. मनोज मिश्र
डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
डॉ. सुनील कुमार

जौनपुर : एक समृद्ध विरासत

विभिन्न संस्कृतियों की बाँकी झाँकी का साक्षी रहा जनपद जौनपुर अपनी ऐतिहासिकता को अतीत तक समेटे हुए है। सदानीरा गोमती के तट पर बसा यह शहर एक परम्परा के अनुसार महर्षि यमदग्नि की तपोस्थली रहा है जिस कारण इसका प्रारंभिक नाम यमदग्निपुर पड़ा तथा कालान्तर में यमदग्निपुर ही जौनपुर के रूप में परिवर्तित हो गया। कतिपय विद्वानों ने इस धारणा पर भी बल दिया है कि यहाँ प्राचीन भारत में यवनों का आधिपत्य रहा है जिस कारण इसका नाम प्रारम्भिक दौर में यवनपुर से कालान्तर में जौनपुर हो गया।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों ने जौनपुर की स्थापना का श्रेय फिरोजशाह तुगलक को दिया है, जिसने अपने भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खां) की स्मृति में इस नगर को बसाया और इसका नामकरण भी उसके नाम पर किया। फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में की तथा 1360 ई. में जौनपुर किले की नींव रखी। जौनपुर सल्तनत वर्ष 1394–1479 ई. तक उत्तर भारत की एक स्वतंत्र राजधानी रही, जिसका शासन शर्की सल्तनत द्वारा संचालित था लेकिन एक खास बात यह है कि जौनपुर के संस्थापक मलिक सरदार (सरवर), फिरोज शाह तुगलक के पुत्र सुलतान मुहम्मद का दास था जो अपनी योग्यता से 1389 ई. में वजीर बने । सुलतान महमूद ने उसे मलिक–उस–शर्क की उपाधि से नवाजा था। 1399 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। उसके पद के कारण ही उसका वंश शर्की–वंश कहलाया। ज्ञातव्य है कि उसको कोई संतान नहीं थी, उसके बाद उसका गोद लिया हुआ पुत्र मुबारक शाह गद्दी पर बैठा था। 1402 ई. में मुबारक शाह की मृत्यु हो गयी। इसके बाद उसका भाई इब्राहिमशाह शर्की जौनपुर के राज सिंहासन पर बैठा। इब्राहिमशाह के बाद उसका पुत्र महमूदशाह फिर हुसैन शाह तथा अन्ततः जौनपुर 1479 ई. के बाद दिल्ली सल्तनत का भाग बन गया।

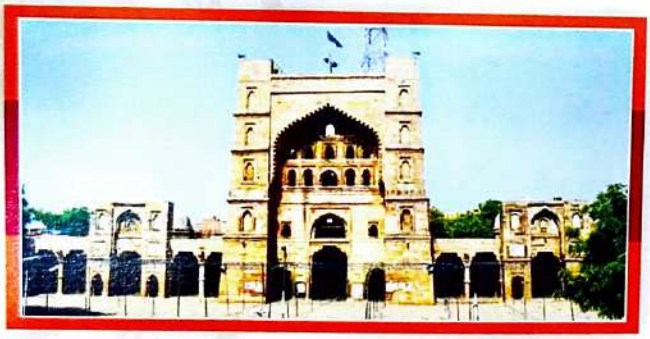

जौनपुर में सरवर से लेकर शर्की बंधुओं ने 75 वर्षों तक स्वतंत्र राज किया। इब्राहिम शाह शर्की (1402 ई.–1440 ई.) के समय में जौनपुर सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत उपलब्धि हासिल कर चुका था। उसके दरबार में बहुत सारे विद्वान थे जिन पर उसकी राजकृपा रहती थी। उसके राज–काल में अनेक ग्रंथों की रचना की गयी। तत्कालीन समय में जौनपुर शिक्षा का बहुत बडा केंद्र था। यह भी कहा जाता है कि इब्राहिम शाह शर्की के समय में ईरान से 1000 के लगभग आलिम (विद्वान) आये थे जिन्होंने पूरे भारत में जौनपुर को शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बना दिया था। इसी कारण जौनपुर को 'शिराज–ए–हिंद' कहा गया। शिराज का तात्पर्य श्रेष्ठता से होता है। उसी समय जौनपुर में कला–स्थापत्य की एक नई शैली का जन्म हुआ, जिसे जौनपुर अथवा शर्की शैली कहा गया। कला–स्थापत्य की इस शैली का निदर्शन यहाँ पर आज भी अटाला मस्जिद में किया जा सकता है। अटाला मस्जिद की आधारशिला फिरोजशाह तुगलक द्वारा 1376 में की गयी जिसे 1408 में इब्राहिम शाह ने पूरा किया। जौनपुर में गोमती नदी के शाही पुल का निर्माण कार्य मुगल बादशाह अकबर ने 1564 ई. में प्रारंभ करवाया जो 1569 ई. में बनकर तैयार हुआ। यह शाही पुल अकबर के सूबेदार मुनीम खाँ के निरीक्षण में बना। शर्की सुल्तानों ने जौनपुर में कई सुन्दर भवन, एक किला, मकबरा तथा मस्जिदें बनवाई। जौनपुर की जामा मस्जिद को इब्राहिम शाह ने 1438 ई. में बनवाना प्रारंभ किया था और इसे 1442 ई. में इसकी बेगम राजीबीबी ने पूरा करवाया। 1417 ई. में चार अंगुल मस्जिद को सुल्तान इब्राहिम के अमीर खालिस खाँ ने बनवाया। जौनपुर की सभी मस्जिदों का वास्तु प्रायः एक जैसा है। शेरशाह सूरी की सारी शिक्षा–दीक्षा जौनपुर में हुई। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और 'खयाल' के विकास में हुसैन शाह (1458–1479 ई.) का अपना योगदान रहा। इस दौरान कई रागों की रचना की गयी जिसमें प्रमुख हैं 'मल्हार–स्याम', 'गौर–स्याम', 'भोपाल–स्याम', 'जौनपुरी बसन्त', 'हुसेनी' या 'जौनपुरी असावरी' जिसे राग जौनपुरी कहा जाता है।

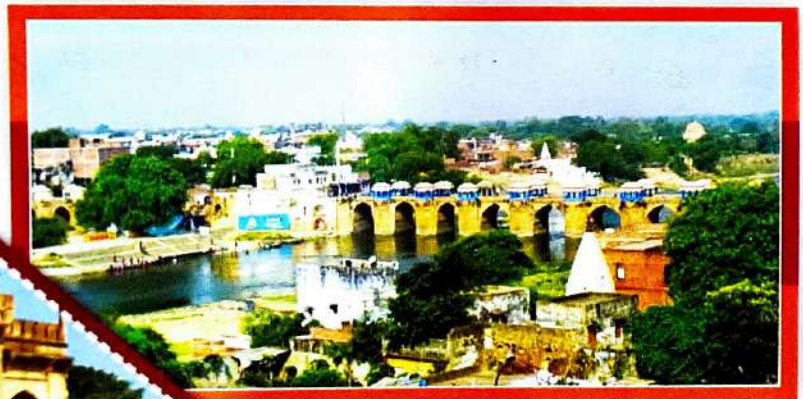

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनपद के अमर शहीदों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थापित शहीद स्तम्भ उनके बलिदान की याद दिलाते हैं। इस जनपद के लोगों ने साहित्य, प्रशासनिक सेवा और विज्ञान अनुसन्धान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में जनपद का नाम रोशन किया है। इसकी निरन्तरता अद्यतन बनी हुई है।

डॉ० मनोज मिश्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005/15–10–87–15 (15)–86 टी.सी. दिनांक 28 सितम्बर,1987 के तहत 02 अक्टूबर,1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालान्तर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के साथ ही गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र का एक बड़ा भाग इसमें स्थानांतरित कर दिया गया। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, संत रविदासनगर भदोही, कौशाम्बी, इलाहाबाद तथा सोनभद्र सहित कुल 12 जिलों के 68 महाविद्यालयों को इससे सम्बद्ध किया गया था। विश्वविद्यालय को वर्ष 2016 में नैक द्वारा बी प्लस ग्रेड प्रदान किया गया है।

प्रारम्भ में विश्वविद्यालय का कार्यालय प्रथमतः टी.डी. कालेज जौनपुर के फार्म हाउस के भवन पीली कोठी में प्रारम्भ हुआ। उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय हेतु भूमि अधिग्रहित करने के लिए कुल 85 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की तथा अधिकारियों सहित कुल 67 पद स्वीकृत किये। शासन द्वारा सृजित पदों पर नियुक्तियाँ हुई और यहीं से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। जिला प्रशासन ने जौनपुर शहर से लगभग 12 किमी. दूर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर देवकली, जासोपुर ग्राम सभाओं की कुल 171.5 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई।

वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था है। इसके अलावा छात्र सुविधा केन्द्र, संगोष्ठी भवन, अतिथि गृह, शिक्षक अतिथि गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर्स भवन हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के लिए अलग–अलग भवनों का निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इण्टरनेट–वाई–फाई एवं सी.सी. टीवी. कैमरे से ससुज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई–लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ई–जर्नल, ई–बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ ही एडुसैट व्यवस्था के अन्तर्गत छात्रों को इग्नू, यूजीसी, एआईसीटीई वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहुँचाया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विभिन्न जनपदों में असहाय लोगों के लिए बापू बाजार का आयोजन किया जाता है। परिसर को हरा–भरा करने के लिए वर्ष 2014 से एक छात्र एक पेड़ योजना संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों से पौधरोपण कराकर उसके देख–रेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी जाती है। इंजीनियरिंग संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली में आधुनिक संसाधनविहीन बच्चों को निःशुल्क कोचिंग पढ़ायी जाती है।

वर्तमान में पूर्वांचल के चार जनपदों के महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की छः शाखाओं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा बी फार्मा की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम.सी.ए., एम.बी.ए., एम.बी.ए. (बी.ई.), एम.बी.ए. एग्रीबिजनेस,एम.बी.ए.ई–कामर्स, एम.बी.ए. (एफ.सी.), एम.बी.ए. (एच.आर.डी.), एम.ए. मास कम्युनिकेशन, व्यावहारिक मनोविज्ञान, एम.एससी. बायोटेक्नॉलाजी, पर्यावरण विज्ञान, माइक्रो बायोलॉजी, एवं बायोकेमेस्ट्री विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रो0 राजेन्द्र सिंह(रज्जू भइया) भौतिकीय एवं शोध संस्थान में एम.एससी.फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं अर्थ एवं प्लेनेटरी साइंसेज विभाग के अंतर्गत एम.एससी.एप्लाइड जियोलाजी एवं संकाय भवन में बी.ए.एल.एल.बी. (पाँच वर्षीय इंटीग्रेटेड) में भी सत्र 2018–19 से अध्ययन–अध्यापन प्रारम्भ है। वर्तमान सत्र से बी.कॉम.(ऑनर्स) बी.सी.ए.,बी.एस.सी.(गणित, भौतिकी,भूगर्भ विज्ञान) बी.एस.सी.(जन्तु, वनस्पति,रसायन विज्ञान) बी.एस.सी.(भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है।

Faculties/ Courses

Faculty of Agriculture
Departments (U.G. & P.G.)

- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Breeding

Faculty of Arts
Departments (U.G. & P.G.)

- Sanskrit and Prakrit language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English & Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval And Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

Faculty of Commerce
Departments

- Department of Commerce (B.Com., M.Com.)

Faculty of Education
Departments

- B.Ed.
- M.Ed.

Faculty of Law
Departments

- Department of Law
  LL.B.
  LL.M.
  BA. LL.B. Integrated Course (5 Years)

Faculty of Sciences
Departments (U.G. & P.G.)

- Physics
- Botany
- Mathematics
- Statistics
- Geology
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Chemistry
- Zoology
- Microbiology
- Industrial Fishery and Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sport
- Environmental Science
- Applied Biochemistry
- Applied Microbiology
- Earth & Planetary Science (Applied Geology)

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Sciences for Study and Research
M.Sc and Ph.D.

- Physics ■ Chemistry ■ Mathematics ■ Applied Geology
- B.Sc. (Phy., Chem.,Maths. and Phy., Maths,Geology)

Research Centres

- Centre for Nanoscience and Technology
- Centre for Renewable Energy

Faculty of Medicine
Departments (U.G.)

- Pharmacy ■ Medicine

Faculty of Engineering & Technology
Departments (U.G./P.G.)

- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Information Technology
- Electronics & Instrumentation Engineering
- Master in Computer Applications
- Applied Physics ■ Applied Chemistry
- Applied Mathematics
- Humanities & Social Sciences

Faculty of Management Studies
Departments

- Department of Business Administration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science
Departments

- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication

The Vice-Chancellor

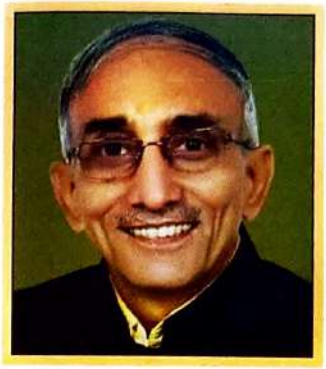

Prof. Dr. Raja Ram Yadav
Hon'ble Vice Chancellor

Prof. Dr. Raja Ram Yadav, B.Sc., M.Sc. (Physics), Ph.D. on Ultrasonics from University of Allahabad has a teaching and research experience of over 36 years. He has been the Professor of Physics, Department of Physics (UGC Centre of Advanced Studies) University of Allahabad, Prayagraj, U.P. He served the country as aGeophysicist (wells) in Oil and Natural Gas Commission (ONGC), India during 1983 to 1988. He served the society as a whole time social worker from 1988 to 1992.

He has published more than 140 research papers in journals of International repute and supervised 16 students for their Ph.D. Degree. He has delivered more than 110 invited talks on the topics of Ultrasonics, Nanoscience and Technology, Ultrasonics in Nanoscience and Technology, Laser Spectroscopy, Ultrasonics- Non Destructive Characterization Sciences of Nanofluids, Nanocomposites, GMR Materials, Materials for Biomedical Applications and LPG/Humidity Sensing Applications. Dr. Yadav completed several major research projects of costing around Rs. 5 crores funded by DST, DRDO, UGC etc. He organized several conferences and workshops. Dr. Yadav has successfully synthesized first time the nanofluditic GMR materials developing ultrasonic based chemical method. Dr. Yadav developed the ultrasonic mechanism to predict anomalous enhancement of the temperature dependent thermal conductivity of the nanofluids and theoretically modeled the experimental results, very important for coolant technology in micro-channels and medical applications. Dr. Yadav developed the ultrasonic spectroscopy method replacing the expensive TEM/SEM to determine the size of nanoparticles and their distributions in liquid suspension.

Dr. Yadav is recipient of numerous distinctions/ awards including prestigious INSA- Teacher Award-2012 by Indian National Science Academy,New Delhi, Prof. S. Bhagavantam Award, 2017-2018 by Acoustical Society of India, New Delhi for his outstanding contribution and leadership provided in the field of Acoustics, M. S. Narayanan Memorial Lecture Award- 2011, Dr. M. Pancholi Award, Dr. S. Parthsarthi Award-2012, Best Research Paper Award on the work by Acoustical Society of America- 2004 and 2010 (India Chapter), Swadesi Vigyan Puruskaar- 2002, Pragay Gaurav Samman (2010) for outstanding contribution in the field of education, Distinguished Teacher Award (2016) by Gandhiyan Academy Sansthan Allahabad, Poorva Samman-2019 by Poorvapost, Lucknow. He has been honoured by Vishwa Ayurved Parishad (2009) for delivering a popular lecture as a Chief Guest on Gold Nanoparticles in Ayurvedic Sciences. He has delivered the lecture as a Chief- Guest/Key Note Speaker in National Workshop on "Biological Effects of Mobile Radiations" at Jaipur National University, Rajasthan, India and National workshop on Material Characterization by Ultrasonics in New Delhi- 2012 etc.

He is member of Governing Council of Vikram University, Ujjain, M.P. and Arayabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES), Nainital, Uttrakhand. He is Secretary of Materials Research Society of India (MRSI) Allahabad Chapter and All India Vice- President of Ultrasoincs Society of India and Co-opted advisor of the National Academy of Sciences India (NASI), Allahabad Chapter. He is life member of MRSI, Microscopic Society of India, Polymer Society of India and Vigyan Bharti New Delhi. Dr. Yadav is life fellow of Ultrasonic Society of India, Acoustical Society of India, Institute of Applied Sciences and Indian Academy of Social Sciences. He is reviewer of several international research journals. He is expert member of UGC, DST, UPPSC Allahabad, PSC Uttarakhand, IIIT Allahabad etc. He has visited Canada, USA, Germany, Japan, Sweden, Italy, France, Spain, Singapore, Belgium, Nepal, Austria and China to deliver the research lectures. He is working very actively in social activities to the Nation Pride since last four decades and worked in the capacity of President- Gramin Vikash and Paryavaran Sansthan, Secretary of Sanskritik Gaurav Sansthan, Pradhan of Keshari Nandan Seva Sansthan and President of Swami Shantidev Seva Mandal. He has knowledge of Assammese, Sanskrit, Bengali, English along with his mother tongue Hindi.

Apart from a renowned scientist, social worker and distinguished popular Professor he is a great Classical Singer and has performed Vocal- Classical Indian Music in so many public programmes in different places such as Dehradun, Nazira (Assam), Delhi, Jaunpur, Jhansi (U.P.), Hamirpur (U.P.), Allahabad, Chitrakoot (M.P.), Gurgaon (Haryana) etc.

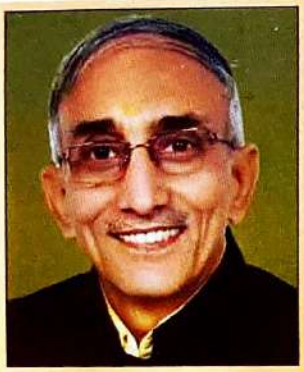

प्रो. डॉ. राजाराम यादव
कुलपति

कुलपति जी का उद्‌बोधन

माननीय कुलाधिपति, तेइसवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष, माननीया श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी, समारोह के मुख्य अतिथि परम पूज्य श्री नव योगेन्द्र स्वामी जी महाराज, धर्म अध्यात्म के उत्प्रेरक, श्री हेमन्त राव जी –अपर मुख्य सचिव– राजभवन, कार्य परिषद, विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, सम्मानित अतिथिगण, समस्त शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्ण पदक विजेता मेधावियों, समस्त विद्यार्थियों तथा अभिभावकगण।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 23 वें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में अन्वेषणात्मक कीर्तिमान प्रस्तुत करने वाली हमारी संरक्षक, हमारी मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत माननीया श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। माननीया कुलाधिपति जी के प्रेरणादायी, मौलिक एवं व्यावहारिक निर्देशन ने प्रदेश के विश्वविद्यालयीय उच्च शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाओं के साथ नई सोच, नई दिशा तथा नव चेतना को पुनः जागृत किया है। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता एवं पूरे प्रदेश की उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय धारा में लाने की कटिबद्धता से शिक्षा जगत आश्वस्त हुआ है।

समारोह के मा0 मुख्य अतिथि परम पूज्य श्री नव योगेन्द्र स्वामी जी महाराज, अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक शिखर पुरूष हैं। आपका विश्वविद्यालयीय छात्रों एवं गुरूजनों से आत्मीय विशेष लगाव है। आपका आशीर्वाद ही हमारे प्रिय छात्रों को ऊंचाइयों तक सहज में पहुँचा देगा। आपने दीक्षान्त समारोह में उद्‌बोधन के लिये हमारे निमन्त्रण को स्वीकार किया, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिवार हृदय से आपका आभारी है।

विश्वविद्यालय के इस 23वें दीक्षान्त समारोह के पावन अवसर पर मैं उन सभी विभूतियों विशेषकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 श्री वीर बहादुर सिंह, पूर्व सांसद स्व0 श्री अर्जुन सिंह यादव का स्मरण करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ जिनके सद्‌प्रयासों से अस्तित्व में आया पूर्वांचल की जनता के लिये ज्ञान का यह प्रकाश स्तम्भ अपने उद्‌देश्यों की पूर्ति हेतु अग्रसर है। पूर्वांचल की भूमि के जिस स्थल पर यह विश्व विद्या केन्द्र स्थापित हुआ है उस जौनपुर का ऐतिहासिक ही नहीं, वरन् एक प्राचीन पौराणिक महत्व भी है। पौराणिक, आख्यानों के अनुसार पूर्वांचल का यह क्षेत्र ऋषि भृगु, महर्षि जमदग्नि, महर्षि दुर्वासा एवं महर्षि देवल की तपस्थली रही है।

आज मैं, सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने अपने अनवरत परिश्रम के बल पर ज्ञान अर्जन कर जीवन का एक अहम पड़ाव पार किया है। ज्ञान का नवसृजन इस पीढ़ी को निरन्तर नई दिशा की ओर अग्रसर करता रहेगा। प्रिय विद्यार्थियों आज आपने स्नातक, परास्नातक एवं पी–एच डी की उपाधि कों अर्जित कर अपने गुरूजनों, अभिभावकों एवं विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया है। उमंग एवं उत्साह के साथ विजय का विश्वास लेकर उठो, साहसी बनो, वीर्यवान हो। राष्ट्र के उन्नयन हेतु भविष्य में सब उत्तरदायित्व अपने कन्धों पर लो। यह याद रखो कि तुम स्वयं अपने भाग्य निर्माता हो। इस ज्ञान रूप शक्ति के सहारे अपने हाथों अपना एवं राष्ट्र का भविष्य गढ़ डालो। हमारा प्रयास है कि आप पारिवारिक, सामाजिक, ग्रामीण, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक मुकाबला कर देश ही नहीं वसुधैव कुटुम्बकम् के आदर्श को चरितार्थ करते हुए दुनिया का नेतृत्व करें। जैसे सत्य को कहने के लिए किसी शपथ की जरूरत नहीं होती। नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती। बढ़ते हैं अपने जमाने में अपने मजबूत इरादों पर, उन्हें अपनी मंजिल पाने के लिये किसी रथ की जरूरत नहीं होती। स्वयमेव मृगेन्द्रता सिद्धान्त पर केन्द्रित होकर, सर्व भूतहिते रताः का उद्‌देश्य लेकर अपने हौसले बुलन्द रखें, परिश्रम में कमी न आने दें। मंजिल तुम्हारे चरण चूम लेगी।

माननीय कुलाधिपति जी आपके आशीर्वाद से बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

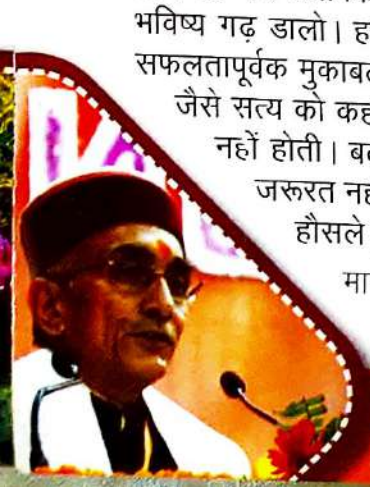

- **"प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान"** की स्थापना आपके आशीर्वाद एवं अनुपम सहयोग के फलस्वरूप विश्वविद्यालय परिसर में हो चुकी है, जिसके अन्तर्गत विगत सत्र से भौतिकी, रसायन, गणित, पृथ्वी एवं ग्रहीय विज्ञान विभागों के एम0एस–सी0 प्रोग्राम का पठन–पाठन प्रारम्भ हो चुका है। बी.ए. एल.एल.बी. पंचवर्षीय पाठ्यक्रम, बी0 काम0 (आनर्स) तथा बी0एस–सी0 के विषयों में पठन–पाठन की शुरुआत हो चुकी है।

- इस विश्वविद्यालय के फार्मेसी विज्ञान की शिक्षिका डॉ0 झांसी मिश्रा को 16एवं 17 अप्रैल, 2018 को नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में 40 देशों के लगभग 1000 वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट रिसर्च व्याख्यान के लिये नीदरलैंड द्वारा यंग साईंटिस्ट अवार्ड दिया गया।

- स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर 12 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह" का आयोजन किया गया जिसमें एक लाख बारह हजार छात्रों ने सामूहिक योग का प्रदर्शन कर "गोल्डेन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड" बनाया। इस समारोह में योग ऋषि पूजनीय स्वामी रामदेव जी ने युवाओं को चुनौतियों को स्वीकार करने की प्रेरणा दी।

- विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के अवसर पर गत वर्षों की भॉति दिनांक 29 सितम्बर से 05 अक्टूबर, 2019 तक सात दिवसीय श्री राम कथा अमृतवर्षा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रख्यात कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज जी द्वारा श्री रामकथा के परिणाम स्वरूप पूरे क्षेत्र का वातावरण विश्वविद्यालय के अनुकूल बन चुका है।

- स्थापना सप्ताह के दौरान छात्रों के अन्दर कला प्रतिभा जगाने हेतु भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कथक नृत्य श्री रवि सिंह, प्रयागराज, कथक नृत्य श्रीमती मनीषा मिश्रा, लखनऊ, शास्त्रीय गायन श्री सत्य प्रकाश मिश्र, अयोध्या, सितार वादन श्री साहित्य कुमार नाहर, प्रयागराज ने ऐतिहासिक प्रस्तुति दी।

- शोध कार्यक्रमों को प्रभावी बनाये जाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर, महाविद्यालय स्तर पर डी0आर0सी0 एवं विश्वविद्यालय स्तर पर आर0डी0सी0 के माध्यम से शोधार्थियों के प्रवेश किये जा रहे है। यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहॉ गत दो वर्षों से पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप प्रदान की जा रही है।

- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकी विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में दिनांक 16 नवम्बर से दिनांक 18 नवम्बर 2019 तक अत्याधुनिक तकनीकी के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें 300 से अधिक शिक्षक, वैज्ञानिक एवं शोधार्थियों ने विषय के विविध आयामों पर मंथन किया। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में विश्व के अनेक देशों सहित भारत के सभी प्रांतों से विश्वविख्यात अनुभवी वैज्ञानिक, प्रोफेसर एवं युवा वैज्ञानिक आए। सम्मेलन में 45 आमंत्रित व्याख्यान, 07 प्लेनरी व्याख्यान, 142 मौखिक प्रस्तुति एवं 56 प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। सम्मेलन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रख्यात कथक कलाकार श्री विशाल कृष्ण एवं कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव की प्रस्तुति हुई ।

- विज्ञान संकाय में स्थापित मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र ने वर्ष 2019 में केंद्र समन्वयक प्रो0 रामनारायण के शोध निर्देशन में मशरुम के उत्पादन में बिना किसी हानिकारक प्रभाव के एवं मशरुम की गुणवत्ता में वृद्धि करने वाले एक नये बैक्टीरिया की खोज की है, जो शोध केंद्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उक्त बैक्टीरिया नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफार्मेशन (NCBI) अमेरिकन गवर्नमेंट की वेबसाइट के डाटा बैंक में जोड़ा गया है।

- विश्वविद्यालय के 32 वर्षों के इतिहास में पहली बार गत दो वर्षों से अब तक ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट सेल के द्वारा 2000 से अधिक विद्यार्थियों का कैम्पस सेलेक्शन हुआ है। वर्तमान सत्र में भी 147 छात्रों का सेलेक्शन हो चुका है। इस सत्र में अन्त तक 3000 छात्रों का कैम्पस सेलेक्शन का हमारा लक्ष्य पूरा होगा।

- विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आई0ए0एस0 एवं पी0सी0एस0 परीक्षा की तैयारियों के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है।

- क्रीड़ा के क्षेत्र में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ने पूर्वी अंचल, अन्तर–विश्वविद्यालीय तथा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में अपेक्षित गौरवपूर्ण

स्थान प्राप्त किया है। पूर्व वर्ष 2018–19 में भी अखिल भारतीय विश्वविद्यालीय स्तर पर हमारे विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में **42** पदक हासिल किये थे। इस वर्ष पदकों की संख्या बढ़कर **104** हो गयी है। इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दिनांक 29 अगस्त, 2019 को राजभवन में माननीया कुलाधिपति महोदय द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

- विश्वविद्यालय के छात्रों में राष्ट्र भक्ति जगाने हेतु भारत सरकार द्वारा स्वीकृत **"राष्ट्रीय सेवा योजना"** कार्यक्रम चलाया जा रहा है। देश में सबसे अधिक **"राष्ट्रीय सेवा योजना"** के 60 हजार स्वयं सेवक हमारे विश्वविद्यालय से हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से ही हमने 50 गाँवों को उन्नयन हेतु गोद लिया है। अब तक 20 गाँवों के सम्पूर्ण बच्चों का मेडिकल परीक्षण पूरा हो चुका है। शीघ्र ही हम 50 गाँव पूरा कर लेंगे।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सरकार के तकनीकी उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत (TEQIP) विश्वविद्यालय का इन्जीनियरिंग संस्थान देश में क्रमांक एक पर है विश्वविद्यालय की रोवर्स–रेंजर्स की दोनों टीमें 2018–19 में प्रदेश चैम्पियन बनी।

- बहुत वर्षों से प्रतीक्षित शिक्षकों/कर्मचारियों की प्रोन्नति प्रक्रिया भी पूरी कर ली गयी है। साथ ही रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया भी समाप्ति की ओर है।

आदरणीय कुलाधिपति जी आपके संरक्षण में हम अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत हैं। आपके मार्गदर्शन से हमारा विश्वविद्यालय अपने निर्धारित उद्देश्यों को निरन्तर प्राप्त कर सकेगा जिसके परिणाम स्वरूप हमारे छात्र देश ही नहीं विभिन्न क्षेत्रों में सम्पूर्ण जगत को नेतृत्व प्रदान करेंगे इसका हमें पूर्ण विश्वास हो रहा है। हमारा प्रयास है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रदेश ही नहीं, देश के समस्त विश्वविद्यालयों की पंक्ति में सच्चे अर्थों में प्रमुख स्थान प्राप्त करें। **"न तु अहं कामये राज्यं न स्वर्गं, न अपुनः भवम्, कामये दुखः–तप्तानां प्राणिनां आर्ति नाशनम्।।"** को सार्थक करने वाले हमारे छात्रों के महत्वपूर्ण अनुसन्धान ही विश्वविद्यालय को शीर्ष पटल पर रख देंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की संक्रातिमय उपलब्धियॉ समर्पित शिक्षक, प्राचार्य, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्य क्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाज सेवी मित्रों, संस्थाओं तथा उत्तर प्रदेश शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं। हमें इस ध्येय वाक्य, **"चलो जलाये दीप वहां, जहाँ अभी भी अंधेरा है"** को चरितार्थ करना है।

प्राण प्रिय छात्रों आप दीक्षा ग्रहण कर अपने जीवन के प्रत्यक्ष कर्म क्षेत्र में कदम रखने जा रहे हैं। एक गीत के माध्यम से जीवन कार्य की प्रेरणा स्वरूप संदेश प्रदान करता हूँ। गीत के भावों को संजोकर रखे और कर्म क्षेत्र में विचरण करें।

साधक बन हम आज जा रहे, मन में ऐसा भाव रहे।
अपना व्रत हम पूर्ण करेंगे, जीवन की यह साध रहें।।
हिन्दू राष्ट्र के अंगभूत हम, यही भावना नित्य रहे।
माँ का पूजन साधक मन से, मन में ऐसा भाव रहे।।
नयनों में माता का वैभव, मन में माँ की पीर रहे।
पूर्ण करेंगे स्वप्न नयन के, मन में यह संकल्प रहे।।
अपने सुख की क्या चिन्ता है, पद कीर्ति की क्या ममता है।
अडिग रहेंगे चरण मार्ग पे, जीवन की यह टेक रहे।।

इन्हीं भावों के साथ मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।

जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

जीवन परिचय

- जन्म तारीख : 21 नवंबर 1941
- जन्म स्थान : खरोद, विजापुर तालुका, जिला : मेहसाणा।
- शिक्षा : एम.एस–सी., एम.एड. (गोल्ड मेडलिस्ट)।
- व्यवसाय : सेवानिवृत्त प्राचार्य (मोहिनाबा गर्ल्स हाईस्कूल, अहमदाबाद) एवं समाज–सेवा।
- साहित्यिक गतिविधियाँ : समय–समय पर धरती, साधना एवं सखी पत्रिकाओं के लिये लेखन।
- रूचि : अध्ययन, लेखन, यात्रा, जनसम्पर्क।
- प्रकाशित पुस्तक : 'ए मने हमेशा याद रहेशे' (गुजराती संस्करण) । प्रयास प्रतिबिंब

संसदीय जीवन

- राज्यसभा सदस्य वर्ष 1994–1998।
- वर्ष 1998 मांडल विधानसभा क्षेत्र जिला अहमदाबाद से चुनकर विधायक बनीं।
- वर्ष 1998 से 2002 शिक्षा (प्रारंभिक,माध्यामिक,वयस्क) एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रही।
- पाटन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2002 से दूसरी बार विधायक बनीं और वर्ष 2002 से 2007 तक शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि मंत्री के पद पर रहीं।
- वर्ष 2007 पाटन विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक बनीं। वर्ष 2007 से 2012 तक राजस्व,आपदा प्रबन्धन, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रहीं।
- वर्ष 2012 में अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार लगातार विधायक बनीं तथा राज्य में सबसे अधिक मतों से विजयी रहीं। वर्ष 2012 से 2014 तक राजस्व, सूखा राहत, भूमि सुधार पुनर्वास,पुनर्निर्माण, सड़क एवं भवन ,राजधानी परियोजना, शहरी विकास शहरी आवास मंत्री रहीं।
- 22 मई 2014 से 7 अगस्त 2016 तक गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रहीं।
- 15 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 तक छत्तीसगढ़ की मा. राज्यपाल रहीं।
- 23 जनवरी 2018 से 28 जुलाई 2019 तक मध्य प्रदेश की मा. राज्यपाल रहीं।

राजनीतिक गतिविधियाँ

- 1987 में राजनीति से जुड़ी। इस दौरान भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश इकाई की भाजपा उपाध्यक्ष राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहीं।
- 1992 में भाजपा द्वारा आयोजित कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की एकता यात्रा में शामिल होने वाली गुजरात की एक मात्र महिला रहीं। कश्मीर में तिरंगा नहीं लहरा देने की आतंकवादियों की धमकी के बावजूद 26 जनवरी 1992 में श्रीनगर के लाल चौक में राष्ट्रध्वज फहराने में शामिल थी ।

मुख्यमंत्री कार्यकाल की उपलब्धियाँ

- गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों के मुफ्त इलाज के लिए "माँ वात्सल्य योजना" प्रारम्भ की।
- सभी गरीब वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु "युवा स्वावलंबन योजना" प्रारम्भ की।
- गुजरात को 100 प्रतिशत (खुले में शौच–मुक्त) का अभियान चलाया।
- गुजरात को टोल टैक्स मुक्त (गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए) बनाया।
- सभी महिलाओं के लिए कैंसर की जाँच एवं मुफ्त इलाज प्रारंभ किया।
- नर्मदा के पानी को खेत तक पहुंचाने के लिए शाखा नहर, लघु नहर, उपलघु नहर के लिए सर्वसम्मति से जमीन संपादन का सफलतापूर्वक अभियान चलाया।
- सबसे कम समय में 100 से ज्यादा नगर नियोजन योजना को मंजूरी दी।
- विद्या सहायक योजना का पारदर्शक अमलीकरण।
- विद्या लक्ष्मी बॉन्ड एवं विद्या दीप योजनाएं लागू की।
- माता यशोदा अवार्ड की घोषणा की।
- प्रक्रियात्मक सरलीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का समुचित उपयोग।
- 10000 करोड़ की लागत से ग्राम रास्तों का निर्माण।

सम्मान एवं पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्कूली–शिक्षा के दौरान मेहसाणा के स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल में वीर बाला पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1988 में गुजरात राज्य के श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1990 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित।
- मोहिना बा. कन्या विद्यालय की दो छात्राओं को तैरना नहीं जानती थी, उसके बावजूद नर्मदा नदी में डूबने से बचाने के लिए गुजरात सरकार के वीरता पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1999 में पटेल जागृति मंडल, मुंबई द्वारा सरदार पटेल पुरस्कार।
- वर्ष 2000 में श्री तपोधन ब्राह्मण विकास मण्डल द्वारा विद्या गौरव पुरस्कार।
- वर्ष 2005 में पटेल समुदाय द्वारा पाटीदार शिरोमणि पुरस्कार दिया गया।
- अम्बुभाई पुरानी व्यायाम विद्यालय, राजपीपला द्वारा भी सम्मानित किया गया।
- चारूमति योद्धा अवार्ड द्वारा सम्मानित।

विदेश-यात्राएं

- चौथी वर्ल्ड वूमेन्स कान्फ्रेंस, बीजिंग (चीन) में भारत सरकार के दल मे शामिल हुई।
- वर्ष 1996 में भारतीय संसदीय दल के साथ बुलगारिया की यात्रा एवं फ्रांस, जर्मनी, हालैण्ड, इंग्लैण्ड, नीदरलैण्ड अमेरिका, कनाडा, एवं मेक्सिको आदि की शैक्षिक अध्ययन यात्राएं।
- वर्ष 2002 में कॉमन वेल्थ पार्लियामेन्ट्री एसोसिएशन की गुजरात शाखा के दल के साथ नामीबिया–साउथ अफ्रीका में 48वीं कान्फ्रेंस में शामिल हुई।
- सितम्बर 2009 में आपने लंदन में विलेज इण्डिया प्रोग्राम में गुजरात का प्रतिनिधित्व किया।
- मई 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के साथ गुजरात के व्यापारिक प्रतिनिधि–मंडल के साथ बतौर मुख्यमंत्री चीन की यात्रा।

संस्थाएं

- सहियर, ग्रामश्री।

H.H. Nava Yogendra Swami- Naishtik Brahmachari

Srila Prabhupada Ashram, Srila Prabhupada Marg, Srila Prabhupada Nagar
Udhampur, Jammu and Kashmir, India- 182101

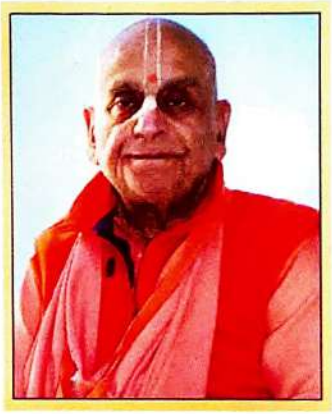

The Chief Guest

His Holiness NavayogendraSwamijiMaharaj is one of the foremost disciples of A.C. BhaktivedantaPrabhupada. He was born on 12th May 1946 on the very auspicious day of Rukmani Dwadashi in the holy town of Udhampur (J&K).He hails from a royal family of Raj Purohits (family Brahmin priests of the king of Kashmir). His father PanditHarichandra Ji and Smt. Durga Devi both were ardent devotees of the Lord Krishna. Maharaj Ji is a naishtikbrahmachari (celibate since birth).It is a common saying 'A Morning shows the day'. Since his childhood his holiness exhibited divine qualities of a saint and observed four regulative principles naturally. At the tender age of 9 years his holiness after seeing a movie -Dhruva Maharaja left his home and proceeded towards the jungles just to get darshan of the Lord Krishna in person. But after spending a day in a temple, on the advice of some sadhus he came back to his home. Again at the age of 17, he left his home and stayed for some time in the holy dham of Vrindavan in the association of many sadhus. Maharaj Ji had to come back to Udhampur because his parents had located him in Sri Vrindavan Dham. His desire for Krishna Bhakti grew day by day along with his disinterest in the material life.

After completing his graduation he could not keep himself any longer in a material association and he left Udhampur. He came to Delhi where one day in a marketplace he was quite impressed to see some foreign devotees distributing Krishna books. He followed them and reached the Hare Krishna temple at Palam. Next day by the divine arrangement of Krishna he left for Vrindavan and finally reached in the divine association of his divine grace Srila Prabhupada. It was in the year 1974 when his holiness got initiation from his Divine grace A.C. Bhaktivedana Swami Prabhupada, the founder Acharya of Great Iskcon and formally became his disciple. Seeing the dedication, sincerity, renunciation and pure devotion in him, Srila Prabhupada awarded him the renounced (Sannyasdiksha) at the young age of 28.

After taking Sanyas H.H.Nava Yogendra Swamiji travelled around the world over a dozen times for preaching purposes. For seven years he lived a hectic and austere life even refraining from sugar, salt and grains in his food. He twice got the wonderful opportunity to serve Srila Prabhupada as a personal servant. Carrying out the order of Srila Prabhupada with extreme vigour Maharaj is still preaching strongly all over the world till date. Maharaj Ji is expert in explaining Vedic Philosophy to the masses in Hindi, English, Urdu, Dogri, Punjabi, Gujrati and African languages too.

He preaches the teachings of Lord Chaitanya through simple discourses and melodies bhajnas in the same way as the great vaishnavas like Srila Bhakti Vinod Thakur, Srila Narrotama Das Thakur, SrilaLochana das Thakur did, which is easily understood and followed by common masses. His spiritual discourses and vibrant sankirtan enlivens the crowd to such as extent that they just can't stop themselves from dancing and singing.

Maharaj Ji never believes in narrow communism. Besides Srimad Bhagvad Gita and Srimad Bhagvatam he also gives references from the Guru Granth Saheb, Holy Bible, Holy Koran etc. in his spiritual discourses. Maharaj ji believes in strong discipline. He gives utmost importance to cleanliness, purity, truthfulness and punctuality. This is evident from his extraordinary personal activities. He takes his meals only once in 24 hours. His day starts at 2 A.M and he goes on preaching till mid night. He is very loving and affectionate with people and helps them solve their problems.

He has lectured at several universities in India and abroad. He has never been seen wearing any warm clothes and shoes apart from the usual three clothes and wooden slippers of a sannyasi even in chilly winter. He is very particular about the spiritual progress of each and every soul especially his disciples and personally see to it the they are following strictly the four regulative principles (no tea-coffee-intoxication, no meat-onion-garlic eating, no illict-sex, no gambling, no mental speculation) and strongly advocates for getting early in mangalarti. For the sake of preaching, Maharaj Ji is always on the move travelling most of the time. He has been visiting and preaching Krishna consciousness several times in most of the countries across the globe.

He has preached about Srimad Bhagvad Gita to many leaders and presidents of various countries. He developed/established/constructed temples and preaching centers, Gurukuls, goshalas, widow & orphan homes at Africa, England, America, Chandigarh, Vrindavana, Haridwar, Udhampur, Katra, Lucknow, Amritsar, Maharahstra etc. He is also organizing Rathyatras and inspiring thousands and thousands of people across the globe to surrender to the lotus feet of Srila Prabhupada and get the mercy of Lord Chaitanya.

दीक्षान्त उद्‌बोधन

मुख्य अतिथि
परम् पूज्य श्री नव योगेन्द्र स्वामी जी महाराज
इस्कान मन्दिर, श्रील प्रभुपाद आश्रम, ऊधमपुर, जम्मू एवं कश्मीर।

सर्वप्रथम मैं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, कुलपति तथा समस्त प्राध्यापक बंधुओं एवं माताओं का आभार व्यक्त करता हूँ कि आप लोगों ने हमें आमंत्रित किया और कुछ कहने का अवसर दिया। मैं गुरु परंपरा के माध्यम से अपने परम पिता परमेश्वर भगवान श्री कृष्ण से यह प्रार्थना करता हूं कि इस विश्वविद्यालय से विभिन्न विषयों के स्नातक, परास्नातक, तथा अन्य उपाधियों को अर्जित करने के बाद आप पूरे विश्व में अपने भौतिक तथा आध्यात्मिक ज्ञान का पताका लहरावें।

जैसा कि इस विश्वविद्यालय को दिशा देने के मंत्र वाक्य में निर्दिष्ट है तेजस्विनावधीतमस्तु यह मंत्र वाक्य हमारे वेदों से लिया गया है इसका अर्थ है कि हमारा ज्ञान तेजस्वी हो। पूरा मंत्र इस प्रकार है "सहनाववतु सहनौ भुनक्तु सह वीर्यं करवावहै तेजस्विनावधीतमस्तु मां विद्विषावहै ओम शांतिः शांतिः शांति।" परमेश्वर हम शिष्य और आचार्य दोनों की साथ–साथ रक्षा करें, हम दोनों को साथ–साथ विद्या के फल का भोग करायें, हम दोनों एक साथ मिलकर विद्या प्राप्ति का सामर्थ्य प्राप्त करें, हमारा ज्ञान तेजस्वी हो, हम सभी परस्पर द्वेष न करें। (कठोपनिषद–कृष्ण यजुर्वेद)।

भगवान श्री कृष्ण की वाणी भगवद्‌गीता के 13 वें अध्याय के श्लोक संख्या 8 से 12 में भगवान श्री कृष्ण ज्ञान को परिभाषित करते हैं। इन 5 श्लोकों में भगवान ने 20 तत्वों को ज्ञान कहा है। इसमें से एक है मानव जीवन की चार मुख्य समस्यायें जन्म, मृत्यु, जरा, व्याधि में दुःख दोषों के दर्शन करना। यह समस्याएं बड़ी दुखदायी हैं परंतु जब तक हम इस शरीर में हैं हमें इन समस्याओं को झेलना पड़ेगा। मानव जीवन हमें इन्हीं चार समस्याओं का समाधान निकालने के लिए मिला हुआ है।

अब आइए, हम अपने आधुनिक अध्ययन शैली को देखें। हम इन चार समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं क्योंकि इन भौतिक समस्याओं का हल भौतिक विधियों से संभव नहीं हो पा रहा है। भौतिक समस्याओं का समाधान भौतिक हो ही नहीं सकता, भौतिक समस्या का समाधान आध्यात्मिक है। इस विषय पर मैं एक उदाहरण देना चाहूंगा कि विश्व के बड़े–बड़े वैज्ञानिक पिछले 100 वर्षों से मानव चेतना की उत्पत्ति को समझने में असफल रहे। हमारे एक शिष्य अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में पिछले 13 वर्षों से इस विषय पर शोध कर रहे हैं, वे बताते हैं कि अब दुनिया के अग्रणी वैज्ञानिक चेतना की उत्पति का आध्यात्मिक सिद्धांत देने के बारे में सोच रहे हैं जो कि भौतिक नहीं आध्यात्मिक है। यह अध्यात्मिक सिद्धांत भगवान कृष्ण द्वारा भगवदगीता में दिए गए आत्मा (जीव की चेतना) का सिद्धांत ही हैं। इस उदाहरण से हम यह समझ सकते हैं कि इन चार भौतिक समस्याओं का समाधान भी भौतिक नहीं होगा अपितु आध्यात्मिक होगा। इसीलिए इस विश्वविद्यालय को दिशा देने के मंत्र वाक्य में भगवान श्री कृष्ण, जो आध्यात्मिक हैं (सच्चिदानन्द विग्रह), से यह प्रार्थना की गई है कि हमारा ज्ञान तेजस्वी हो। इसका सीधा अर्थ यह है कि हम अपने वास्तविक स्वरूप को समझें जो कि भगवदगीता में भगवान ने बताया है और इन चार मुख्य समस्याओं जन्म, मृत्यु, जरा और व्याधि से सर्वदा के लिए छुटकारा प्राप्त करें। यह तभी हो सकता है जब हम अपने परम पिता के बताए हुए रास्ते से आध्यात्मिक ज्ञान का अर्जन करें। जड़ विद्या हमें रोटी, कपड़ा, मकान की सुविधा उपलब्ध कराती है वहीं पर आध्यात्मिक विद्या हमें इस संसार में सुख पूर्वक रहना सिखाती है तथा इस जीवन के बाद जन्म–मृत्यु के चक्कर से छुटकारा पाने का मार्ग दिखाती है। भगवान गीता में बताते हैं कि "मुझे प्राप्त करके महापुरुष, जो भक्तियोगी हैं, कभी भी दुखों से पूर्ण इस अनित्य जगत् में नहीं लौटते, क्योंकि उन्हें परम सिद्धि प्राप्त हो चुकी होती है।" मामुपेत्य पुनर्जन्म दुरूखालयमशाश्वतम्। नाप्नुवन्ति महात्मानः संसिद्धिं परमां गताः।। (भगवद्‌गीता अध्याय 8, श्लोक 15)। हमारे दादा, परदादा इस संसार से चले गए, इससे हमें यह समझना चाहिए की हम भी एक दिन इस नश्वर संसार से चले जाएंगे ऐसा समझने के बाद हमें भगवान के द्वारा बताए गए आध्यात्मिक ज्ञान का अनुशीलन करना चाहिए जिससे कि पुनः हम इस नश्वर संसार में जन्म न लें। भगवान कहते हैं अहम् सर्वस्य प्रभवः (भगवद्‌गीता अध्याय 10, श्लोक 8), सारे भौतिक तथा आध्यात्मिक जगत का कारण भगवान कृष्ण ही हैं। अतः इस ब्रह्मांड के निर्माता हमसे कह रहे हैं कि यह संसार दुखों से पूर्ण तथा अनित्य है। अपने गुरुदेव श्रील प्रभुपाद जी की कृपा से हमने पूरी पृथ्वी का आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार के लिए भ्रमण किया है और देखा है कि विशेष करके पाश्चात्य देशों में लोगों के पास भौतिक संपन्नता होने के बाद भी लोगों को सुख नहीं है, लोग हमेशा परेशान हैं इसका कारण यह है कि हम भौतिक समस्या का समाधान भौतिकता में ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं जबकि भौतिक समस्या का समाधान भौतिक हो ही नहीं सकता। प्रायः यह देखा गया है कि आध्यात्मिक आचरण वाले व्यक्ति वास्तविक सुख का अनुभव करते हैं, यही इसका प्रमाण है।

प्रसिद्ध वेद वाक्य "असतो मा सद्‌गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर मा अमृतम् गमय" का अर्थ है कि हे भगवान हमें अज्ञानता से सत्य की ओर ले चलें, हमें अंधकार से प्रकाश की तरफ ले चलें, तथा हमें मृत्यु से अमरता की तरफ ले चलें। यह पूरा ब्रह्मांड सूर्य और चंद्रमा के बिना अंधकार में होता है इसके विपरीत भगवान का धाम स्वयं प्रकाशित होता है (भगवद्‌गीता अध्याय 15, श्लोक 6) इस मंत्र में यही प्रार्थना किया गया है कि इस मनुष्य शरीर के सदुपयोग से तथा भगवान के कृपा से हम अपने वास्तविक घर बैकुंठ लोक को जायें ऐसा करने के साथ ही जन्म–मृत्यु का चक्कर भी समाप्त हो जाएगा। तभी हो सकता है जब हम आध्यात्मिक विद्या का जड़ विद्या के साथ साथ ही अध्ययन एवं आचरण करें जैसा की इशोपनिषद में बताया गया है कि: विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभ्य सह। अविद्यया मृत्युं तीर्त्वाऽमृतमश्नुते॥ (ईशोपनिषद मंत्र 11) । जो जड़ विद्या तथा आध्यात्मिक विद्या का साथ–साथ अध्ययन कर सकता है वह जन्म–मृत्यु के चक्कर से छुटकारा पाकर अमरत्व का पूर्ण आनंद ले सकता है। (ईशोपनिषद् मंत्र 11)। आजकल के विश्वविद्यालयों में जड़ विद्या के तो सारे विभाग हैं परंतु आध्यात्मिक विद्या के अध्ययन का कोई भी विभाग नहीं है फलस्वरूप जो भी आध्यात्मिक विद्या के विद्यार्थी कम प्रशिक्षित हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए हमें प्रमाणिक अध्यात्मिक विद्या के विश्वविद्यालय खोलने होंगे। प्रमाणिकता का अभिप्राय यह है जो गुरु–शिष्य परंपरा भगवान कृष्ण से जुड़ी हुई है और जिसकी शिक्षाओं से भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का ही प्रचार होता है वही प्रमाणिक गुरु है और ऐसे गुरुओं से बनी हुई परंपरा ही आध्यात्मिक विश्वविद्यालय का निर्माण कर सकती है। इससे कि हम पूर्ण ज्ञान को समझ सकें कि हम यह शरीर नहीं हैं बल्कि आत्मा है जिसे यह शरीर दे दिया गया है। इसको समझने के लिए हम एक उदाहरण देंगे की हम में से कोई भी मरना नहीं चाहता इसका क्या कारण है? इसका कारण यह है कि हम यह शरीर नहीं हैं हम आत्मा हैं तथा आत्मा की मृत्यु नहीं होती है। न जायते म्रियते वा कदाचि–न्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः। अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥ भगवद्‌गीता अध्याय 2, श्लोक 20॥ भगवान कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि हे अर्जुनः आत्मा के लिए किसी भी काल में ना तो जन्म है ना मृत्यु वह ना तो कभी जन्मा है ना कभी जन्म लेता है और ना जन्म

लेगा। वह अजन्मा नित्य शाश्वत तथा पुरातन है। शरीर के मारे जाने पर वह मारा नहीं जाता। आत्मा तो एक शरीर से निकल कर के दूसरे शरीर में प्रवेश कर जाती है जैसे हम पुराने कपड़े को त्याग करके नए कपड़े धारण करते हैं। कुछ नास्तिक वैज्ञानिक इसे नहीं मानते परंतु अगर हम भगवान श्री कृष्ण के द्वारा बताई गई बात नहीं समझते तो हमें इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिलता। अतः हमें यह भली प्रकार से समझते हुए भौतिक विद्या के साथ–साथ आध्यात्मिक विद्या का भी अध्ययन करना होगा जिससे हमारा समाज पूरी मानवता सुखपूर्वक जीवन बिता कर अंत समय में अपने वास्तविक घर वैकुंठ लोक को जा सकेंगे जहां पर जन्म, मृत्यु, जरा, व्याधि नहीं होती है क्योंकि वहां पर सब कुछ आध्यात्मिक है।

हम सभी कोई साधारण नहीं है। हम भगवान कृष्ण के अंश हैं और भगवान कृष्ण हम सभी के पिता हैं। भगवान कहते हैं कि मैं सभी योनियों का बीज देने वाला पिता हूं। इस बात को मान लेने से जीवन की उत्पत्ति तथा विकास संबंधी हमारे सारे प्रश्नों का उत्तर मिल जाता है। अतः हमारा कर्तव्य है कि हम अपने पिता की आज्ञाकारी संतान बने ऐसा बनने के लिए हमें भगवान कृष्ण के प्रतिनिधि अर्थात जो प्रामाणिक आध्यात्मिक गुरु हैं उनका आज्ञाकारी बनना होगा। जैसा कि हम जड़ विद्या के अध्ययन में आधुनिक विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में करते हैं। यह मानव शरीर अनेक प्रकार की दैवीय शक्तियों से भरा हुआ है जिससे हमारे प्राचीन ऋषि महर्षियों ने सिद्ध किए हैं। यह सारी शक्तियां भगवान के द्वारा प्रदान की गई हैं अतः हमारा यह कर्तव्य बनता है कि इन शक्तियों का उपयोग हम अच्छे कार्यों में करें जिससे मानवता सुखी हो और साथ ही साथ सभी लोग आध्यात्मिक प्रगति करें। विश्वविद्यालय इस दिशा में बहुत ही अच्छा प्रयास कर रहे हैं कि नए–नए यंत्रों का आविष्कार करके मनुष्य शरीर के कष्टों को कम किया जा रहा है परंतु हमें यह ध्यान में रखना होगा कि इसे हम खत्म नहीं कर सकते। अतः साथ ही साथ हमें आध्यात्मिक ज्ञान का आयोजन भी करना होगा।

आधुनिक पदार्थ विज्ञान में हम भगवान की अपरा शक्ति का अध्ययन कर रहे हैं। भगवान कृष्ण ने इसे गीता में स्पष्ट रूप से कहा है कि भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च। अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा।। (भगवद्गीता अध्याय 7, श्लोक 4) आकाश, वायु, अग्नि, जल, तथा पृथ्वी, एवं मन, बुद्धि तथा अहंकार–ये आठ प्रकार से विभक्त मेरी भिन्ना (अपर) प्रकृतियाँ हैं। इनमें से प्रथम पांच तत्व पंचमहाभूत कहलाते हैं जिससे या प्रकृति तथा हमारा शरीर बना हुआ है। इन पंचमहाभूत के गुण क्रमशः शब्द, स्पर्श, रस, रूप तथा गंध हैं। पदार्थ विज्ञान के माध्यम से हम इन पंचमहाभूत और उनके गुणों का ही अध्ययन करते हैं। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि रसायन शास्त्र में जितने भी तत्व पढ़ाए जाते हैं सारे इन पंचमहाभूतों में समाहित हैं। चिकित्सा विज्ञान में पंचमहाभूत से बनी इस शरीर का तथा मन बुद्धि और अहंकार का अध्ययन करते हैं। यहां पर हम देखते हैं कि हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भगवान की भौतिक उर्जा का ही अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिक इस तथ्य को नहीं समझ पाए हैं की परमाणु के अंदर उपस्थित कणों को गतिमान करने की ऊर्जा कहां से आती है? इसका विवरण ब्रह्म संहिता में दिया गया है। हमारे पितामह ब्रह्मा जी कहते हैं कि अंडान्तरस्थ परमाणुचयांतरस्थम गोविंदं आदि पुरुषम् तमहं भजामि। (ब्रह्म संहिता 5.35), हे गोविंद आप प्रत्येक ब्रह्मांड में गर्भ उदक शायी विष्णु के रूप में हैं तथा छीर उदक शायी विष्णु के रूप में प्रत्येक परमाणु के अंदर निवास कर रहे हैं। पुनः भगवान गीता में कहते हैं कि इस प्रकृति का अध्यक्ष मैं ही हूं।

मयाध्यक्षेण प्रकृतिः सूयते सचराचरम्। हेतुनानेन कौन्तेय जगद्विपरिवर्तते।। भगवद्गीता अध्याय 9 श्लोक 10) भगवान् कहते हैं: हे कुन्तीपुत्र! यह भौतिक प्रकृति मेरी शक्तियों में से एक है और मेरी अध्यक्षता में कार्य करती है, जिससे सारे चर तथा अचर प्राणी उत्पन्न होते हैं। इसके शासन में यह जगत् बारम्बार सृजित और विनष्ट होता रहता है। आध्यात्मिक विद्या का गुणगान करते हुए भगवान कहते हैं कि: राजविद्या राजगुह्यं पवित्रमिदमुत्तमम्।

प्रत्यक्षावगमं धर्म्यं सुसुखं कर्तुमव्ययम् ।।भगवद्गीता अध्याय 9 श्लोक 2।। हे अर्जुन! यह आध्यात्मिक ज्ञान सब विद्याओं का राजा है, जो समस्त रहस्यों में सर्वाधिक गोपनीय है। यह परम शुद्ध है और चूँकि यह आत्मा की प्रत्यक्ष अनुभूति कराने वाला है, अतः यह धर्म का सिद्धान्त है। यह अविनाशी है और अत्यन्त सुखपूर्वक सम्पन्न किया जाता है। (भगवद्गीता अध्याय 9, श्लोक 2)। आधुनिक विद्यालयों में बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य सुखी होना परंतु हम देखते हैं कि शिक्षा लेने के बाद व्यक्ति ढेर सारी भौतिक सुख–सुविधाओं को जुटाने में लग जाता है फिर भी सुखी नहीं होता फिर वह सुख जो है समाज सेवा में ढूंढता है फिर भी सुखी नहीं होता और ऐसे सुख ढूंढते–ढूंढते व्यक्ति के जीवन का अंत हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है कि हम सुख की खोज ऐसे भौतिक संसार में करते हैं जहां पर सुख ही नहीं परंतु यदि हम भगवान के बताए हुए ज्ञान का आचरण करते हैं तो हम इस भौतिक जगत में भी सुखी हो सकते हैं। संसार के बड़े–बड़े धनी व्यक्तियों का उदाहरण दिया जा सकता है जो अथाह संपत्ति के मालिक हैं फिर भी वह सुखी नहीं हैं क्योंकि उन्हें यह नहीं पता की सुख के स्रोत तो भगवान कृष्ण ही हैं ईश्वरः परमः कृष्णः सच्चिदानन्द विग्रहः। अनादिरादिर्गोविन्दः सर्वकारणकारणम्। (श्री ब्रह्म संहिता ५.१) भगवान् तो कृष्ण हैं, जो सच्चिदानन्द (शाश्वत, ज्ञान तथा आनन्द के) स्वरुप हैं। उनका कोई आदि नहीं है, क्योंकि वे प्रत्येक वस्तु के आदि हैं। वे समस्त कारणों के कारण हैं। अतः हम जब अपना संबंध भगवान से जोड़ेंगे तो हम अत्यंत आनंदित हो जाएंगे। वे लोग यह नहीं समझ पाते कि हम बिना कृष्ण भावना के समाज सेवा से भी आनंद का अनुभव नहीं कर सकते। दूसरा उदाहरण मृग मरीचिका का है। प्यासा हिरण रेगिस्तान में मृग मरीचिका देखकर पानी की खोज में दौड़ते–दौड़ते अपने शरीर का पानी खो देता है और गिरकर मर जाता है। हमारे भी स्थिति ऐसी ही है कि हम बुद्धिमान होकर के भी अपने परम पिता की कही हुई बातों से विमुख होकर संसार में दुख पा रहे हैं।

हमारी शिक्षा पद्धति मानव जीवन के चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के बारे में बताती है परंतु आज का व्यक्ति धर्म, अर्थ तथा काम में ही फंस कर रह गया है। चैतन्य महाप्रभु, जो स्वयं भगवान श्रीकृष्ण हैं, ने पंचम पुरुषार्थ के बारे में हमें बताया जो कि भगवत प्रेम है और यही कृष्ण प्रेम मानव जीवन का उद्देश्य है। हमें किसी भी प्रकार से अपने मन को भगवान के चरणों में लगाना है तभी हम भगवान कृष्ण का प्रेम प्राप्त कर सकते हैं और अपने अस्थाई घर भगवत धाम को जा सकते हैं। इस प्रकार हम जन्म–मृत्यु के बंधन से छुटकारा प्राप्त कर हम अपने मानव जीवन को सफल कर सकते हैं।

हम भगवद्धाम तक कैसे पहुँच सकते हैं। इसकी सूचना भगवद्गीता के आठवें अध्याय में (भगवद्गीता अध्याय 8 श्लोक 5) इस तरह दी गई है अन्तकाले च मामेव स्मरन्मुक्त्वा कलेवरम्। यः प्रयाति स मद्भावं याति नास्त्यत्र संशयः।।भगवद्गीता अध्याय 8 श्लोक 5।।

"अन्तकाल में जो कोई मेरा स्मरण करते हुए शरीर त्याग करता है वह तुरन्त मेरे स्वभाव को प्राप्त होता है,इसमें रंच मात्र भी सन्देह नहीं है।" भगवद्गीता में (8.6) उस सामान्य सिद्धान्त की भी व्याख्या है जो मृत्यु के समय भगवान कृष्ण का चिन्तन करने से आध्यात्मिक धाम में प्रवेश करना सुगम बनाता है: यं यं वापि स्मरन् भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद्भावभावितः।। (भगवद्गीता अध्याय 8 श्लोक 6) "अपने इस शरीर को त्यागते समय मनुष्य जिस–जिस भाव का स्मरण करता है, वह अगले जन्म में उस–उस भाव को निश्चित रूप से प्राप्त होता है।"अब सर्वप्रथम हमें यह समझना चाहिए कि भौतिक प्रकृति ईश्वर की एक शक्ति का प्रदर्शन है भगवान यह सलाह देते हैं कि: तस्मात्सर्वेषु कालेषु मामनुस्मर युध्य च। मय्यर्पितमनोबुद्धि र्मामेवैष्यस्यसंशयः।। (भगवद्गीता अध्याय 8 श्लोक 7) "इसलिए, हे अर्जुन! तुम्हें कृष्ण रूप में सदैव मेरा चिन्तन करो, और साथ ही अपने युद्ध कर्म करते रहो। अपने कर्मों को मुझ समर्पित करके तथा अपने मन एवं बुद्धि को मुझमें स्थिर करके तुम निश्चित रूप से मुझे प्राप्त कर सकोगे।" (भगवद्गीता अध्याय 8 श्लोक 7)। यही भगवत प्राप्ति मानव जीवन का उद्देश्य है जिसे हम शिक्षा के माध्यम से समझने की कोशिश करते हैं । हम अपनी वाणी को विराम देते हुए आप सभी लोगों से यह आशा करते हैं कि भगवान कृष्ण की शिक्षाओं का लाभ उठाते हुए अपनी भौतिक प्रगति के साथ–साथ आध्यात्मिक प्रगति पर भी ध्यान देने की कोशिश करेंगे और अपने जीवन को सुखी एवं सफल बनाएंगे। आप सभी लोगों का बहुत–बहुत आभार धन्यवाद।

कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	प्रो0 ए.के. श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष, इंजी0 एवं टेक्नालाजी संकाय, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0,जौनपुर।	सदस्य
3.	डॉ0 वशिष्ठ यति, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, पीजी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
4.	प्रो0 विलास ए0 तभाने, एमेरिटस प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान, पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।	सदस्य
5.	प्रो0 राम नारायण, बायोटेक्नालॉजी विभाग, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर।	सदस्य
6.	प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह, कुलपति, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
7.	प्रो0 शैलेन्द्र कुमार गुप्त, विधि विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
8.	प्रो0 मानस पाण्डेय, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर।	सदस्य
9.	डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर।	सदस्य
10.	डॉ0 संदीप कुमार सिंह, मैकेनिकल इंजी0 विभाग, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर।	सदस्य
11.	डॉ0 मुनीव शर्मा, प्राचार्य, डॉ0 राममनोहर लोहिया रा0 महा0, मुफ्तीगंज, जौनपुर।	सदस्य
12.	डॉ0 नूरतलत, प्राचार्या, राजकीय महिला महाविद्यालय, शाहगंज, जौनपुर।	सदस्य
13.	डॉ0 सतीश चन्द्र कुमार, प्राचार्य, संत गणिनाथ रा0 महा0, मोहम्मदाबाद, गोहना,मऊ।	सदस्य
14.	डॉ0 अनिल कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
15.	डॉ0 रणविजय सिंह, संस्कृत विभाग, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज।	सदस्य
16.	डॉ0 दीनानाथ सिंह, 74, भगवानपुर, वाराणसी।	सदस्य
17.	डॉ0 हरिहर प्रसाद सिंह, 565, मोहल्ला आमघाट, गाजीपुर।	सदस्य
18.	प्रो0 कल्पलता पाण्डेय, ए10/74–ई, प्रहलाद घाट, वाराणसी।	सदस्य
19.	माननीय न्यायमूर्ति उमेश चन्द्र त्रिपाठी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज।	सदस्य
20.	श्री सुजीत कुमार जायसवाल, कुलसचिव, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर	सचिव
21.	श्री एम0 के0 सिंह, वित्त अधिकारी, वी0ब0 सिंह पूर्वान्चल वि0वि0, जौनपुर	विशेष आमंत्रित

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, कुलपति	अध्यक्ष
2.	डॉ0 वशिष्ठ यति, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
3.	डॉ0 अनिल कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कलासंकाय, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनुपर।	सदस्य
4.	डॉ0 एम0एस0 अन्सारी, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, शिब्ली नेशनल कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
5.	डॉ0 रेखा शुक्ला, संकायाध्यक्ष, शिक्षासंकाय, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज।	सदस्य
6.	श्री सूर्य प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
7.	प्रो0 वन्दना राय, बायोटेक्नालॉजी विभाग, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, विश्वविद्याल परिसर।	सदस्य
8.	डॉ0 मनोज मिश्र, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
9.	प्रो0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और टेक्नालाजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
10.	प्रो0 अविनाश पाथर्डीकर, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
11.	डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, निदेशक रज्जू भैया संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
12.	डॉ0 संदीप कुमार सिंह, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
13.	डॉ0 सन्तोष कुमार, इंजीनियरिंग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
14.	डॉ0 राजकुमार, इंजीनियरिंग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
15.	प्रो0 अजय प्रताप सिंह, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग,, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
16.	डॉ0 संजीव गंगवार, कम्प्यूटर अनुप्रयुक्त विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
17.	डॉ0 विनोद कुमार सिंह, हिन्दी विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
18.	डॉ0 विष्णु चन्द्र त्रिपाठी , राजनीति शास्त्र विभाग, आर0 एस0के0डी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
19.	डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, भूगोल विभाग, गांधी शताब्दी स्मारक महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ।	सदस्य
20.	डॉ0 रणविजय सिंह, संस्कृत विभाग, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज।	सदस्य
21.	डॉ0 एम0 जहूरूल आलम ,समाजशास्त्र विभाग, शिब्ली नेशनल कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
22.	डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, प्रा0 इतिहास विभाग, बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर।	सदस्य
23.	श्री रमेश चन्द्र दूबे, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर।	सदस्य
24.	डॉ0 शबाबुद्दीन, उर्दू, विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
25.	श्री बालेश्वर सिंह, इतिहास विभाग, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
26.	श्री मायानन्द उपाध्याय, शिक्षा शास्त्र विभाग, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
27.	श्री कुमुद चन्द्र पाठक, अंग्रेजी विभाग, सल्तनत बहादुर पी0जी0 कालेज, बदलापुर, जौनुपर।	सदस्य
28.	श्री जय प्रकाश मिश्र, दर्शन शास्त्र विभाग, गॉधी शताब्दी स्मारक पी0जी0 कालेज, कोयलसा, आजमगढ़।	सदस्य
29.	डॉ0 श्रीकान्त पाण्डेय, अर्थशास्त्र विभाग, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
30.	डॉ0 देवरूप तिवारी, सैन्य विज्ञान विभाग, गॉधी स्मारक महाविद्यालय, बरदह, आजमगढ़।	सदस्य
31.	डॉ0 दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर।	सदस्य
32.	डॉ0 जितेन्द्र प्रसाद सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, एस.जी.आर. पी.जी. कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
33.	श्री जगदीश प्रसाद सिंह, भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय पी0जी0 कालेज, जमुहाई, जौनपुर।	सदस्य
34.	श्री बीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
35.	डॉ0 मसूद अख्तर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिब्ली नेशनल, कालेज, आजमगढ।	सदस्य
36.	डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी0डी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
37.	डॉ0 मोहिद्दीन आजाद इलाही, अरबी विभाग, शिब्ली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
38.	डॉ0 समर बहादुर सिंह, बी0एड0 विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
39.	श्री अशहद अहमद, विधि विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य

40. श्री बाल गोविन्द सिंह, वाणिज्य विभाग, मलिकपुरा महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर। सदस्य
41. डॉ0 ओम प्रकाश सिंह कृषि अर्थशास्त्र विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
42. डॉ0 आलोक कुमार सिंह कृषि बनस्पति विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
43. डॉ0 एन.के. मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
44. डॉ0 दिग्विजय सिंह, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
45. डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
46. श्री इन्द्रजीत, कृषि कीट विज्ञान, श्री दुर्गा जी पी0जी0 कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
47. डॉ0 रमेश सिंह, पादप रोग विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
48. डॉ0 फूलचन्द सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी0जी0 कालेज चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
49. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
50. डॉ0 रजनीश सिंह, कृषि उद्यान विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
51. डॉ0 अजय गोस्वामी, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर। सदस्य
52. डॉ0 श्याम कन्हैया सिंह, भूगर्भ विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
53. प्रो0 बी0बी0 तिवारी, इंजीनियरिंग और टेक्नालॉजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
54. प्रो0 मानस पाण्डेय, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
55. प्रो0 राम नारायण, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
56. प्रो0 राजेश शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
57. डॉ0 सतीश चन्द्र कुमार, प्राचार्य संत गणिनाथ राजकीय महाविद्यालय, गोहना, मऊ। सदस्य
58. डॉ0 मृणालिनी सिंह, प्राचार्या पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर। सदस्य
59. डॉ0 मुनीव शर्मा, प्राचार्य, रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, बगली पिजड़ा, मऊ। सदस्य
60. श्री रजनीश भाष्कर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
61. डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
62. डॉ0 नूपुर तिवारी, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
63. डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
64. श्री आलोक गुप्ता, फाइनेन्स कन्ट्रोल विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
65. डॉ0 रसिकेश, एच0 आर0 डी0 विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
66. डॉ0 राकेश सिंह, सैन्यविज्ञान विभाग, एस0जी0आर0पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
67. डॉ0 स्वामीनाथ गुप्ता, संस्कृत विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0 कालेज, आजमगढ़। सदस्य
68. श्री राजीव प्रकाश सिंह, भूगोल विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
69. डॉ0 रविन्द्र नाथ राय,सैन्य विज्ञान विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
70. डॉ0 आनन्द सिंह, भूगोल विभाग, गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
71. प्रो0 अजय द्विवेदी, फाइनेन्स कन्ट्रोल विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
72. प्रो0 बाल कृष्ण अग्रवाल, भौतिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
73. प्रो0 के0 पी0 सिंह, जन्तु विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
74. प्रो0 संजय सिंह, कुलपति, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ। सदस्य
75. डॉ0 मनोज पटेरिया, डायरेक्टर, एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर.एन, दिल्ली। सदस्य
76. प्रो0 राजन हर्ष, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
77. डॉ0 सुरेश राम, बी.एड. विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। सदस्य
78. डॉ0 इन्द्रदेव, अर्थशास्त्र विभाग, सकलडीहा पी0जी0 कालेज, सकलडीहा, चन्दौली। सदस्य
79. डॉ0 मनीष कुमार गुप्ता, बायोटेक्नालॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य

2019

U.G. GOLD MEDALIST

R.No. 215415

Student Name : ABUFAZAL
Father's Name : ALIHAQUE
Faculty/Department : B. Tech (Mechanical Engineering)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4136/5000
Division : First
Percent : 82.72%

R.No. 215102

Student Name : RAVI PATEL
Father's Name : BABULAL PATEL
Faculty/Department : B. Tech (Electronics & Instrumentation Engineering)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3646/5000
Division : First
Percent : 72.92%

R.No. 215538

Student Name : MANDAVI JAISWAL
Father's Name : RAMESH JAISWAL
Faculty/Department : B. Tech (Electrical Engineering)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4020/5000
Division : First
Percent : 80.40%

R.No. 215006

Student Name : ROOPAM YADAV
Father's Name : GANGARAM YADAV
Faculty/Department : B. Tech (Electronics & Communication Engg.)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3932/5000
Division : First
Percent : 78.64 %

R.No. 215318

Student Name : ANJALI GUPTA
Father's Name : SUNIL KUMAR GUPTA
Faculty/Department : B. Tech (Information Technology Engg.)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3851/5000
Division : First
Percent : 77.02%

R.No. 215215

Student Name : PUJA SHARMA
Father's Name : SUSHIL SHARMA
Faculty/Department : B. Tech (Computer Science Engg.)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3959/5000
Division : First
Percent : 79.18%

R.No. 2015012

Student Name : CHITTRA GANGWAR
Father's Name : SHIV KISHOR
Faculty/Department : B.Pharma
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3539/4600
Division : First
Percent : 76.93%

R.No. 17822228103

Student Name : SHIVANGI SINGH
Father's Name : DHARMENDRA SINGH
Faculty/Department : B.A.
College/institute : Shri Ram Dhari Chauhan Mahavidyalaya Khiriyanau
Marks Obtain : 1515/1800
Division : First
Percent : 84.16%

R.No. 17822175205

Student Name : SURYA PRAKASH PAL
Father's Name : LAL JI PAL
Faculty/Department : B.Sc.
College/Institute : Shri Ram Dhari Chauhan Mahavidyalaya Khiriyanau
Marks Obtain : 1378/1800
Division : First
Percent : 76.55%

R.No. 17601146168

Student Name : SHIVANGI SINGH
Father's Name : SANJEEV KUMAR
Faculty/Department : B.Com.
College/Institute : Tilakdhari P.G. College Jaunpur
Marks Obtain : 1517/2000
Division : First
Percent : 75.85%

R.No. 16604418534

Student Name : SAMRIDDHI SINGH
Father's Name : RAM PRAKASH SINGH
Faculty/Department : B.Sc. (Ag.)
College/institute : Shri Ganesh Rai P.G. College, Dobhi,Jaunpur
Marks Obtain : 2187/2800
Division : First
Percent : 78.10%

R.No. 17413223445

Student Name : TRIBHUWAN CHAUHAN
Father's Name : OMPRAKASH CHAUHAN
Faculty/Department : B.P.E.
College/institute : P.G. College Ghazipur
Marks Obtain : 1020/1600
Division : First
Percent : 63.75%

R.No. 18603012232

Student Name : ANURAG DUBEY
Father's Name : UDAIRAJ DUBEY
Faculty/Department : B.Ed.
College/institute : Himtaj Mahavidyalaya Nevadhiya,Jaunpur
Marks Obtain : T- 949/1200
: P-370/400
Division : First
Percent : T-79.08%
: P-92.50%

R.No. 16711000

Student Name : HRITIKA SRIVASTAVA
Father's Name : ASHISH KUMAR SRIVASTAVA
Faculty/Department : LL.B.
College/institute : T.D.P.G. College Jaunpur
Marks Obtain : 1886/3000
Division : First
Percent : 62.86%

R.No. 16580103

Student Name : ADARSH PAL
Father's Name : RAGHUVEER PRASHAD PAL
Faculty/Department : B.C.A.
College/institute : Purvanchal P.G. College Rani ki Sarai Azamgarh
Marks Obtain : 3079/3600
Division : First
Percent : 85.52%

R.No. 16180029

Student Name : NEHA VERMA
Father's Name : RAJENDRA KUMAR VERMA
Faculty/Department : B.B.A.
College/institute : Technical Education & Research Institute, Ghazipur
Marks Obtain : 2834/3600
Division : First
Percent : 78.72%

2019

P.G. GOLD MEDALIST

R.No. 216609

Student Name : VIJAY KUMAR GOND
Father's Name : RAM SHABD GOND
Faculty/Department : M.C.A
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4285/6000
Division : FIRST
Percent : 71.41%

R.No. 171304

Student Name : ROHIT SINGH
Father's Name : SHIV BAHADUR SINGH
Faculty/Department : MBA (E. Commerce)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1940/2800
Division : FIRST
Percent : 69.28%

R.No. 171104

Student Name : PARUL PANDEY
Father's Name : SUBODH KUMAR PANDEY
Faculty/Department : M.B.A.
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2254/2800
Division : FIRST
Percent : 80.50%

R.No. 171203

Student Name : ANKIT SINGH
Father's Name : RAM GIREESH SINGH
Faculty/Department : MBA (Agri Business)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2031/2800
Division : FIRST
Percent : 72.53%

R.No. 171405

Student Name : SHIVANI PANDEY
Father's Name : JITENDRA KUMAR PANDEY
Faculty/Department : MBA (Business Economics)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2026/2800
Division : FIRST
Percent : 72.35%

R.No. 171703

Student Name : LAKSHAMI MAURYA
Father's Name : RAM JATAN MAURYA
Faculty/Department : MBA (Finance & Control)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2164/2800
Division : FIRST
Percent : 77.28%

R.No. 171501

Student Name : ADIBA ANWAR
Father's Name : MOHD ANWAR HAQ
Faculty/Department : MBA (HRD)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2088/2800
Division : FIRST
Percent : 74.57%

R.No. 172312

Student Name : RANJEET KUMAR VISHWAKARMA
Father's Name : BRIJLAL VISHWAKARMA
Faculty/Department : M.Sc. (Biochemistry)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 893/1200
Division : FIRST
Percent : 74.41%

R.No. 172201

Student Name : AZIZA NIYAZ
Father's Name : NIYAZ AHMAD
Faculty/Department : M.Sc. (Microbiology)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 994/1200
Division : FIRST
Percent : 82.83%

R.No. 172104

Student Name : JUHI SHARMA
Father's Name : SANJAY KUMAR SHARMA
Faculty/Department : M.Sc. (Biotechnology)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 920/1200
Division : FIRST
Percent : 76.66%

R.No. 172432

Student Name : ANKITA KUSHWAHA
Father's Name : PYARE KUSHWAHA
Faculty/Department : M.Sc. (Environmental science)
College/institute : P.G. COLLEGE, GHAZIPUR
Marks Obtain : 862/1200
Division : FIRST
Percent : 71.83%

R.No. 173203

Student Name : PRAGYA SINGH
Father's Name : BADRI PRASAD SINGH
Faculty/Department : M.A. (Applied Psychology)
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1526/2000
Division : FIRST
Percent : 76.30%

R.No. 173102

Student Name : AASHUTOSH TRIPATHI
Father's Name : RAVIKANT TRIPATHI
Faculty/Department : M.A. (MASS COMMUNICATION
College/institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1335/2000
Division : FIRST
Percent : 66.75%

R.No. 18610199577

Student Name : ASHUTOSH KUMAR
Father's Name : LAL BAHADUR PATEL
Faculty/Department : Ancient History Archaeology & Culture
College/institute : BAYALASI MAHAVIDYALAYA JALALPUR,JAUNPUR
Marks Obtain : 765/1100
Division : FIRST
Percent : 69.54%

R.No. 18403190588

Student Name : SAURABH DUBEY
Father's Name : SUDHIR KUMAR DUBEY
Faculty/Department : Defence and Strategic Studies
College/institute : SWAMI SAHAJANAND P.G. College, GHAZIPUR
Marks Obtain : 694/1000
Division : FIRST
Percent : 69.40%

R.No. 1840210283

Student Name : SHIVANI SINGH
Father's Name : AJIT KUMAR SINGH
Faculty/Department : Economics
College/institute : HINDU DEGREE COLLEGE,GHAZIPUR
Marks Obtain : 730/1000
Division : FIRST
Percent : 73.00%

R.No. 18620201866

Student Name : SHRADHA DUBEY
Father's Name : SUSHIL KUMAR DUBEY
Faculty/Department : Education
College/institute : MOHAMMAD HASAN DEGREE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 763/1000
Division : FIRST
Percent : 76.30%

R.No. 18201183237

Student Name : ADNAN KHAN
Father's Name : MOBIN KHAN
Faculty/Department : English
College/institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE,AZAMGARH
Marks Obtain : 690/1000
Division : FIRST
Percent : 69.00%

R.No. 18601197227

Student Name : SHIVANGI SINGH
Father's Name : RAJENDRA KUMAR SINGH
Faculty/Department : Geography
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 812/1000
Division : FIRST
Percent : 81.20%

R.No. 18618201291

Student Name : KM JYOTI MISHRA
Father's Name : VIJAY SHANKAR MISHRA
Faculty/Department : Hindi
College/institute : RASHTRIYA P.G. College SUJANGANJ,JAUNPUR
Marks Obtain : 699/1000
Division : FIRST
Percent : 69.90%

R.No. 18699205122

Student Name : SAJIDA BANO
Father's Name : KHALIK
Faculty/Department : Hindi
College/institute : THAKUR MATIVAR SINGH MAHAVIDYALAYA,PURAUTTAM, JAMALAPUR,JAUNPUR
Marks Obtain : 699/1000
Division : FIRST
Percent : 69.90%

R.No. 18620201767

Student Name : NIDHI SINGH
Father's Name : SANJAY SINGH
Faculty/Department : Home Science (Food Nutrition)
College/institute : MOHAMMAD HASAN DEGREE COLLEGE,JAUNPUR
Marks Obtain : 937/1200
Division : FIRST
Percent : 78.08%

R.No. 18620201628

Student Name : BEENA TRIGUNAIT
Father's Name : LAUTOO PRASAD TRIGUNAIT
Faculty/Department : Home Science (Human Development)
College/institute : MOHAMMAD HASAN DEGREE COLLEGE,JAUNPUR
Marks Obtain : 937/1200
Division : FIRST
Percent : 81.08%

R.No. 18801205457

Student Name : RICHA PANDEY
Father's Name : PARAS NATH PANDEY
Faculty/Department : Medieval & Modern History
College/institute : D.C.S.K. P.G. College MAU
Marks Obtain : 707/1000
Division : FIRST
Percent : 70.70%

R.No. 18665214916

Student Name : PRIYANKA SINGH
Father's Name : ARAVIND SINGH
Faculty/Department : Music(Gayan)
College/institute : SHIVANGI MAHILA MAHAVIDYALAYA,PANCHAHATIYA JAUNPUR
Marks Obtain : 635/900
Division : FIRST
Percent : 70.55%

R.No. 18201182958

Student Name : SHWETA SINGH
Father's Name : AMBIKA SINGH
Faculty/Department : Philosophy
College/institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE, AZAMGARH
Marks Obtain : 765/1000
Division : FIRST
Percent : 76.50%

R.No. 18601197051

Student Name : KM PRIYANKA MODANWAL
Father's Name : GOVIND MODANWAL
Faculty/Department : Political Science
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 678/1000
Division : FIRST
Percent : 67.80%

R.No. 18851208787

Student Name : KM HEMLATA VISHWAKARMA
Father's Name : LAL BIHARI SHARMA
Faculty/Department : Sanskrit
College/institute : M.M. MAHAVIDYALAYA PEEWATAL,MAU
Marks Obtain : 801/1000
Division : FIRST
Percent : 80.10%

R.No. 18267188354

Student Name : RAM CHANDRA YADAV
Father's Name : KAWAL DEV YADAV
Faculty/Department : Sociology
College/institute : BAIJNATH RAMNARESH MAHAVIDYALAYA,KAZIPUR, BADAHAJGANJ,AZAMGARH
Marks Obtain : 675/1000
Division : FIRST
Percent : 67.50%

R.No. 18801205511

Student Name : UZMA KHATOON
Father's Name : SAHFIQUE AHMAD
Faculty/Department : Urdu
College/institute : D.C.S.K. P.G. College MAHAVIDYALAYA,MAU
Marks Obtain : 717/1000
Division : FIRST
Percent : 71.70%

R.No. 18101182591

Student Name : LAKSHMI
Father's Name : NAND LAL
Faculty/Department : Psychology
College/institute : HANDIA P.G. COLLEGE, HANDIA,ALLAHABAD
Marks Obtain : 675/1000
Division : FIRST
Percent : 67.50%

R.No. 18605017764

Student Name : PRAMOD KUMAR
Father's Name : DANJOO RAM
Faculty/Department : M.Ed.
College/institute : RAJA SHRI KRISHNA DUTT P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 1560/2000
Division : FIRST
Percent : 78.00%

R.No. 18403210086

Student Name : PRACHI GARG
Father's Name : SANJAY GARG
Faculty/Department : M.Com.
College/institute : SWAMI SAHAJANAND P.G. COLLEGE, GHAZIPUR
Marks Obtain : 825/1200
Division : FIRST
Percent : 68.75%

R.No. 18601213264

Student Name : PRIYA SINGH
Father's Name : GYANENDRA SINGH
Faculty/Department : Botany
College/institute : TILAKDHARI P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 902/1200
Division : FIRST
Percent : 75.16%

R.No. 18201211836

Student Name : RAHAT FIRDAUS
Father's Name : SHAMIM AHMAD
Faculty/Department : Chemistry
College/institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE,AZAMGARH
Marks Obtain : 932/1200
Division : FIRST
Percent : 77.66%

R.No. 18607213723

Student Name : KM SANDHYA SINGH
Father's Name : RAMESH CHANDRA SINGH
Faculty/Department : Zoology
College/institute : KUTIR P.G. College CHAKKE,JAUNPUR
Marks Obtain : 899/1200
Division : FIRST
Percent : 74.91%

R.No. 18601211521

Student Name : NIDHI KUMARI VASHISTHA
Father's Name : ARVIND KUMAR VASHISTHA
Faculty/Department : M.Sc.Ag. (Agricultural Economics)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 735/1000
Division : FIRST
Percent : 73.50%

R.No. 16601369056

Student Name : AKASH KUMAR SINGH
Father's Name : UMA SHANKAR SINGH
Faculty/Department : M.Sc. (Animal Husbandry And Dairying)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 567/800
Division : FIRST
Percent : 70.87%

R.No. 18601211520

Student Name : NEHA SINGH
Father's Name : JITENDRA PRATAP SINGH
Faculty/Department : M.Sc. Ag.(Genetics And Plant Breeding)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 696/800
Division : FIRST
Percent : 87.00%

R.No. 18601211536

Student Name : AMAN SRIVASTAV
Father's Name : ABHAY SRIVASTAV
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Horticulture)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 833/1000
Division : FIRST
Percent : 83.30%

R.No. 18601211533

Student Name : AJEET PRATAP YADAV
Father's Name : ARJUN PRASAD YADAV
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Plant Horticulture)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 638/800
Division : FIRST
Percent : 79.75%

R.No. 18601211529

Student Name : ADITYA KUMAR
Father's Name : BRAHMDHAR PATEL
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Agronomy)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 612/800
Division : FIRST
Percent : 76.50%

R.No. 18604211668

Student Name : DHANANJAY MAURYA
Father's Name : KAILASH MAURYA
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Agricultural Chemistry and Soil Science)
College/institute : SHRI GANESH RAI P.G. College DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 570/800
Division : FIRST
Percent : 71.25%

R.No. 14087079168

Student Name : PARTH PRATEEK
Father's Name : RAVINDRA KUMAR SINGH
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Agriculture Extension)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 615/800
Division : FIRST
Percent : 76.87%

R.No. 18601213255

Student Name : POOJA MISHRA
Father's Name : RAMESHWAR NATH MISHRA
Faculty/Department : Physics
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 920/1200
Division : FIRST
Percent : 76.66%

R.No. 18601216554

Student Name : TANAYA GUPTA
Father's Name : RAJIV KUMAR GUPTA
Faculty/Department : LL.M. (Year 2019)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College, JAUNPUR
Marks Obtain : 706/1100
Division : FIRST
Percent : 64.18%

R.No. 18601211534

Student Name : AJIT PANDEY
Father's Name : VAYU NANDAN PANDEY
Faculty/Department : M.Sc. Ag. (Entomology)
College/institute : TILAKDHARI P.G. College JAUNPUR
Marks Obtain : 627/800
Division : FIRST
Percent : 78.37%

R.No. 18202212089

Student Name : SHIPRA SINGH
Father's Name : RAJNARAYAN SINGH
Faculty/Department : Mathematics
College/institute : D A V P.G. College AZAMGARH
Marks Obtain : 959/1200
Division : FIRST
Percent : 79.91%

अमर उजाला फाउंडेशन से अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक के लिए अनुबंध

AMAR UJALA FOUNDATION

R.No. 173102

Student Name	: AASHUTOSH TRIPATHI
Father's Name	: RAVIKANT TRIPATHI
faculty/Department	: M.A. (MASS COMMUNICATION
College/institute	: Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain	: 1335/2000
Division	: FIRST
Percent	: 66.75%

अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम0 ए0 (जनसंचार) विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जायेगा। अमर उजाला फाउंडेशन के साथ विश्वविद्यालय की सहमति बनी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव, वित्त अधिकारी एम. के. सिंह, कुलसचिव सुजीत कुमार जायसवाल से अमर उजाला लखनऊ के सीनियर न्यूज एडिटर राजेंद्र सिंह ने मुलाकात कर 24 सितम्बर 2019 आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की। कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अमर उजाला के प्रतिनिधि को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विद्यार्थियों की विशेष मांग पर यू.जी. कक्षाओं में बीएससी, बीकॉम ऑनर्स एवं बीए पाठ्यक्रम भी परिसर में संचालित हुए हैं। परिसर के विद्यार्थियों के लिए कैंपस सलेक्शन भी कराया गया है। आज प्रदेश में पूर्वांचल विश्वविद्यालय शोध गंगा ,खेल एवं कैम्पस प्लेसमेंट में पहले पायदान पर है। स्व0 अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक के लिए कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने अमर उजाला के प्रबंध निदेशक श्री राजुल माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया। जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मनोज मिश्र ने जनसंचार विभाग के पुरातन छात्रों एवं उनकी उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जनसंचार विभाग के साथ अमर उजाला का यह जुड़ाव ऊर्जा प्रदान करेगा। विभाग के शिक्षक डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 अवध बिहारी सिंह, डॉ0 चन्दन सिंह सहित विद्यार्थियों ने अमर उजाला के इस कदम का स्वागत किया है।

अमर उजाला के नवोन्मेषक स्व0 अतुल माहेश्वरी जी के नाम पर स्वर्ण पदक के लिए कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव के साथ औपचारिकताएं पूर्ण करते अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेन्द्र सिंह जी, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं शिक्षक गण

सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय - 2019

क्रमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्त पोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1	आज़मगढ़	02	10	228	240
2	गाजीपुर	03	08	310	321
3	मऊ	02	04	142	148
4	जौनपुर	02	14	168	184
5	प्रयागराज (हंडिया)	--	01	--	01
	कुल	**09**	**37**	**848**	**894**

परीक्षा सत्र 2018-19 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

कुल परीक्षार्थी	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें	कुल परीक्षार्थी उत्तीर्ण	छात्र उत्तीर्ण	छात्रायें उत्तीर्ण
स्नातक परीक्षार्थी	150507	61764	88743	142225	57328	84897
परास्नातक परीक्षार्थी	28303	10233	18070	27348	9764	17584
कुल परीक्षार्थी	**178810**	**71997**	**106813**	**169573**	**67092**	**102481**

स्वर्ण पदक धारक

स्वर्ण पदक	संख्या			प्रतिशत	
	छात्रायें	छात्र	कुल	छात्रायें	छात्र
स्नातक	10	06	16	62.05	37.05
परास्नातक	31	18	49	63.26	36.74
कुल योग	41	24	65	63.07	36.93

संकायवार शोध उपाधि धारकों की सूची-2019

क्रमांक	संकाय	शोधार्थियों की संख्या
1	कला संकाय	83
2	विज्ञान संकाय	16
3	शिक्षा संकाय	10
4	वाणिज्य संकाय	01
5	कृषि संकाय	06
6	विधि संकाय	05
योग		121

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ – 2019

नवम्बर 2018

1. 03 नवम्बर को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।

2. **विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में इस सत्र में अब तक 122 विद्यार्थियों का विभिन्न कम्पनियों द्वारा कैंपस प्लेसमेंट किया गया। विगत सत्र में 735 विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट में चयन हुए थे।**

3. 02 नवम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकी विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा संकाय भवन में **भौतिकी के महान वैज्ञानिक एवं उनका योगदान** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

4. 03 नवम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा नवागत छात्र समारोह का आयोजन किया गया।

5. 05 नवम्बर को विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह में प्रदेश के माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने प्रथम प्रयास में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 55 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया।माइकोलॉजी एवं पौध रोग विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो0 उदय प्रताप सिंह को मानद उपाधि "डाक्टर आफ साइंस" से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में 115 पी–एच0डी0 धारकों को उपाधि एवं 01 अभ्यर्थी को डी0एस–सी0 की उपाधि प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह में **गतिमान** वार्षिक पत्रिका के छठे अंक का विमोचन माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने किया। इस पत्रिका में विश्वविद्यालय के वर्ष भर की गतिविधियों, स्वर्ण पदक धारकों की सूची, अतिथियों का परिचय समेत तमाम जानकारियां बड़े आकर्षक ढंग से प्रकाशित की गयी है।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा संगोष्ठी भवन परिसर में महारानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास तथा राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में तकनीकी उन्नत सिविल सर्विसेज कोचिंग सेन्टर का उद्घाटन किया गया।

6. 15 नवम्बर को विश्वविद्यालय में रोवर्स–रेंजर्स लीडर्स एवं प्रभारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने आजमगढ़, मऊ, जौनपुर एवं गाजीपुर जनपद के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया।

7. 19 नवम्बर को राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी में आयोजित अन्तर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता सृजन– 4 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एमबीए फाइनेंस एंड कण्ट्रोल एवं एमबीए बिज़नेस इकोनॉमिक्स के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सृजनात्मक क्षमता की पहचान करना था।

8. 28 नवम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया हाल में **ऑप्टिक एवं फोटॉनिक्स** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बतौर वक्ता कोलकाता विश्वविद्यालय के एमरेट्स प्रोफेसर एल0 एन0 हाजरा ने छात्रों को आधुनिक युग में प्रयोग होने वाली फोटॉनिक्स तकनीकी की जानकारी दी।

9. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में 26 नवम्बर से तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। पुस्तक मेले में देश के 42 प्रकाशकों ने विद्यार्थियों के लिये उपयोगी किताबों के स्टाल लगाये।

10. 17 नवम्बर को विश्वविद्यालय स्थित फार्मेसी संस्थान के रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर में **शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों ने शोध पत्र लेखन के विविध आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

एवं स्प्रिंगर नेचर इंडिया, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

11. 27 नवम्बर को विश्वविद्यालय के सभागार में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम के तहत बोर्ड आफ गवरनेन्स की पहली बैठक सम्पन्न हुयी।

12. 26 नवम्बर को विश्वविद्यालय के विधि विभाग के द्वारा "इलेक्ट्रानिक युग में भारतीय संविधान की प्रस्तावना की प्रासंगिकता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

खेल गतिविधियाँ

(1) अन्तर महाविद्यालयीय बास्केटबाल महिला प्रतियोगिता–

02 नवम्बर को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 4 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

(2) अन्तर महाविद्यालयीय बाक्सिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

02 एवं 03 नवम्बर को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 10 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(3) अन्तर महाविद्यालयीय खो–खो महिला प्रतियोगिता–

06 नवम्बर को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 6 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

(4) अन्तर महाविद्यालयीय हैण्डबाल पुरूष प्रतियोगिता

15 एवं 16 नवम्बर को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 8 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

(5) अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता–

20 से 22 नवम्बर को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 5 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

उपलब्धियाँ

(1) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय जिम्नास्टिक पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

13 से 19 नवम्बर को यह प्रतियोगिता पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ी सौरभ शर्मा ने रजत पदक प्राप्त किया।

(2) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन, शरीर शौष्ठव पुरूष प्रतियोगिता–

17 से 20 नवम्बर तक यह प्रतियोगिता कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ी राव विलाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

(3) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन महिला प्रतियोगिता–

27 से 29 नवम्बर तक यह प्रतियोगिता ए0 एन0 यू0 गुन्टूर, आन्ध्र प्रदेश में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ी गौरी पाण्डेय ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

2. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 107107 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

3. अब तक विश्वविद्यालय के 8039 पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये हैं।

दिसम्बर 2018

1. 04 दिसम्बर को विद्या परिषद की बैठक तथा दिनांक– 08.12.2018 को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन किया गया।

2. 08 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में सामुदायिक रेडियो विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशेष व्याख्यान में सामुदायिक रेडियो के माध्यम से विशेष समुदाय को ध्यान में रखकर सूचना संप्रेषण करते हुए सामाजिक परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डाला गया।

3. 18 एवं 19 दिसम्बर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों/प्रबन्धकों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय की सत्र 2018–19 की परीक्षा तैयारियों के संबंध में विविध पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया तथा नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिये दिशा निर्देश दिये गये। कार्यशाला में नेट बैंकिंग का उपयोग, नैक

मूल्यांकन, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रोवर्स रेंजर्स की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक विश्वविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स भवन में बेसिक व एडवांस रोवर्स रेंजर्स लीडर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस सात द्विवसीय प्रशिक्षण शिविर में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आजमगढ, गाजीपुर, मऊ एवं जौनपुर जनपद के महाविद्यालयों से जुडे हुए 100 से अधिक शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

4. 24 एवं 25 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान स्थित नवाचार समागार में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 95वीं जयन्ती के अवसर पर भाषण, कविता और "राष्ट्रवाद से बड़ा कोई धर्म नहीं" विषयक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

खेल गतिविधियाँ

(1) अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता–

29 नवम्बर से 07 दिसम्बर तक विश्वविद्यालय परिसर में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 26 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

(2) अन्तर महाविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता–

19 एवं 20 दिसम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 5 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

उपलब्धियाँ

(3) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय तीरंदाजी पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

26 से 29 दिसम्बर तक यह प्रतियोगिता किट्ट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने **5 रजत पदक एवं 2 कांस्य पदक** प्राप्त किया।

(4) पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता–

22 से 30 दिसम्बर तक यह प्रतियोगिता ललित नारायण विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **प्रथम स्थान** प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ

25 से 31 दिसम्बर तक वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्ध चार जनपदों के विभिन्न महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत आवंटित इकाईयो द्वारा सामान्य शिविर विभिन्न तिथियों में आयोजित करते हुए विशेष शिविर का आयोजन कुल 86 महाविद्यालयों की 163 इकाईयों द्वारा किया गया। उक्त शिविरों के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक / सेविकाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम यथा–मतदाता जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण, योगाभ्यास, एड्स जागरूता, वृक्षारोपण, महिला सशक्ति करण, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, दहेज उन्मूलन, स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत–स्वच्छता अभियान इत्यादि आयोजित कर समाज को जागरूक किया गया।

27 दिसम्बर व 30 दिसम्बर को एकल बापू बाजार का आयोजन किया गया। इसमें स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा गरीबों के जरूरत के सामान यथा–कपड़ा, कम्बल, आदि बांटा गया।

1. पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ग्रामोदय समिति के संयोजक पूर्व छात्र श्री शील निधि सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर के समीपवर्ती ग्राम में गरीब–जनों को 700 कम्बल वितरित किये गये।
2. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library)में अब तक **108981** किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
3. अब तक विश्वविद्यालय के **8040** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये ।
4. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2018–2019 हेतु 651 महाविद्यालयों के पंजीकरणतथा 067 महाविद्यालयों के फार्म अपलोड किये गये।

जनवरी 2019

1. 28 जनवरी को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. 04 से 10 जनवरी तक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को कंपनियों की मांग के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

30–31 जनवरी तक विश्वविद्यालय परिसर में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंटसेल द्वारा कैम्पस प्लेसमेन्ट का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा 63 विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट हेतु चयन किया गया।

3. 7–9 जनवरी तक 6ठें वर्ल्ड कांग्रेस ऑन नैनों मेडिकल साइंसेज,

'केमिस्ट्र बायोलॉजी इंटरफेसः सिनरजिस्टिक न्यू फ्रंटियर्स एण्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर द फ्यूचर ऑफ मैनकाइंड' का सम्मेलन दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया हमदर्द और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर नैनोंमेडिकल साइंस द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में संम्पन हुआ। सम्मेलन में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने को–होस्ट के रूप में भाग लिया।

4. 11 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा महोत्सव की पूर्व संध्या पर पांच दिवसीय रोवर्स/ रेंजर्स मूव का आयोजन किया गया।

5. 12 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि योग ऋषि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी तथा विशिष्ट अतिथि जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी यतींद्रानंद गिरि जी महाराज ने युवाओं कोसम्बोधित किया। विश्वविद्यालय के प्रांगण में डेढ लाख से अधिक लोगों ने एक साथ ताड़ासन, अर्ध चक्रासन और पादहस्तासन कर विश्वविद्यालय **"गोल्डेन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड"** में दर्ज हो गया। इस अवसर पर संदीपनी महिला छात्रावास का शिलान्यास किया गया। माननीय कुलाधिपति जी का शुभ कामना संदेश विद्यार्थियों को सुनाया गया।

6. 21–30 जनवरी तक पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में सामाजिक विज्ञान के शोधार्थियों के लिए शोध प्रविधियां विषयक 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

7. 22 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर के रोवर्स–रेंजर्स भवन में नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 122 वीं जयंती मनाई गई।

8. 25 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों को लोकतन्त्र की मजबूती के लिये अपने मत का प्रयोग करने के लिये प्रेरित किया गया तथा निष्पक्ष होकर मतदान करने के लिये शपथ दिलायी गयी।

9. 26 जनवरी को विश्वविद्यालय में 70वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।

10. 29 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में माननीय रज्जू भैया की 97वीं जयंती मनायी गयी। पुणे विश्वविद्यालय के प्रो0 विलासराव तभाने मुख्य अतिथि रहे।

खेल गतिविधियाँ

1- अन्तर महाविद्यालयीय वुशु पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

22 जनवरी को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 7 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

उपलब्धियाँ

1- अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय हाकी पुरूष प्रतियोगिता–

24 दिसम्बर 2018 से 03 जनवरी 2019 तक यह प्रतियोगिता एल0 आई0 पी0 ई0 ग्वालियर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता–

6 से 24 जनवरी तक यह प्रतियोगिता रेवेन्सा विश्वविद्यालय, उड़ीसा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

3. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता–

25 से 30 जनवरी तक यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

2. राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा प्रयागराज में आयोजित दिव्य कुम्भ, भव्यकुम्भ में सेक्टर–06 में पद्म माधव मार्ग पर शिविर लगा। इस शिविर में हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज एवं स्व0 मालती सिंह महाविद्यालय अम्बरपुर बेलवां, मड़ियाहूँ, जौनपुर के स्वयंसेवकों ने घाटों की साफ सफाई की N.D.R.F. की टीम ने ट्रेनिंग दी।

3. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक **110000** किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

4. अब तक विश्वविद्यालय के **8050** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध

गंगा'' पर अपलोड किये गये ।

5. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2018–2019 हेतु 656 महाविद्यालयों के पंजीकरण तथा 189 महाविद्यालयों के फार्म अपलोड किये गये।

फरवरी 2019

1. 02 फरवरी को विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय 28वां अंतर महाविद्यालीय रोवर–रेंजर्स समागम का आयोजन किया गया। समागम में विभिन्न जनपदों की रोवर–रेंजर्स की टीमों ने प्रतिभाग किया।

2. 09 फरवरी को विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में स्टूडेंट एक्सीलेंस लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। आर्ट आफ लिविंग के उत्तर प्रदेश युवा कार्यक्रम समन्वयक अनुराग सिंह, विशेषज्ञ निहारिका तथा नेशनल फैकेल्टी अनूप ने विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाई। कार्यशाला में इंजीनियरिंग संस्थान के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

3. 13 फरवरी को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के सत्र 2018–19 में सेवानिवृत्त हुए कुल 39 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

1. 14 फरवरी को विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया हाल में 'नंबर फ्रॉम काउंटिंग टू साइबर सिक्योरिटी' विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुंदर लाल ने 'पब्लिक की क्रिप्टोग्राफी एवं इंक्रिप्शन' पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया।

2. 15 फरवरी से एम0एड0 के दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए सत्र 2019–21 में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन पूरित कराया गया।

3. 15 फरवरी को पुलवामा में भारतीय सैनिकों पर हुए आतंकी हमले से आहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने अमर शहीद जवानों की शहादत पर विश्वविद्यालय परिसर में कैंडिल मार्च निकाल कर श्रद्धाजंलि अर्पित की।

4. 20 फरवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में निर्वाचन साक्षरता क्लब जौनपुर द्वारा मतदाता साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य समन्वयक डॉ0 राकेश यादव थे। इस कार्यक्रम में श्री अरविन्द मलप्पा बंगारी, जिलाधिकारी, जौनपुर, श्री एल0 वेंकटेश्वर लू, निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश एवं अन्य अधिकारीगणों नें सहभागिता की। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के स्वयंसेवक–सेविकाएं, राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

5. 22 फरवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्काउटिंग के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल की जयंती मनायी गयी।

6. **25 फरवरी एवं 26 फरवरी को विश्वविद्यालय में दो दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन किया गया। कुल 2250 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।इस सत्र में अभी तक विश्वविद्यालय के 1080 विद्यार्थियों को रोजगार के लिए कंपनियों द्वारा चयनित किया जा चुका है। जॉब फेयर में परिसर पाठ्यक्रमों के अलावा महाविद्यालयों के 124 विद्यार्थी भी चयनित हुए हैं।**

7. **25 फरवरी से विश्वविद्यालय की सत्र 2018–19 की वार्षिक परीक्षायें प्रारम्भ हुयी। परीक्षाओं के लिए 705 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं जिसमें 4.85 लाख विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहें है। नकल विहीन परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों पर सी0सी0 टी0वी0 तथा वाइस रिकार्डर लगाये गये हैं तथा प्रत्येक जनपद के लिए चार–चार उड़ाका दल की टीम का गठन किया गया है।**

8. 25 फरवरी को विश्वविद्यालय के प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। बतौर वक्ता पूर्व सचिव, दूरसंचार, भारत सरकार श्री जी0 के0 उपाध्याय ने सरकार की दूरसंचार नीति पर बृहद रूप में प्रकाश डाला।

9. 27 फरवरी एवं 28 फरवरी को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें **प्रो0 वी0 ए0 तभाने, पुणे, प्रो0 एस0 राम, आई0आई0टी0, खड़गपुर तथा डॉ0 कैलाश जी के महत्वपूर्ण व्याख्यान हुए।**

खेल गतिविधियाँ

अब तक इस सत्र में हमारे विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 57 पदक प्राप्त कर लिए हैं। अभी बहुत सी प्रतियोगितायें नहीं हुई हैं। विगत सत्र में कुल पदकों की संख्या 41 थी।

(1) अन्तर महाविद्यालयीय ग्रेपलिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

यह प्रतियोगिता 26 फरवरी को सम्पन्न हुई, जिसमें 6 महाविद्यालयों की टीमों

ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(2) अन्तर महाविद्यालयीय वूशू पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

यह प्रतियोगिता 03 फरवरी को सम्पन्न हुई, जिसमें 6 महाविद्यालय की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

उपलब्धियाँ

(1) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता–

03 फरवरी 2019 से 05 फरवरी 2019 तक यह प्रतियोगिता किट्ट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

(2) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता–

18 फरवरी 2019 से 20 फरवरी 2019 तक यह प्रतियोगिता आन्ध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

(3) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता–

दिनांक 15 से 20 फरवरी 2019 तक विश्वविद्यालय परिसर में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(4) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय पावर लिफ्टिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

19 से 27 फरवरी तक यह प्रतियोगिता कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम के दिलशाद हुसैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

10. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक **112726** किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

11. अब तक विश्वविद्यालय के **8058** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।

12. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2018–2019 हेतु 676 महाविद्यालयों के पंजीकरण तथा 369 महाविद्यालयों के फार्म अपलोड किये गये।

मार्च 2019

1. 26 मार्च को विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल की ओर से एम0बी0ए0, एम0सी0ए0 एवं बी0टेक0 के विद्यार्थियों के लिये कैम्पस सेलेक्शन का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा 47 विद्यार्थियों को चयनित किया गया। **इस सत्र में अभी तक विश्वविद्यालय के कुल 1147 विद्यार्थियों का नौकरी हेतु कैम्पस सेलेक्शन हो चुका है।**

2. विश्वविद्यालय की सत्र 2018–19 की वार्षिक परीक्षायें निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर सुचितापूर्वक सम्पन्न हो रही हैं। साथ ही साथ 12 मार्च से विश्वविद्यालय परिसर स्थित मूल्यांकन केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन का कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है।

3. 02 मार्च को विश्वविद्यालय के बी0टेक0 एवं फार्मेसी संस्थानद्वारा देवकली गॉव में संचालित निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग संस्थान का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया तथा शिक्षा की अलख जलाने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया।

4. **05 मार्च को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ में शोध के लिए समझौता हुआ। किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ के कलाम भवन में दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू होने पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों में अकादमिक, ट्रेनिंग, शोध कार्य, संयुक्त शोध प्रकाशन एवं पेंटेंट को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही फैकेल्टी विजिट, स्टूडेंट, एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम एवं संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किये जा सकेंगे तथा देश की विभिन्न फंडिंग एजेंसीज में दोनों विश्वविद्यालय का संयुक्त रूप से मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट हेतु आवेदन किया जाएगा।**

5. 09 मार्च को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देश विदेश से आये पुरातन छात्रों ने अपने कौशल से नये छात्रों को रूबरू कराया और उन्हें लक्ष्य पाने के तरीके बताये।

6. **विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2019–20 में प्रवेश हेतु 15 मार्च से आनलाईन आवेदन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी।**

7. **16 मार्च को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पूर्वी क्षेत्र की विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले खिलाडियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन कर कुल 80 खिलाडियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव आवास एवं लोक निर्माण विभाग तथा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री नितिन रमेश गोकर्ण उपस्थित रहे।**

8. 16 मार्च को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा "21वीं सदी में मानव संसाधन प्रबंधन के समक्ष चुनौतियां" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

9. 26 मार्च से 29 मार्च तक विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट के द्वारा चार दिवसीय अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वेश्वरैया सभागार में किया गया । यह कार्यक्रम भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक मिशन एवं शिक्षण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

खेल गतिविधियाँ

(1) अन्तर महाविद्यालयीय ताईक्वान्डो पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

06 मार्च कोयह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें 5 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(2) अन्तर महाविद्यालयीय 6 ए साइड क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता–

22 मार्च कोयह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(3) अन्तर महाविद्यालयीय 6 ए साइड क्रिकेट महिला प्रतियोगिता–

22 मार्च को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(4) अन्तर महाविद्यालयीय 5 साइड हाकी पुरूष प्रतियोगिता–

29 मार्च को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

(5) अन्तर महाविद्यालयीय 5साइड हाकी महिला प्रतियोगिता–

29 मार्च को यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु टीम का चयन किया गया।

उपलब्धियाँ

(1) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय ग्रेपलिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

01 मार्च से 04 मार्च तक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 विश्वविद्यालय, रोहतक में सम्पन्न हुई, जिसमें **विश्वविद्यालय की टीम ने एक रजत एवं तीन कांस्य पदक प्राप्त किये।**

(2) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

08 से 11 मार्च तक यह प्रतियोगिता आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में सम्पन्न हुई, जिसमें **विश्वविद्यालय की टीम ने 4 स्वर्ण, 1 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्राप्त किया।**

(3) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्वान की डो पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

09 मार्च से 17 मार्च तक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 यु0 रोहतक में सम्पन्न हुई, जिसमें **विश्वविद्यालय की टीम ने चार कास्यं पदक प्राप्त किया।**

(4) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय वुशु पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–

12 मार्च से 16 मार्च तक यह प्रतियोगिता पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में सम्पन्न हुई, जिसमें **विश्वविद्यालय की टीम ने एक रजत एवं दो कांस्य पदक प्राप्त किया।**

(5) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय 6 ए साइड क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता–

26 से 29 मार्च तक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 विश्वविद्यालय रोहतक में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **तृतीय स्थान प्राप्त किया।**

(6) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय 6 ए साइड क्रिकेट महिला प्रतियोगिता–

26 से 29 मार्च तक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 विश्वविद्यालय, रोहतक में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम को **सयुंक्त विजेता घोषित किया गया।**

1. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक **116024** किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
2. अब तक विश्वविद्यालय के **8058** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये ।
3. AISHE के अन्तर्गत सत्र

2018–2019 हेतु 697 महाविद्यालयों के पंजीकरण तथा 492 महाविद्यालयों के फार्म अपलोड किये गये।

अप्रैल 2019

1. **10, 11, 18 एवं 21 अप्रैल को विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल की ओर से विद्यार्थियों के लिये कैम्पस सेलेक्शन का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा 99 विद्यार्थियों को चयनित किया गया। इस सत्र में अभी तक विश्वविद्यालय के कुल 1246 विद्यार्थियों का नौकरी हेतु कैम्पस सेलेक्शन हो चुका है।**

2. 05 अप्रैल को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के **नई तालीम एवं ग्रामीण प्रक्षालन व सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम** को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित करने के लिए बैठक आयोजित हुई।

3. 08 अप्रैल को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में **राष्ट्र के पुनर्निर्माण में बुद्धिधर्मीजनों की भूमिका** विषयक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

4. 16 अप्रैल को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में टाइम मशीन पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता प्रख्यात भौतिकविद एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा के प्रो0 नवल किशोर ने प्रोफेसर स्टीफन हॉकिंस ,यूएसए द्वारा टाइम मशीन पर लिखित पुस्तक "ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम " पर केंद्रित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

5. 22 अप्रैल को विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग की ओर से **पृथ्वी दिवस** के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा जागरूकता के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रो0 वी0के0 पाण्डेय ने पृथ्वी संरक्षण एवं भारतीय दर्शन विषय पर व्याख्यान दिया।

6. 23 अप्रैल से 29 अप्रैल तक विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सयुंक्त तत्वाधान में **शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम** का आयोजन कर उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अनेक उपायों पर विचार विमर्श किया गया। यह सात दिवसीय अकादमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक मिशन एवं शिक्षण द्वारा आयोजित किया गया।

7. 25 अप्रैल को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में शोध कार्य के लिए जीटा एपीएस एवं टीपीएस 500 की स्थापना की गई। यह नवीनतम उपकरण देश में पहली बार किसी विश्वविद्यालय में लगाया गया है। इसके लगने से शोध कार्यों को नई दिशा मिलेगी। यह जीटा उपकरण मेडिकल साइंस, टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज की जरूरतों के साथ वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के लिए उपयोगी है।

8. विश्वविद्यालय की सत्र 2018–19 की वार्षिक परीक्षायें निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक– 25 अप्रैल को सुचितापूर्वक सम्पन्न हो चुकी हैं। साथ ही साथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित मूल्यांकन केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन का कार्य अंतिम चरण में है।

खेल गतिविधियाँ

उपलब्धियाँ

(1) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय 5 साइड हाकी पुरूष प्रतियोगिता–

02 से 05 अप्रैलतक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 यूनिवर्सिटी रोहतक, हरियाणा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **तृतीय स्थान** प्राप्त किया।

(2) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय 5 साइड हाकी महिला प्रतियोगिता–

02 से 05 अप्रैल तक यह प्रतियोगिता एम0 डी0 यूनिवर्सिटी रोहतक, हरियाणा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **तृतीय स्थान** प्राप्त किया।

मई 2019

1. विश्वविद्यालय की सत्र 2018–19 की वार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल 21 मई 2019 को घोषित कर दिया गया।

2. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में बी0पी0एड0 सत्र 2019–21 में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन पूरित कराया गया।

3. 08 मई को विश्वविद्यालय परिसर स्थित आई0 बी0 एम0 भवन में मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्रों से बूथ पर पहुँचकर मतदान करने की अपील की गयी तथा मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग करने के लिये शपथ भी दिलायी गयी।

4. **14 मई को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में बदलते परिवेश में उच्च शिक्षा एवं चुनौतियां** विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महर्षि बाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा के मा0कुलपति डॉ0 श्रेयांश द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे।

5. 27 मई को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में समर इंटर्नशिप प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें

विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को हार्डवेयर, साफ्टवेयर, रोबोटिक्स इलेक्ट्रानिक उपकरण से संबंधित जानकारी दी गयी ताकि उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायक हो सके।

6. विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2019–20 हेतु ओ0बी0सी0, एस0सी0,एस0टी0 एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले सामान्य वर्ग के प्रशासनिक सेवा में जाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिये गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निःशुल्क सिविल सर्विसेज कोचिंग में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गयी।

7. विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा योजनाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिये कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 राकेश यादव को भारत सरकार के युवा खेल मंत्रालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नव भारत निर्माण में युवाओं को देश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार प्रकट करने एवं उन्हें अवसर प्रदान करने के उद्देश्य पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों को मूर्त रूप देने के लिये 2018–19 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वृहद कार्यक्रम चलाया गया तथा राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 का सफल आयोजन किया गया जो प्रदेश में अग्रणी व अव्वल रहा।

8. 31 मई को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में उत्तर प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री प्रो0 नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षक कई होते हैं लेकिन आदर्श शिक्षक वही होता है जो विद्यार्थियों को अपना सारा ज्ञान देकर उसे अपने से भी श्रेष्ठ बनाता है। डॉ0 शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के मा0 कुलपति प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय नित नए मापदंड स्थापित कर रहा है जो कि अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाएगा। विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने कहा कि मेरा एक मात्र लक्ष्य है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठता देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाय।

9. पूर्वांचल विश्वविद्यालय ग्रामोदय समिति एवं डेजा व्यू स्किल ट्रेनिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 01 जून से प्रशिक्षण शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की ओर से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी और इंजीनियरिंग संस्थान के मैकेनिकल लैब में होगा।

10. 30 मई को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर **राष्ट्र निर्माण में हिंदी पत्रकारिता का योगदान** विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुंदरलाल ने राष्ट्र के निर्माण में हिंदी पत्रकारिता के महत्वपूर्ण भूमिका की चर्चा की।

1. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 122006 पुस्तकों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

2. अब तक विश्वविद्यालय के **8058** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये ।

3. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2018–2019 हेतु 731 महाविद्यालयों के पंजीकरण तथा 668 महाविद्यालयों के फार्म अपलोड किये गये।

जून 2019

1. 01 जून को विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर में स्वयंक्षीर प्रोडक्शन कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में शुद्ध दूध के उत्पादन एवं खपत के लिए **विश्व दुग्ध दिवस** के अवसर पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

2. 12 जून को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

3. 05 जून को **विश्व पर्यावरण दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा गोष्ठी का आयोजन कर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

4. 16 जून को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में **भारत की अखंडता में भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का योगदान** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के कुलपति प्रो0 डॉ0 कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

5. विश्वविद्यालय की रोवर्स/रेंजर्स टीम को दिगम्बर जैन कॉलेज, बागपत में आयोजित समागम में **प्रदेश चैंपियन घोषित किया गया है** । विश्वविद्यालय ने प्रादेशिक रोवर्स/रेंजर्स सत्र 2018–19 में यह उपलब्धि हासिल कर अपने पूर्व प्रदर्शन को बरक़रार रखा। इस समागम में कुल आठ

विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया जिसमें कुल 20 प्रतियोगिताएं हुई। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ओवर आल चैंपियन रही ।

6. 21 जून को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया गया। इस अवसर पर योग आचार्य श्री अमित आर्य ने कॉमन प्रोटोकॉल के तहत वृक्षासन ताड़ासन, प्राणायाम, त्रिकोणासन समेत एक दर्जन से अधिक योगाभ्यास करवाया।

7. 26 जून को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में पद्म भूषण पूज्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

8. 15 जून को विश्वविद्यालय के **विश्वेश्वरैया** सभागार में समर इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को सेटेलाईट प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स, सीएनसी प्रोजेक्ट तथा लाइनक्स प्रोग्रामिंग से संबंधित जानकारी दी गयी ताकि उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिले।

जुलाई 2019

1. 02 जुलाई को **विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया हाल में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत संचार निगम लिमिटेड के पूर्व सीएमडी डॉ0 आर0के0 उपाध्याय ने मोबाइल प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी 5जी पर तथा पी0ई0एस0 कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, मांड्या के डॉ0 महेश कुमार एवं डॉ0 चेतन ने पी स्पाइस एवं सिमुलेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सर्किट पर विशेष व्याख्यान दिया।**

2. 08 जुलाई को **विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। संचार एवं फोटोनिक्स** विषय पर एक सप्ताह तक चले इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु के प्रो0 गोपालकृष्णन हेगड़े, प्रो0 डॉ टी श्रीनिवास, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एव तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के इन्जीनियरिंग के प्रो0 डॉ0 अजय शंकर, प्रो0 देवेन्द्र मोहन, केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़ के वैज्ञानिक डा0 राजकुमार, आई0आई0टी0, रूड़की के वैज्ञानिक प्रो0 विपुल रस्तोगी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कोड़ागु (कर्नाटक) के ट्रांसफ्यूशन चिकित्सा विभाग की प्रमुख प्रो0 डी0एन0 लक्ष्मी, मलनाड इंजीनियरिंग कालेज, हासन कर्नाटक के प्रो0 श्रीकांत ने व्याख्यान दिया।

1. 15 जुलाई को विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की कौशल विकास योजना के तहत नई दिल्ली की डेजाव्यू स्किल लर्निंग एंड डेवलपमेंट सिस्टम के साथ एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी बेरोजगारों इण्टरमीडिएट/हाईस्कूल पास का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार प्रदान करना है।

2. 29 जुलाई को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में **गुणवत्ता युक्त दुग्ध उत्पादन में नई तकनीकी की भूमिका** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कृषि संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 उमेश कुमार शुक्ल ने अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों को दुग्ध उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले अत्याधुनिक उपकरणों की जानकारी दी एवं उनके उपयोग के तरीकों पर प्रकाश डाला।

3. 30 जुलाई को **विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान परिसर में कुलपति एवं जिलाधिकारी जौनपुर द्वारा पौधरोपण कर वृहद् वृक्षारोपण अभियान** की शुरुआत की गयी।

अगस्त 2019

1. 06 अगस्त को वित्त समिति, 09 अगस्त को परीक्षा समितितथा 10 अगस्त को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।

2. 02 अगस्त को फार्मेसी संस्थान में भारत के विख्यात उद्यमी, रसायनज्ञ तथा महान शिक्षक डॉ0 प्रफुल्ल चन्द्र राय की जयन्ती मनाई गयी। इस अवसर पर डॉ0 राय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा की गयी तथा संस्थान के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण की भावना के तहत पौधरोपण किया।

3. **06 अगस्त को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सभा आयोजित की गई । सभा में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को विद्यार्थियों के अंदर राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के लिये यथोचित कदम उठाने की अपील की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।**

4. 09 अगस्त को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों द्वारा लम्बे समय तक शोध कार्य हेतु ई–रिसोर्स को प्रयोग करने पर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर की तरफ से विश्वविद्यालय को **प्रशस्ति पत्र** दिया गया । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सबसे अधिक यूजर होने के कारण

विश्वविद्यालय को यह सम्मान मिला।

5. 14 अगस्त को विश्वविद्यालय एवं टीईक्यूआईपी के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के महंत अवैधनाथ संगोष्ठी भवन में **विश्वविद्यालयीय शिक्षा की स्वायत्तता** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के अखिल भारतीय सह संगठन महासचिव श्री शिव प्रकाश, विशिष्ट अतिथि डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह, विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रो0 नरेश चन्द्र गौतम ने अपने विचार रखे। अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने विषय के विविध आयामों पर विस्तार से अपनी बात रखी।

संगोष्ठी के पूर्व मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में **रज्जू भइया जीवन यात्रा पट्ट** का अनावरण किया।

6. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में 29 अगस्त, 2019 को राजभवन, लखनऊ के गांधी सभागार में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर **खिलाडी सम्मान समारोह** का आयोजन किया गया। समारोह में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 104 खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया। इसके साथ ही 31 टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक भी सम्मानित हुए। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को छठवीं बार राजभवन में सम्मानित किया गया है।

7. अब तक विश्वविद्यालय के **8105** पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।

सितम्बर, 2019

1. 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी संस्थान, विज्ञान संकाय, संकाय भवन, प्रबंध अध्ययन संकाय एवं प्रो राजेंद्र सिंह भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में सर्वपल्ली डॉ0 राधाकृष्णन को नमन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस सम्मान समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। प्रसारण में प्रदेश की राज्यपाल माननीया आनंदीबेन पटेल जी, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी द्वारा 32 शिक्षकों को स्मृति चिन्ह, पुरस्कार राशि और अंगवस्त्रम देते हुए देखकर शिक्षक समाज गौरवान्वित हुआ।

2. 06 सितम्बर को विश्वविद्यालय के प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी संस्थान त्रिवेन्द्रम, केरल के प्रो0 डॉ0 सर्वेश कुमार ने **समिश्र संख्या** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

3. 06 सितम्बर को विश्वविद्यालय में **अनुसंधान पद्धति एवं अनुसंधान में नैतिकता** विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

1. 27 सितम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में **साहित्य एवं सृजनधर्मिता** विषयक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात गीतकार एवं कवि डॉ0 विष्णु सक्सेना ने विद्यार्थियों को अपने जीवन में सदा मुस्कुराने की सीख दी तथा बेहतर प्रस्तुति के टिप्स भी दिए।

2. 14 सितम्बर को विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कांफ्रेंस हाल में जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

3. 15 सितम्बर को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में इंजीनियर्स–डे समारोह का आयोजन कर देश के महान इंजीनियर रहे एम. विश्वेश्वरैया को याद किया गया।

4. विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शिक्षक डॉ नृपेंद्र सिंह को 14 से 15 सितंबर को एआईएमएसटी विश्वविद्यालय, मलेशिया में **स्वास्थ्य विज्ञान** पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में **नीम की पत्तियों का शुक्राणुओं पर प्रभाव** विषयक शोध पत्र प्रस्तुत किये जाने पर बेस्ट रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण का अवार्ड दिया गया।

5. 15 सितम्बर को विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सभागार कक्ष में **क्रिप्टोग्राफी एवं नेटवर्क सुरक्षा** विषयक साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. 16 सितम्बर को कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री डॉ0 महेंद्र नाथ पांडेय ने विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया। इसके पश्चात महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल विकास केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा अपने सपनों को साकार करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव तथा पूर्व कुलपति प्रो0 सुंदर लाल ने भी विद्यार्थियां एवं युवाओं को कौशल विकास के प्रति प्रेरित किया। डेजा व्यू के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी पूर्व आईएएस श्री शिवराज अस्थाना ने कौशल

विकास केंद्र में आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं योजनाओं के बारे में प्रकाश डाला।

7. 25 सितम्बर को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस के अवसर पर **एकात्म मानव दर्शन का युगबोध** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि एकात्म मानव दर्शन अनुसन्धान एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली के अध्यक्ष **डॉ0 महेश चंद्र शर्मा(पूर्व राज्यसभा सदस्य)** तथा बतौर विशिष्ट अतिथि अरुंधति वशिष्ठ अनुसंधान पीठ के निदेशक डॉ0 चंद्रप्रकाश सिंह ने **एकात्म मानववाद एवं दर्शन** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

8. 25 सितम्बर को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में विश्व फार्मासिस्ट–डे के अवसर पर फार्मेसी के विद्यार्थियों ने **सेफ एण्ड इफक्टिव मेडिसिन फार ऑल** विषय पर गोष्ठी तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

9. विश्वविद्यालय द्वारा बीटेक, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमसीए, एमबीए के विद्यार्थियों के लिए चल रहे सोलह दिवसीय इंजीनियरिंग एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का 26 सितम्बर को समापन हुआ। साफकान ट्रेनिंग इंडिया लखनऊ के प्रशिक्षकों द्वारा कंप्यूटर की विभिन्न भाषाओं पाइथन, एंसिस, मशीन लर्निंग, आईओटी में प्रशिक्षण दिया गया।

10. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 29 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2019 तक सात दिवसीय श्री रामकथा अमृत वर्षा तथा 01 से 03 अक्टूबर को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय में नैतिक मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन समय की आवश्यकता है। इसी के दृष्टिगत यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया गया है। कथा का अमृत पान कथा व्यास आचार्य श्री शांतनु जी महाराज के श्री मुख से हुआ।

11. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा अमर उजाला फाउंडेशन के साथ इस आशय का अनुबंध सम्पादित किया गया कि विश्वविद्यालय के एम0ए0 जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को दीक्षांत समारोह में अमर उजाला फाउंडेशन की तरफ से अमर उजाला के नवोन्मेषक स्व0 अतुल माहेश्वरी के नाम पर **अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक** प्रदान किया जायेगा।

12. 24 सितम्बर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के जनसंचार विभाग में **नए दौर की हिंदी पत्रकारिता** विषयक संवाद का आयोजन किया गया।

13. अब तक विश्वविद्यालय के **8107** पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध **विश्वविद्यालय** अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

अक्टूबर 2019

1. विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मुराद अली को 27 वें बिजनेस स्कूल अफेयर में देवांग मेहता राष्ट्रीय शैक्षणिक पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है। डॉ0 मुराद अली को यह पुरस्कार व्यवसाय प्रबंधन अध्ययन के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए दिया गया है।

2. 02 अक्टूबर को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने गांधी वाटिका में स्थापित महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्रमें आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय ने 33 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में तमाम उपलब्धियां अर्जित की है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों के हित एवं समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया है। प्रो0 बी.बी. तिवारी ने महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने की बात कही। बी. फार्मा. की छात्रा मानसी सिंह एवं बी.कॉम. की छात्रा रितिका जयसवाल ने महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कर्मचारी राजनारायण सिंह, जगदंबा मिश्रा, रविंद्र तिवारी एवं धीरज श्रीवास्तव की टीम ने रामधुन प्रस्तुत किया।

गांधी जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय में हुई प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जनसंचार विभाग में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सामाजिक सद्भाव एवं महात्मा गांधी विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस में शाकम्बरीनंदन एवं आराध्या श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मनोज मिश्र ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया सभागार में यांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ0 संदीप कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर अपना विचार व्यक्त किया इसके साथ ही भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसका विषय था "समसामयिक भारत में गांधी जी के विचारों की महत्ता" रहा। सभी विभागों के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर फार्मेसी संस्थान में भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

3. 4 अक्टूबर, 2019 को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी हाल के सभागार में राम कथा के छठवें दिन राम कथा में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

रतनलाल हांगलु पहुंचे। उन्होंने कहा कि रामकथा अध्यात्मिक जीवन के लिए ही नहीं आधुनिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

4. 5 अक्टूबर, 2019 को रामकथा का विराम हुआ, आचार्य शान्तनु जी महाराज को कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने स्मृति चिन्ह् भेंट किया। इसी दिन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव को एकॉस्टिक्स के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान एवं नेतृत्व के लिए एकास्टिकल सोसाईटी ऑफ इण्डिया नई दिल्ली द्वारा प्रोफेसर यस. भगवंत राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा हुई।

5. 14 अक्टूबर, 2019 को गोद लिए गांव जासोपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में टी.वी.मुक्त गांव के लिए बढ़ाया कदम।

6. 15 अक्टूबर, 2019 से 22 अक्टूबर तक ट्रेनिंग प्लेसमेण्ट सेल द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया इसके मुख्य प्रशिक्षक ट्रेन बीटा डॉट कॉम के मुख्य प्रशिक्षक सनी सचदेवा द्वारा दिया गया ये प्रशिक्षण परिसर में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकी एवं शोध संस्थान में एम0 एस0 सी0 भौतिक, रसायन विज्ञान, गणित, भूगर्भ विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, पर्यावरण विज्ञान, एवं फार्मेसी के 400 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

7. 16 अक्टूबर, 2019 को कुलपति सभागार में हुई समीक्षा बैठक में 67 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक देने का निर्णय हुआ।

8. 17 अक्टूबर, 2019 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय पुरुष हाकी प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने बिलासपुर विश्वविद्यालय को 9–0 से हराया।

9. 18 अक्टूबर, 2019 को कुकड़ीपुर गॉव में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 180 लोगों ने पंजीकरण कराया। इसमें 45 लोगों की टी0 बी0 की जॉच की गई।

10. 19 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में ज्वलंत ऐतिहासिक हिंदी नाटक चाणक्य की प्रस्तुति प्रख्यात रंगकर्मी और अभिनेता पद्मश्री मनोज जोशी ने की। नाटक में 25 कलाकारों की टीम ने चार चांद लगा दिए। दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार एवं तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चाणक्य नाटक में रंग कर्मी पद्म श्री मनोज जोशी ने महानायक चाणक्य के व्यक्तित्व को बड़ी कुशलता से प्रस्तुत किया।

11. केंद्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस चयन कार्यक्रम का आयोजन 21–22 अक्टूबर को किया गया जिसमें परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 26 विद्यार्थियों का चयन हुआ।

12. 23 अक्टूबर को एकलव्य स्टेडियम में अन्तर्महाविद्यालयीय पुरुष एवं महिला वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता का समापन हुआ।

13. 24 अक्टूबर को परिसर के महिला छात्रावासों की 150 छात्राओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट हुआ। इस अवसर पर छात्राओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी भी दी गई।

नवम्बर 2019

1. 01 नवम्बर को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

2. 03 नवम्बर को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन कियागया।

3. 06 नवम्बर को विद्या परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।

4. 06 नवम्बर को उमानाथ सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय "रीसेंट एंड वांसेजइन मैकेनिकल इंजीनियरिंग" विषयक" फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम" की शुरुआत बुधवार को हुई ।

5. 06 नवम्बर को जन संचार विभाग में बुधवार को "जीवन जीने की कला" पर विशेष संवाद आयोजित किया गया। इस में आर्ट आफलिविंग के प्रशिक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर तमाम बाधाओं को आसानी से दूर करने के तरीके बताए ।

6. 16 से 18 नवंबर तक विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक तकनीक के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, अल्ट्रासोनिक सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में देश–विदेश के 300 से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया ।

7. 21 से 22 नवंबर तक विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंगसेल द्वारा परिसर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए को दो दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस में विभिन्न विभाग के 100 विद्यार्थियों का कैम्पस चयन हुआ ।

8. 26 नवंबर को विश्वविद्यालय परिसर में पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हाकी महिला प्रतियोगिता 2019–20 का शुभारम्भ हुआ, जिसमें विभिन्न प्रान्तों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने की।

9. 26 नवंबर को तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ इसमें बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरियन डॉ0 सुनील गोरिया मुख्य अतिथि थे। पुस्तक मेले का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने किया।

10. 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुक्तांगन परिसर में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के तहत रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर फार्मेसी में कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने भारत के संविधान पर विस्तृत चर्चा की।

अत्याधुनिक तकनीकी के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (16 से 18) नवम्बर 2019

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में 16 से 18 नवम्बर 2019 तक तीन दिवसीय अत्याधुनिक तकनीकी के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। यह सम्मेलन रज्जू भइया भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला अल्ट्रासोनिक सोसाइटी आफ इंडिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में 06 सामानांतर सत्रों में 45 व्याख्यान, 07 प्लेनरी टॉक एवं प्रतिभागियों द्वारा 142 शोध पत्र प्रस्तुत किये गए। पोस्टर के माध्यम से 56 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

16 नवम्बर को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में सम्मेलन का उद्घाटन सत्र आयोजित हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला एवं भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ कृष्णलाल ने अल्ट्रासोनिक विज्ञान का चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि नैनो मेटेरियल से कई तरह की दवाइयाँ निर्मित कर प्रभावकारी बनाई जा सकती हैं। विशिष्ट अतिथि जार्जिया तकनीकी संस्थान फ्रांस के प्रो0 डॉ0 निको एफ डिक्लिरिक ने कहा कि अल्ट्रासोनिक के क्षेत्र में भारत में गुणवत्ता युक्त शोध हो रहे हैं यहां के शोधार्थी परिश्रमी है आज गुणवत्तायुक्त शोध की आवश्यकता है। इससे पूरे विश्व में भारत और विश्वविद्यालय की पहचान बनेगी। अल्ट्रासोनिक्स सोसायटी आफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो0 विक्रम कुमार ने अल्ट्रासोनिक सोसाइटी के विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अल्ट्रासोनिक पदार्थ विकसित कर समुद्र विज्ञान, एयरक्राट, नैनो तकनीक के क्षेत्र में मानव का भविष्यगत विकास किया जा सकता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 बी0 के0 अग्रवाल ने पदार्थ विज्ञान और ऊर्जा के संबंध में अपनी बात रखी। कहा कि मानव जीवन में अल्ट्रासोनिक और मैटेरियल साइंस का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। कुलपति प्रो0 डॉ राजाराम यादव ने प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा को धन्यवाद दिया। संचालन निस्केयर नई दिल्ली के डॉ0 मेहरबान ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 देवराज सिंह ने किया। सम्मेलन में उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित प्लेनरी व्याख्यान में जार्जिया तकनीकी संस्थान फ्रांस के प्रो0 डॉ0 निको डिक्लिरिक ने अल्ट्रासोनिक्स ध्वनियों का जैविक ऊतकों पर प्रभाव तथा आगे की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। इलाहाबाद भौतिक विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 बी0के0 अग्रवाल ने ग्रेफीन पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला। सम्मेलन में स्मारिका एवं सारांशिका का हुआ विमोचन हुआ। डॉ0 देवराज सिंह, डॉ0 पुनीत धवन, डॉ0 गिरिधर मिश्र, डॉ0 मनीष गुप्ता द्वारा शोध पत्रों को संकलित कर सम्पादित की हुई पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में आर्यभट्ट सभागार का उद्घाटन अतिथियों द्वारा संपन्न हुआ। यह सभागार उच्च तकनीकी से सुसज्जित 300 सीट वाला आडिटोरियम है। यह आडिटोरियम एकास्टिक साउडप्रूफ, सिनेमा स्क्रीन और यू–ट्यूब स्ट्रिमिंग से लैस है। इस आडिटोरियम में आडियो–वीडियो रिकार्डिंग सिस्टम आटोमेटिक है।

कुलपति को मिला भगवंतम राष्ट्रीय पुरस्कार

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव को एकास्टिकल सोसायटी आफ इंडिया की ओर से पूर्व घोषित प्रो0 एस भगवंतम पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही टी0के0 सक्सेना स्मृति पुरस्कार, डॉ0 सहदेव कुमार और आईआई टी चेन्नई के डॉ0 किरन कुमार को अल्ट्रासोनिक सोसायटी आफ इंडिया की ओर से प्रो0 डॉ0 कृष्ण लाल ने पुरस्कार दिया।

सम्मेलन का दूसरा दिन

सम्मेलन के दूसरे दिन आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के डॉ संजय जे0 ढोबले ने कहा कि ऊर्जा के स्रोत भविष्य में कम होने वाले है। कोयला, तेल और गैस का दोहन बढ़ रहा है कुछ सालों में इनकी कमी होगी। आज के समय में ऊर्जा की बचत के लिए उपकरणों का निर्माण करना जरुरी है जो इको फ्रेंडली के साथ–साथ ऊर्जा की कम खपत कर सकें। भारतीय तकनीकी संस्थान कानपुर के प्रो० अन्जन कुमार गुप्ता ने स्कैनिंग एवं ट्रांसमिशन माइक्रोस्कोप के द्वारा ग्रैफीन की इलेक्ट्रॉनिक विषमताओं के अध्ययन पर अपनी बात रखी।

आर्यभट सभागार में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली के प्रो0 नीरज खरे ने कहा कि नैनोकम्पोजिट की मदद से थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर व पिजोइलेक्ट्रिक जेनरेटर बनाया जा सकता है। जो उष्मा व कम्पन को अवशोषित कर विद्युत उर्जा में बदलता है। विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान दिए। इसमें मुख्य रूप से महाराष्ट्र के डॉ0 एन आर पवार, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा के आशीष माथुर, प्रो वंदना राय, सीआईपीडी लखनऊ के0 एन0 पांडे, डॉ0 के.पी. थापा, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला के डॉ0 युधिष्ठिर कुमार यादव एवं डॉ0 महावीर सिंह आदि विद्वान रहें। सम्मेलन के दूसरे दिन 56 प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से अपनी शोध की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों से शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान किया।

सम्मेलन का समापन सत्र

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरे दिन डॉ0एन0पी0जी0 कला एवं विज्ञान कालेज, कोयंबटूर के प्रो0 वी0 राजेंद्रन ने कहा कि हम विभिन्न मेटल और नॉन मेटल के ऑक्साइड को बड़े स्तर पर बना सकते है। नैनो टेक्नालाजी और नैनोपार्टिकल से जेब्रा मछली में रिप्रोडक्शन कर 50 फीसदी से ज्यादा बड़ा बना सकते हैं। साथ ही इससे आर्टिफिसियल टिश्यू बना सकते हैं। इसके माध्यम से हम दाँतों का खोया हुआ एनामल भी लौटा सकते हैं। पुणे विश्वविद्यालय के प्रो० विलास राव तभाने ने ध्वनि लहरों की मानव जीवन पर होने वाले प्रभाव और उपयोगिता पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सड़कों पर दंगाइयों को खदेड़ने में ऐसे एकास्टिक यंत्र उपयोग में लाये जा रहे हैं। हैदराबाद सीएसआईआर, कोशकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 अमित अस्थाना ने कहा कि कैंसर में लिपोसेंस पद्धति के माध्यम से प्रभावी कार्य किया जा रहा है। कैंसर में कीमोथेरेपी विधि से मरीज को काफी परेशानी होती है। इसका मरीज पर साइड इफेक्ट पड़ता है। लिपोसेंस प्रक्रिया के माध्यम से हम कैंसर के स्थान पर आवश्यक दवा का उपयोग करके उस स्थान के सेल को क्षतिग्रस्त करते हैं जिससे वहाँ के बैक्टीरिया निष्क्रिय हो जाते हैं। इसका प्रयोग महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर में काफी उपयोगी होगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुरस्कार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अल्ट्रासोनिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट शोधपत्र प्रस्तुति के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के हर्षित जैन को डॉ0 एम पंचोली स्मृति पुरस्कार दिया गया। इसके साथ चंद्र स्वरूप यादव को पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम एवं मोहित कुमार गुप्ता को द्वितीय पुरस्कार मिला। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के निर्णायक समिति द्वारा डॉ0 धीरेंद्र कुमार चौधरी को शोध पत्र प्रस्तुति के लिए प्रथम एवं पुणे की सोनल डी0 पाटिल को द्वितीय पुरस्कार मिला। बीएचयू की शोध छात्रा मोनिका को पोस्टर प्रस्तुतीकरण में प्रथम एवं डॉ मनीष प्रताप सिंह को द्वितीय पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार अल्ट्रासोनिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन प्रो0 विनोद कुमार, कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं डॉ0 युधिष्ठिर ने प्रदान किया।

सम्मेलन का समापन सत्र प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के आर्यभट सभागार में आयोजित हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि अल्ट्रासोनिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो विक्रम कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन में अल्ट्रासोनिक्स व पदार्थ विज्ञान के विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा शोधार्थियों को नई दृष्टि देगी। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी। कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गुणवत्तायुक्त शिक्षा को अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है। उन्होंने इस सम्मेलन में आए सभी विद्वानों का आभार जताया।

समापन सत्र में डॉ0 एसबी यादव, डॉ0 अमित अस्थाना, डॉ0 वी0 राजेंद्रन, डॉ0 अर्चना कुमारी ,डॉ0 वी0 एच0 पाटनकर, डॉ0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 महावीर सिंह, डॉ0 ओपी चिनमंकर, डॉ0 आलोक कुमार गुप्ता आदि ने सम्मेलन के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन के अध्यक्ष, प्रो0 बी0बी0 तिवारी, सह अध्यक्ष, डॉ0 देवराज सिंह, डॉ0 राजकुमार, निदेशक, डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, संयोजक, गिरिधर मिश्र, आयोजन सचिव, डॉ0 पुनीत कुमार धवन रहे।

सांस्कृतिक संध्या

महंत अवैद्यनाथ सभागार में 17 नवम्बर को सम्मेलन के दूसरे दिन शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। वोकल में ठुमरी और तराने ने जहां श्रोताओं के मन में जोश पैदा किया, वही मृदंग वादन ने लोगों के मन को झकझोर दिया। साथ ही विशाल कृष्ण के घुंघरू की खनक में पूरे सभागार को हिला दिया।

समारोह का शुभारंभ प्रसिद्ध मृदंग वादक पंडित अवधेश जी महाराज ने किया। उन्होंने मृदंग से डमरू की आवाज, नादक ध्वनि, मृदंगत ध्वनि से लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद उन्होंने चार ताल की प्रस्तुति की जिसमें अपने वोकल को मृदंग में उतारा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ राजाराम यादव ने रामायण में रावण–मंदोदरी संवाद को रामकाफी की बंदिश करत रार मोरा सैयां... से शुरुआत की। इसके बाद बाजत जब मृदंग...। कैसे करी बरजोरी... जैसे ही सुनाया, पूरा हाल करतल ध्वनि से गूंजने लगा। कुलपति जी के साथ संगत आशीष जायसवाल ने किया। इसके बाद बनारस घराने से आए कथक कलाकार विशाल कृष्ण ने देवी सुरेश्वरी हर–हर गंगे...गीत पर कथक के माध्यम से गंगा आरती की प्रस्तुति की। इसके बाद राधा कृष्ण के प्रेम का वर्णन, गजल और सूफी गाने, खुशरो साहब की रचना छाप तिलक सब छीनी, मोसे नैना मिला के... पर इतनी धमाकेदार प्रस्तुति की इस पर पूरे हाल के दर्शक उनके सम्मान में खड़े हो गए। सभी कलाकारों को कुलपति प्रोफेसर डॉ राजाराम यादव, प्रो.विक्रम कुमार, प्रो.नीको डिक्लिरिक, प्रो. पी. पलानी चामी, प्रो0 वी.आर. तभाने ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कथक कलाकारों की टीम में विशाल कृष्ण के साथ उनकी बहन श्रीयान कृष्ण, अर्चना सिंह और स्पेन की नूरिया काबो थी। इसके पूर्व प्रोफेसर विलासराव तभाने नें कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की, जिनमें उनके जीवन की पूरी यात्रा का वर्णन है।

सम्मेलन में आमंत्रित विषेशज्ञ

डॉ0 कृष्ण लाल, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी– मुख्य अतिथि।
प्रो0 विक्रम कुमार, अध्यक्ष, अल्ट्रासोनिक्स सोसाइटी ऑफ इण्डिया– विशिष्ट अतिथि।

प्लेनरी व्याख्यान

प्रो0 निको एफ डिक्लिरिक, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, फ्रांस।
डॉ0 वी0 राजेंद्रन, डॉ0 एन0 जी0 पी0 आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु ।
प्रो0 अंजन के गुप्ता, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर।
प्रो0 नीरज खरे, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली।
प्रो0 संजय जे0 ढोबले, भौतिकी विभाग, आर.टी.एम.नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर ।
प्रो0 बाल कृष्ण अग्रवाल, भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
प्रो0 विलास ए0 तभाने, एमरिटस प्रोफेसर पुणे विश्वविद्यालय पुणे।

आमंत्रित व्याख्यान

- डॉ0 वैशाली बोलबले, भौतिकी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, ।
- डॉ0 सर्वेश कुमार, गणित विभाग, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम, केरल, ।
- डॉ0 बी0 देव प्रसाद राजू, भौतिकी विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति ।
- डॉ0 मृत्युंजय दास पांडेय, रसायन विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, ।
- प्रो0 बालक दास, भौतिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
- डॉ0 एन0 आर0 पवार, कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, गोरेगाँव, महाराष्ट्र।
- डॉ0 आशीष माथुर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, ।
- डॉ0 अनिल कुमार यादव, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ0 पी0 पलानीचामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पक्कम ।
- प्रो0 वी0 ब्रह्माजी राव, विजिटिंग प्रोफेसर, गायत्री विद्या परिषद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम ।
- डॉ0 के0 के0 तिवारी, भौतिकी विभाग, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- डॉ0 अनीता राजकुमार, उद्यानिकी विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगालकोट।
- डॉ0 शिखा वाधवा, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा।
- डॉ0 खेम बी0 थापा, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ0 धर्मेंद्र कुमार पांडेय, पी0 पी0 एन0 कॉलेज, कानपुर।
- डॉ0 गणेश्वर नाथ, वी0एस0एस0 प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा।
- डॉ0 टी0 आर0 वर्मा, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ0 अरविंद कुमार तिवारी, बी.एस.एन.वी.पी.जी.कॉलेज लखनऊ।
- डॉ0 जे पूंगोडी, भौतिकी विभाग, कामराज कॉलेज, थूथुकुडी, तमिलनाडु।
- प्रो0 ओ0 पी0 चिमाकर, आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर।
- डॉ0 अमित अस्थाना, सी0सी0एम0बी0, हैदराबाद ।
- डॉ0 महावीर सिंह, सीएसआईआर–राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली।
- डॉ0 युधिष्ठर कुमार यादव, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली।
- डॉ0 एन अरुणई नंबि राज, वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर ।
- डॉ0 के0 एन0 पाण्डेय, डी0 एम0 ए0 आर0 डी0 ई0 कानपुर।
- डॉ0 डी0 सी0 तिवारी, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर।
- डॉ0 मेहरवान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी– खड़गपुर, ।
- डॉ0 एस0 बी0 यादव, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, कानपुर।
- डॉ0 वी0 एच0 पाटनकर, इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुम्बई।
- डॉ0 मृगेंद्र दुबे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, सिमरोल, इंदौर।
- डॉ0 निश्चल यादव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।
- डॉ0 वी0 आर0 सिंह, एन0पी0एल0 नई दिल्ली।
- डॉ0 अरुण कुमार सिंह, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज।
- डॉ0 एस0 जयकुमार, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद कॉलेज, मायलापुर, चेन्नई।
- डॉ0 रीता पाइकरे, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा।
- डॉ0 आलोक कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय केंद्र कोच्चि।
- डॉ0 आर0 एन0 राय, रसायन विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ0 वी सुब्रमण्यन, माइक्रोवेव लैबोरेटरी भौतिकी के विभाग आई0आई0टी0 मद्रास।
- डॉ0 अश्वनी कुमार दूबे, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा।
- डॉ0 सायन भट्टाचार्य, आईजर कोलकत्ता।
- प्रो0 देवेश कुमार, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।

Georgia Tech Lorraine

Georgia Tech

To Prof. Dr. Raja Ram Yadav, Vice Chancellor

November 23, 2019

Dear Prof. Dr. Raja Ram Yadav, respected colleague,

I have had the pleasure and high honor to attend the "International Conference on Ultrasonics and Materials Science for Advanced Technology 2019 (ICUMSAT-2019)" at the "Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Sciences of Study and Research of the Veer Bahadur Singh Purvanchal University of Jaunpur, Uttar Pradesh., India, from November 16 until November 18 of 2019. Not only was I a plenary speaker and guest of honor, but I have also inaugurated, with my distinguished colleagues, the new Aryabhatt Auditorium and was deeply touched when I was given the opportunity to give the very first lecture at the auditorium.

Having studied astrophysics, the auditorium is named after one of my idols. Being part of an Institute named after the well-known "Rajju Bhaiya", there is also a link to Sir C.V. Raman and therefore to my research in acousto-optics. The main topics of the congress formed a perfect match with my current research activities in ultrasonics.

Not only was the congress perfectly organized, it also immersed me and all the colleagues, in a warm, friendly and cozy atmosphere of a kind that will always be referred to in terms such as 'cherished' and 'memorable'.

The numerous students I have spoken with, the renowned colleagues I have met, the delicious vegetarian food, the pleasurable tea-breaks, the very interesting talks during the scientific sessions, the professionally organized lab-tours and your kindest invitation to me and 2 other distinguished colleagues from India to stay at the VC residence during the event and above all the fantastic cultural evening with kathak dancers, preceded by musical entertainment of the highest level of classical Indian music professionally led by the Vice Chancellor himself form one of the best experiences I have ever had.

It is with the highest appreciation and deepest respect that I am thanking you for this wonderful event.

Sincerely,

Prof. Dr. Nico F. Declercq

GEORGIA INSTITUTE OF TECHNOLOGY
George W. Woodruff School of Mechanical Engineering
office 2212, MRDC Building,
801 Ferst Drive, Atlanta, GA 30332-0405, USA

E-mail: declercq@gatech.edu

GEORGIA TECH LORRAINE
UMI Georgia Tech – CNRS 2958
Laboratory for Ultrasonic Nondestructive Evaluation (LUNE)
office 304, GT-Lorraine Building,
2 rue Marconi, 57070 Metz-Technopole, France

http://declercq.gatech.edu/

मुख्य अतिथि, प्रो० कृष्ण लाल, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी

प्रो० विक्रम कुमार, अध्यक्ष, अल्ट्रासोनिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया

उद्घाटन सत्र में संबोधित करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव

प्रो० निको एफ० डिक्लेरिक को स्मृति चिन्ह देते कुलपति जी

प्रो० विलास ए० तभाने, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे।

प्रो० अंजन के गुप्ता, भारतीय, प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर

आर्यभट्ट सभागार का उद्घाटन अवसर

आर्यभट सभागार का उद्घाटन करते प्रो० वी० के० अग्रवाल, कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं विशिष्ट अतिथिगण

डॉ० वी० राजेन्द्रन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु

प्रो० संजय जे० ढोबले, आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

प्रो० नीरज खरे, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

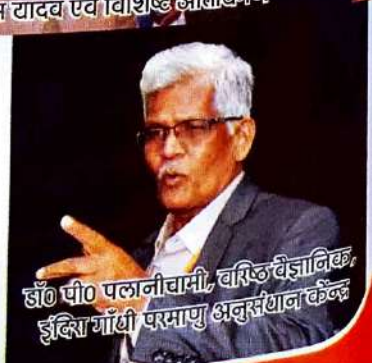

डॉ० पी० पलानीचामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र

पूर्वांचल विवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन जुटे दिग्गज, हाईड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत: प्रो. नीरज खरे

सीएफएल मानव स्वास्थ्य पर डालते हैं बुरा प्रभाव: डॉ ढोबले

सम्मेलन

जौनपुर | निज संवाददाता

पूर्वांचल विवि में अत्याधुनिक तकनीक के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। दूसरे दिन रविवार को वक्ताओं ने आने वाले समय में तकनीकों के विविध पहलुओं पर चर्चा की। सम्मेलन रज्जू भइया भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान पूविवि और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला अल्ट्रासोनिक सोसाइटी आफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है।

आरटीएम नागपुर विवि के डा. संजय जे ढोबले ने कहा कि ऊर्जा के स्रोत भविष्य में कम होने वाले हैं। कोयला, तेल और गैस का दोहन बढ़ रहा है कुछ सालों में इनकी कमी होगी। आज के समय में ऊर्जा की बचत के लिए उपकरणों का निर्माण करना जरूरी है जो इको फ्रेंडली के साथ-साथ ऊर्जा की कम खपत कर सके। एलईडी ऊर्जा की बचत भी करते हैं और इको फ्रेंडली भी है।

ट्यूबलाइट और सीएफएल लैंप मरकरी आधारित लाइट है जो खराब होने के बाद रिसाइकल नहीं होते एवं भूमि, जल एवं मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं। इनका विकल्प केवल एलईडी लाइट है जो कि मरकरी मुक्त है।

पूविवि में पोस्टर प्रदर्शनी को देखते शोधार्थी। (बाएं) और डा. संजय ढोबले को स्मृति चिन्ह देते कुलपति। • हिन्दुस्तान

90 फीसदी ऊर्जा की बचत करता है एलईडी।

32 प्रतिभागियों ने पोस्टर पर जानकारियों को साझा किया।

अध्ययन पर अपनी बात रखी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली के प्रो. नीरज खरे ने कहा कि नैनोकंपोजिट की मदद से थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर व पिजोइलेक्ट्रिक जनरेटर बनाया जा सकता है। जो ऊष्मा व कम्पन को रूपांतरित कर विद्युत ऊर्जा में बदलता है।

प्रो. नीरज खरे व्याख्यान देते हुए।

प्रो. अजय गुप्ता व्याख्यान देते हुए।

कई नैनोकम्पोजिट को संश्लेषित किया है।

सी आईपीडी लखनऊ के एन पांडे, डा. ... राष्ट्रीय भौतिकी ...

पूविवि सेमीनार में बोले विद्वान

क्वांटम डेमिकल कैलकुलेशन एवं हाइड्रोजन स्टोरेज ... हाइड्रोजन एक ... का स्रोत है। ... एक ... अप्लीकेशन ... ट्रांजिशन मेटल ... व्यवहार ... बेहतर होता है।

-डा. मनोज चौधरी, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल।

नैनो मैटेरियल साइंस 21 वीं शताब्दी में युग परिवर्तक है। प्रॉपर्टीज़ को बेहतर करता है। नैनो साइंस प्रत्येक क्षेत्र में है। रिसर्च व जो दुनिया को बदलने का फोकस एरिया माना जाता है। यह अलग-अलग तथ्यों पर निर्भर करता है। नैनो व बॉयो तकनीकी से लेकर छात्रों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण, कृषि व्यवस्थाओं पर उपयोगी है। रिसर्च डिजाइन मुख्यतः तीन भागों पर निर्भर है।

-डा. विवेक अवस्थी, एमएनआईटी, प्रयागराज।

सेमिनार रिसर्च स्कॉलर्स के लिए ज्वलंत टॉपिक है। उनके लिए यह काफी प्रेरित है। साथ ही समाज के लिए प्रजेंटेशन भी है। विद्यार्थियों के लिए यह रामबाण है। इससे आगे उनको अपने लक्ष्यों पर काम करने पर सहूलियत मिलेगी। सेमिनार विकास का सोपान है।

-डा. एनएन पांडेय, प्रिंसिपल, प्रहलादराय डालमिया लायंस कालेज मुंबई।

भारत में अल्ट्रासोनिक्स के क्षेत्र में उन्नत ... ट्रांसपोर्ट कंडक्शन के ... और ... के क्षेत्र पर भी कार्य करने की जरूरत है। ... के लिए अल्ट्रासोनिक्स एक बेहतर ... है जिसमें से ... करीब 300 वैज्ञानिक अपने विचार अपने-अपने तरीके से समझा रहे हैं, जो ज्ञान का भंडार है।

-दुष्यंत सिंह, वैज्ञानिक, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, मुंबई।

ऊर्जा की बहुत ... चल रही है। यह केवल कोयला, पवन, पानी से ही बनती है। ... भरोसा नहीं है। इसलिए ऊर्जा निर्मित ... और ऊर्जा की बचत की जरूरत है। ... उपकरण की जरूरत है जो पर्यावरण को हानि न पहुंचाए। एलईडी एक प्रकार का उपकरण है, जो 90 फीसदी ऊर्जा की बचत करता है। जबकि ... नुकसानदायक है।

-डा. संजय जी ढोबले, एलईडी मटेरियल ..., आरटीएम, नागपुर यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र।

32 प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से दी प्रस्तुति

जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन 32 प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से अपने शोध की प्रस्तुति दी। ... पोस्टर लगाया। ...

hindustantimes

'Quality research in ultrasonics need of the hour'

HT Correspondent

VARANASI: Prof Dr Nico F Declercq of Institute of Technology, Georgia, France, has said that ultrasonic technology can preserve blood for l...

कुलपति के ठुमरी तरानों पर गूंजी तालियां

India doing well in field of ultrasonic: Prof Nico.F.Declerecq

क्या बोले वैज्ञानिक

रिसर्च में ज्ञान को जनरेट करना अहम

रिसर्च के लिए सिर्फ लेटेस्ट ज्ञान का होना ही जरूरी नहीं है। ज्ञान को जनरेट कैसे करना है यह महत्वपूर्ण होता है। रिसर्च में नई खोज का लाना सबसे अधिक इम्पोर्टेंस रखता है। खोज के वैज्ञानिक आधार सभी शोध छात्रों को ...

प्रो. डा. कृष्ण...

जौनपुर जागरण

सं. 17 नवंबर 2019

एंटीबायोटिक्स को प्रभावी बनाएंगे नैनो मैटेरियल

पूर्वांचल विवि मे अल्ट्रासोनिक्स व पदार्थ विज्ञान विषयक तीन दिवसीय अंतरर...

- वैज्ञानिकों ने कहा, छात्रों की शिक्षा से भारत बनेगा विकसित व मजबूत राष्ट्र
- और दो दिन वैज्ञानिक करेंगे मंथन

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला व भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्णलाल ने कहा कि नैनो मैटेरियल से कई तरह की दवाएं निर्मित कर प्रभावशाली बनाया जा सकता है। ...

अमर उजाला | जौनपुर

पूविवि के संगोष्ठी भवन में आयोजित अल्ट्रासोनिक्स सम्मेलन में मौजूद लोग।

छात्रों ने सम्मेलन को बताया उपयोगी

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में शनिवार को अत्याधुनिक तकनीक के लिए अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर छात्र और शोधार्थियों में खासा उत्साह दिखा। सम्मेलन में आए छात्रों ने इसे उपयोगी बताया। ...

शैली यादव | निधि अग्रहरी | नवीन चौरसिया | अनामिका शुक्ला

नैनो तकनीक से दवाएं हो जाएंगी कारगर : कृष्णलाल

अल्ट्रासोनिक्स एवं पदार्थ विज्ञान पर तीन दिनी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

उद्घाटन सत्र के मौके पर बोलते मुख्य अतिथि प्रो. कृष्णलाल।

Three-day international conference on ultrasonics and physics begins

Varanasi: A three-day international conference on 'ultrasonics and physics', jointly organised by National Physics Laboratory-Ultrasonics Society of India and Rajju Bhaiyya Physical Science Study and Research Institute, took off at Veer Bahadur Singh Purvanchal University on Saturday. Ex-president of National Physics Laboratory and Indian National Science Academy Prof Krishna Lal said the contribution of ultrasonic science in health sector was immense. He said effective drugs could be formulated by nanomaterial. TNN

राष्ट्रीय सेवा योजना

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर का राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का सबसे बड़ा विभाग है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपद जौनपुर, आजमगढ़, मऊ व गाजीपुर तथा हड़िया पी0जी0 कालेज, हड़िया, प्रयागराज में सत्र 2018–19 में 59600 स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं का पंजीकरण किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले विभिन्न जनपदों में सामुदायिक सेवा के माध्यम से स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व के विकास हेतु अनेकानेक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष एक दिवसीय शिविर (चार) एवं सात दिवसीय शिविर (दिन–रात, एक) का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप, पर्यावरण संरक्षण, जलशक्ति अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, लैंगिक न्याय, कौशल विकास, पोषण पखवारा, फिट इण्डिया कार्यक्रम, नयी तालीम, गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर विभिन्न कार्यक्रम, वृहद वृक्षारोपण अभियान, मतदाता जागरूकता, अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस, सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती (31 अक्टूबर) राष्ट्रीय एकता दिवस (रन फार यूनिटी) कार्यक्रम, ब्लड डोनेशन कैम्प, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, गरीबों को ससम्मान सहायता के रूप में बापू बाजार जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2019 को युवा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1.5 लाख स्वंयसेवकों/स्वंयसेविकाओं द्वारा योग एवं उद्योग ऋषि स्वामी रामदेव की उपस्थिति में योग कार्यक्रम में भाग लेकर ताड़ासन, पादहस्तासन एवं अर्धचक्रासन में क्रमशः तीन 'गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड' में अपना नाम दर्ज कराया। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राष्ट्रीय सेवा योजना की 10 संस्थाओं 10 कार्यक्रम अधिकारियों एवं 10 स्वयंसेवक/सेविकाओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु 'स्वामी विवेकानन्द पुरस्कार' प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. विभाग को भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। युवा संसद के सफल आयोजन हेतु जनपद–जौनपुर में डॉ0 राजश्री सिंह सोलंकी–तिलकधारी महिला महाविद्यालय, आजमगढ– डॉ0 निशा कुमारी, अग्रसेन महिला महाविद्यालय, गाजीपुर–डॉ0 अमित यादव, राजकीय महिला पी0 जी0 कालेज, एवं मऊ जनपद से डॉ0 जोहरा जमाल–राजीव गांधी महाविद्यालय, परदहां को क्रमशः नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। इन नोडल अधिकारियों को भी उत्कृष्ट कार्य हेतु भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय की एन0 एस0 एस0 की स्वयंसेविका सुश्री शरियत फात्मा ने प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वृहद वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत जौनपुर सहित अन्य सम्बद्ध तीनों जनपदों में एक छात्र एक पेड़ योजना के तहत लगभग 60 हजार पौधे रोपे। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ने पहली बार 'दिव्य कुंभ–भव्य कुंभ 2019' प्रयागराज में अपना सेवा शिविर लगाया। गरीबों को ससम्मान सहायता के रुप में हिन्दू पी0 जी0 कालेज जमानियाँ, गाजीपुर, माँ गुजराती महाविद्यालय चुरावनपुर, बक्शा, जौनपुर, तिलकधारी महिला कालेज जौनपुर, फरिदुलहक मेमोरियल डिग्री कालेज सबरहद, जौनपुर, डॉ0 अख्तर हसन रिजवी शिया डिग्री कालेज जौनपुर एवं सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज, बदलापुर, जौनपुर द्वारा बापू बाजार का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के स्वंयसेवक धीरज कुमार यादव ने गणतंत्र दिवस परेड 2019 में एन. एस. एस. दल के साथ राजपथ पर प्रतिभाग किया। साहसिक शिविर में हिमाचल प्रदेश के पोंगडैम के अटल बिहारी वाजपेयी इंन्स्टीटयूट आफ माउंटनेरिंग एण्ड विंटर स्पोर्टस में विश्वविद्यालय के 10 स्वंयसेवकों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के छात्र सर्वेश कुमार द्वारा 01 अगस्त 2019 से 24 अगस्त 2019 तक जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउन्टेनरिग एंड विंटर स्पोर्ट्स, पहलगाम (जम्मू एवं कश्मीर) में प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में 20 फरवरी 2019 को मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त एम0 वेंकटेश्वर लू ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों को संबोधित किया। समर इंटर्नशिप 2.0 में गाजीपुर जनपद के राजकीय महिला पी0 जी0 कालेज, की स्वयंसेविकाओं ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। केरल राज्य में आई भीषण बाढ़ में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की विभिन्न एन.एस.एस. इकाइयों द्वारा मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में कुल रू0 3,49,578.00 की धनराशि सहायतार्थ प्रदान की गई।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु ई0 टी0 आई0 ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना की गई है। गया प्रसाद स्मारक राजकीय महाविद्यालय, अम्बारी, आजमगढ़ एवं हिन्दू पी0 जी0 कालेज, जमानियाँ, गाजीपुर में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया तथा टी0 डी0 महिला महाविद्यालय जौनपुर में स्वास्थ परीक्षण शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। भारत सरकार उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मत्रालय के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद हैदराबाद (MGNCRE) द्वारा 06 अप्रैल, 2019 को गोलमेज बैठक एवं नई तालीम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

50 गॉवों को गोद लेकर जन जागरूकता

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त 2019 को राजभवन लखनऊ में आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा गॉव को गोद लेकर टी0 बी0, कुपोषण, पालीथीन मुक्त करने एवं गरीब बच्चों को गोद लेकर उनका सर्वांगीण विकास करने एवं स्कूल छोड़ने वाले छात्रों को प्रेरित करके पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलाने का आह्वान किया था। स्वतंत्रता दिवस 2019 के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने गॉवों को गोद लेकर उनका सर्वांगीण विकास करने

का संकल्प लिया था। राजभवन में भी माननीय कुलपति जी ने पुनः इस संकल्प को दोहराया था। उक्त के क्रम में 03 सितम्बर 2019 को कुलपति सभागार में माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में संबद्ध समस्त जनपदों एवं विश्वविद्यालय परिसर के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, प्रबंधकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक में निम्न 50 गॉव लिये गये। जनपद

जौनपुर– 1. देवकली, 2.जासोपुर, 3. कुकड़ीपुर, 4. सुल्तानपुर, 5. छतौरा, 6. सकापुर, 7. ऊंड़ली, 8. राजेपरु, 9. रौजा अर्जन, 10. मीरपुर, 11. मजडीहा, 12. जफरपुर, 13. भोड़ा, 14. मुबारकपुर, 15. उत्तरपटटी, 16. चुरावनपुर, 17. उंचगांव, 18. कोपा, 19. डेल्हूपुर, 20. सरोखनपुर. जनपद मऊ– 30. टकटेऊ रामपुर, 31. भेलऊ चंगेरी, 32. कन्धेनवां, 33. तिनहरी, 34. कल्यानपुर, 35. मोलनापुर, 36. भौपोरा, 37. नेमडाढ़, 38. विश्वनाथपुर, 39. फूलपुर, 40. हलीमाबाद, 41. पाती . जनपद आजमगढ़– 21. गहूखोर, 22. इब्राहिमपुर, 23. भैरोपुर, 24. फुलेश, 25. खुरासों, 26.शेखपुर, 27. खलीलाबाद, 28. रामपुर, 29. करियावर. जनपद गाजीपुर– 42. हेतिमपुर, 43. नियाजी, 44. देवा, 45. खुटही मलिन बस्ती, 46. अरसदपुर, 47. भुड़कुडा, 48. हुरमुजपुर, 49. मदनपुरा, 50. मड़ई। इसके अतिरिक्त 53 गरीब बच्चों को गोद लेकर उनका विकास करने का निर्णय लिया गया। इसी के अनुक्रम में 14 अक्टूबर 2019 को जासोपुर (चकिया) गॉव में ग्रामीण जागरुकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव जी ने किया। इस शिविर में 186 बच्चों बुजुर्गों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें 96 लोगों की ब्लड की जॉच, 28 लोगों की ब्लड शुगर, 30 बच्चों की टी0 बी0 की जॉच, 76 लोगों के रक्तचाप एवं 63 लोगों की हिमोग्लोबिन की जॉच की गई। इस जॉच शिविर में डॉ0 रेहान, डॉ0 विकास सिंह एवं फार्मेसी संस्थान के प्रशिक्षु फार्मासिस्टों ने स्वास्थ्य परीक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

16 अक्टूबर 2019 को देवकली गॉव में भी ग्रामीण जागरुकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम जी ने किया। इस शिविर में 95 बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें 67 लोगों की ब्लड की जॉच, 25 लोगों की ब्लड शुगर, 38 बच्चों की टी0 बी0 की जॉच, 52 लोगों की हिमोग्लोबिन की जॉच की गई। कुपोषण की जॉच हेतु 95 बच्चों का वजन तथा ऊंचाई की जॉच की गई। इस जॉच शिविर में डॉ0 रेहान, एवं फार्मेसी संस्थान के प्रशिक्षु फार्मासिस्टों ने स्वास्थ्य परीक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। 18 अक्टूबर 2019 को कुकड़ीपुर गॉव में ग्रामीण जागरुकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने किया। इस शिविर में 189 बच्चों बुजुर्गों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें 142 लोगों की ब्लड की जॉच, दवा वितरण 153 लोगों का, 32 लोगों की ब्लड शुगर, 45 बच्चों की टी0 बी0 की जॉच, 150 लोगों की हिमोग्लोबिन की जॉच की गई, रक्तचाप 169 लोगों का जॉचा गया। कुपोषण की जॉच हेतु 50 बच्चों का वजन किया गया। इस जॉच शिविर में डॉ0 रेहान, डॉ0 पुनीत सिंह एवं फार्मेसी संस्थान के प्रशिक्षु फार्मासिस्टों ने स्वास्थ्य परीक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसी क्रम में 20 अक्टूबर 2019 को मीरपुर में दिनांक 21 अक्टूबर 2019 को सुल्तानपुर, एवं 23 अक्टूबर 2019 को मजडीहा एवं अन्य गोद लिये गये गॉवों में भी ग्रामीण जागरुकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन प्रस्तावित है।

"प्रेरणा" निःशुल्क कोचिंग

निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा का आविर्भाव 04 फरवरी 2014 को हुआ था, इस कोचिंग का उद्देश्य पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली के बच्चों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना है। यह कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस–पास के उन सभी बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है।

इस कोचिंग कि शुरुआत दिनांक 04 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० संतोष कुमार, डॉ० अमरेन्द्र कुमार सिंह एवं संकायाध्यक्ष, डॉ० अशोक कुमार श्रीवास्तव एवं इंजीनियरिंग विभाग प्रोफेसर बी० बी ० तिवारी एवं डॉ० राज कुमार के निर्देशन में छात्र विशाल सिंह एवं अभिनव नागर की टीम द्वारा उस समय हुआ जब विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी अपने विशेष शिविर के दौरान पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पास के गाँव देवकली एवं भटानी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरुकता रैली निकाल रहे थे, उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली

गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया, उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है तो वे बताये कि न तो उन्हें पढ़ाने वाला कोई है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास पैसा है, उसी के ठीक अगले दिन से इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों की टीम द्वारा "प्रेरणा" नाम की निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ कर दी गयी, देवकली गाँव के इस पंचायत भवन में इस कोचिंग की नीव रख दी गई।

प्रतिदिन शाम को 4:30 बजे से 6:30 बजे तक एवं प्रातः 6:30 बजे से 8:00 बजे तक इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी संस्थान के छात्र/छात्राएं पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव के पंचायत भवन में "प्रेरणा" नाम की निःशुल्क कोचिंग खोलकर अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरतमंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। प्रारंभ में प्रेरणा कोचिंग 30 बच्चों की संख्या से शुरू हुई थी, वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220 जबकि वर्तमान वर्ष में इस निःशुल्क कोचिंग से 173 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। शुरुआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी, फार्मेसी संस्थान के छात्र/छात्राएं) की संख्या 8 थी जो वर्तमान वर्ष में 32 है कोचिंग में 2019–20 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 173 है जिसमें एलकेजी से लेकर बारहवीं तक के छात्र शामिल हैं

सार्थकताः आज आधुनिकता के इस दौर में इंजीनियरिंग के छात्र/छात्राओं द्वारा निःशुल्क कोचिंग दिया जाना वास्तव में समाज सेवा की एक अनूठी पहल है। विश्वविद्यालय का यह नैतिक उत्तरदायित्व बनता है कि वह जिस क्षेत्र विशेष में अव्यस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए इस उद्देश्य की सार्थकता को विगत 6 वर्षों से इस निःशुल्क कोचिंग के द्वारा सिद्ध किया जा रहा है।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

बने चरित्रवान तब होगा देश महान–स्वामी रामदेव

विश्वविद्यालय में 11 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस में बड़ी तादात में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शिरकत की। योग गुरु स्वामी रामदेव के साथ विद्यार्थी योग कर आनंदित हो उठे। देश भक्ति के नारों से पूरा विश्वविद्यालय परिसर गूंज रहा था। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि युवा सच्चे मार्ग पर चले और इतना ही नहीं सच्चे मार्ग पर चलने वालों को ताकत दें। उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि शरीर से बलवान, मस्तिष्क से प्रज्ञावान, हृदय से श्रद्धावान, ऐश्वर्य से धनवान और आचरण से चरित्रवान, तब होगा मेरा भारत महान। देश में ज्ञान, विज्ञान, अनुसन्धान की कमी नहीं है लेकिन विश्वगुरु बनने के लिए हमें अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ की जरूरत है। यह युवा ही दे सकते है। इसके लिए हमें विवेकानंद के ध्येय वाक्य उठो, जागो और तब तक चलते रहो जब तक मंजिल न मिल जाये के अनुसरण की जरूरत है। यह कार्य योग से मजबूत किये शरीर बिना संभव नहीं।

विशिष्ट अतिथि जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि बाबा रामदेव के योग से एक असंस्कारिक व्यक्ति जिसको डाक्टरों ने जवाब दे दिया था वह ठीक हो गया क्योंकि योग ही संसार की भोगवृत्ति को मिटाता है। कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने स्वामी रामदेव का स्वागत अपने गीत जयति जयति से किया। उन्होंने कहा कि भारत आध्यात्मिक राष्ट्र है लेकिन पश्चिम के देश आर्थिक प्रगति कर रहे है। इसके लिए हमने स्वामी विवेकानंद के विचारों से सीख लेने की जरुरत है। उन्होंने देश भक्ति के गीत सुनाये। उन्होंने कहा कि हमारे यहां के विद्यार्थियों में वसुधैव कुटुंबकम की भावना होनी चाहिए तभी हम विश्व का नेतृत्व कर सकेंगे। कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजन के समन्वयक राकेश यादव ने स्वागत भाषण के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की उपलब्धियों को गिनाया। रोवर्स रेंजर के समन्वयक डॉ जगदेव ने भी सम्बोधित किया। समारोह का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने किया। समारोह में स्वामी रामदेव ने मंच से विद्यार्थियों को योग कराया। योग के साथ साथ वे जोश भी भरते रहे। ताड़ासन, शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, पश्चिमी ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, कपाल भाति एवं अनुलोम विलोम कराया। हाथों के बल पर चल कर दिखाया तो तालियों से समारोह गूंज उठा। समारोह में आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर जनपद के महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक–सेविकाए भारी संख्या में शामिल हुए। इसके साथ ही रोवर्स रेंजर्स के कैडेटों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वामी रामदेव का स्वागत किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर हुआ सम्मान

उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं महाविद्यालय सम्मानित

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि जी महाराज एवं कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने स्वामी विवेकानंद पुरस्कार 2017–18 उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं विभिन्न महाविद्यालयों को दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में आज़मगढ़ जनपद के गया प्रसाद राजकीय स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबारी की सत्या पांडे, नैना देवी महाविद्यालय के उत्तम पटेल, ओम प्रकाश मिश्रा स्मारक पीजी कॉलेज के नीरज यादव को प्रशस्ति पत्र दिया गया। जौनपुर जनपद के आर. एस. के. डी. पी. जी. कॉलेज के सत्यम सुंदरम मौर्य, शिया कॉलेज

की शरीयत फातिमा एवं सहकारी पीजी कॉलेज के विवेक कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। गाजीपुर जनपद के सुखदेव किसान महाविद्यालय के विनय गोस्वामी एवं राजकीय महिला पीजी कॉलेज की प्रीतम खरवार सम्मानित हुई। मऊ जनपद के राम बचन सिंह राजकीय महिलाविद्यालय की जया सिंह एवं लालसर कृषक महाविद्यालय के संदीप कुमार चौहान को प्रशस्ति पत्र मिला। इसी क्रम में कार्यक्रम अधिकारियों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आजमगढ़ जनपद के राजकीय महिला महाविद्यालय ज्योति कुमारी, शिवा डिग्री कॉलेज के डॉ0 अवधेश गिरी एवं गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला पीजी कॉलेज की डॉ दीपा वर्मा को प्रशस्ति पत्र मिला। जौनपुर जनपद से डॉ0 अख्तर हसन रिजवी शिया डिग्री कॉलेज के डॉ0 अवधेश कुमार, तिलकधारी महिला महाविद्यालय की डॉ0 मधुलिका सिंह एवं फार्मेसी संस्थान के डॉक्टर विनय कुमार सम्मानित हुए। गाजीपुर जनपद से स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज के डॉ0 विनय कुमार ओझा एवं हिंदू पीजी कॉलेज के डॉ अखिलेश शर्मा को सम्मानित किया गया। मऊ जनपद के पब्लिक शहर पीजी कॉलेज की डॉ0 दीप शिखा शुक्ला एवं राजीव गांधी महिला महाविद्यालय की डॉ0 जोहरा जमाल को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आजमगढ़ के अग्रसेन महिला पीजी कॉलेज, गंगा गौरी पीजी कॉलेज, आदर्श देवकली बाबा स्मारक महाविद्यालय को बेहतर कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। जौनपुर जनपद के फरीदउलहक मेमोरियल डिग्री कॉलेज तिलकधारी महिला महाविद्यालय एवं मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, गाजीपुर जनपद के आत्मप्रकाश आदर्श महाविद्यालय एवं राजकीय महिला पीजी कॉलेज को पुरस्कृत किया गया। मऊ जनपद के राजीव गांधी महिला महाविद्यालय एवं शहीद और अक्षयबर मल्ल महिला विद्यालय को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ0 गीता सिंह, डॉ0 राकेश यादव, डॉ0 अनुराग मिश्रा, डॉ0 झाँसी मिश्रा, सामजिक क्षेत्र में योगदान के लिए शीलनिधि सिंह, राजन गुप्ता, अशोक कुमार यादव, युवा कवि विशाल चौबे, रोवर्स रेंजर के पार्थ, साथ ही प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के छात्र– छात्राओं एवं खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अशोक कुमार सिंह को सम्मानित किया गया।

रोवर्स/रेंजर्स: वार्षिक रिपोर्ट

उ0प्र0 भारत स्काउट और गाइड एसोसिएशन सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम 1850 के अन्तर्गत पंजीकृत शिक्षा विभाग उ0प्र0 की सहयोगी संस्था है। यह गैर राजनीतिक, वर्णभेद की भावना से रहित, अर्न्तराष्ट्रीय संगठन है।

17 से 25 वर्ष के युवा छात्रों को रोवर्स एवं छात्राओं को रेंजर्स के नाम से जाना जाता है। रोवर्स/रेंजर्स का ध्येय वाक्य है– 'सेवा करो'। युवाओं में राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता, शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक और सामाजिक उन्नति के लिए यह प्रेरणादायी संस्था है। छात्र/छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और असहाय, पीडितों एवं अभावग्रस्त लोगों को मदद पहुंचाने की क्षमता का विकास और नैतिक उन्नति को प्रेरित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उत्तर प्रदेश में रोवरिंग/ रेंजरिंग के क्षेत्र में प्रथम स्थान रखता है। प्रदेश का यह पहला विश्वविद्यालय है जहाँ पर रोवर्स/रेंजर्स विभाग का अपना भवन है और नियमित रोवर्स/रेंजर्स गतिविधियां संचालित होती हैं। जनपद जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर और प्रयागराज के विभिन्न महाविद्यालयों में रोवर्स/रेंजर्स की गतिविधियां जैसे प्रवेश, निपुण, राज्य पुरस्कार, लीडर्स ट्रेनिंग, वृक्षारोपण आदि गतिविधियां निरन्तर संचालित हो रही हैं। 15 नवम्बर 2018 को विश्वविद्यालय के रोवर्स/रेंजर्स भवन परिसर में रोवर्स/रेंजर्स लीडर्स का एक दिवसीय प्रगतिशील प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्य प्रशिक्षक के रूप में श्री प्रदीप गुप्ता, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, वाराणसी मण्डल ने लगभग 200 रोवर्स/रेंजर्स लीडरों की रोवरिंग/रेंजरिंग की गतिविधियों और भूमिका से परिचित कराया। कार्यक्रम में सुरेश प्रसाद तिवारी, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, आजमगढ़ मण्डल ने दल पंजीकरण और दल संचालन की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। 24 से 30 दिसम्बर 2018 को विश्वविद्यालय परिसर में सात दिवसीय रोवर्स/रेंजर्स लीडर्स का प्रगतिशील प्रशिक्षण कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के 85 शिक्षक (60 पुरूष एवं 25 महिलाएं) रोवर्स/रेंजर्स लीडर्स के रूप में प्रशिक्षित हुए। यह अभी तक का सबसे बड़ा बैच और

पूर्णतया निःशुल्क कैम्प था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा समस्त प्रतिभागियों को पूर्ण स्काउट वर्दी, जूता–मोजा आदि उपलब्ध कराया गया। 11 से 15 जनवरी 2019 को विश्वविद्यालय परिसर में रोवरिंग/रेंजरिंग का शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया गया। 12 जनवरी स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप योग ऋषि, उद्योग ऋषि स्वामी बाबा रामदेव जी की उपस्थिति में प्रदेश के 15 मण्डलों से आये हुए रोवर्स/रेंजर्स ने योगाभ्यास किया । 13 जनवरी 2019 की रात्रि ग्रैण्ड कैम्प फायर का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के 15 मण्डलों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलकियाँ प्रस्तुत की गयी। 14 जनवरी 2019 को मकर संक्रान्ति के अवसर पर समरसता भोज का आयोजन किया गया जिसमें एक साथ जमीन पर बैठकर 500 लोगों ने भोजन का आनन्द लिया। 15 जनवरी 2019 को शताब्दी वर्ष समारोह का विधिवत समापन किया गया। 02 व 03 फरवरी 2019 को विश्वविद्यालय परिसर मे अन्तर महाविद्यालयीय रैली का आयोजन किया गया जिसमें चार जनपदों से कुल 19 टीमों ने प्रतिभाग किया। इस समागम में निबन्ध, पोस्टर, पायनियरिंग, वर्दी, स्किल–ओ–रामा, आंचलिक लोकगीत व लोक नृत्य जैसी 20 प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। सर्वाधिक अंक प्राप्त करके रामदेव मेमोरियल पी0जी0 कालेज, रानीपुर रजमो मुहम्मदपुर, आजमगढ़ की रोवर्स और रेंजर्स दोनों टीमें चैम्पियन बनी और प्रादेशिक रोवर्स रेंजर्स रैली में प्रतिभाग करने का अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।दिनांक 17 से 19 फरवरी 2019 को प्रादेशिक रोवर्स/रेंजर्स रैली दिगम्बर जैन कालेज, बड़वत बागपत उत्तर प्रदेश मे आयोजित हुई, जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की रोवर्स और रेंजर्स दोनों टीमों ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह विश्वविद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है कि हमारी दोनों टीमें प्रदेश चैम्पियन बनी।

20 व 21 जून 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रादेशिक चैम्पियन दोनों टीमों के सम्मान में विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विजेता टीम के द्वारा विजित ट्राफी विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सुजीत कुमार जायसवाल और विश्वविद्यालय संयोजक डॉ0 जगदेव को सौंपी गयी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने मेडल पहनाकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी विश्वविद्यालय का सम्मान बरकार रखने का आशीर्वचन दिया। उक्त समस्त उपलब्धियों का श्रेय कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, समस्त विश्वविद्यालय परिवार, जनपद संयोजक एवं छात्र/छात्राओं को जाता है।

स्थापना दिवस समारोह

श्री राम कथा अमृत वर्षा एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के अंतर्गत महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक श्री रामकथा अमृत वर्षा का आयोजन किया गया। श्रीराम कथा में प्रख्यात कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज ने भगवान राम के आदर्श चरित्र का वर्णन किया। श्री राम कथा में विद्यार्थियों को परिवार, समाज, पिता–पुत्र सम्बन्ध, गुरु– शिष्य सम्बन्ध एवं लोक कल्याण आदि विषयों पर भी विस्तारपूर्वक बताया। विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ–साथ नैतिक एवं अध्यात्मिक सचार के लिए विश्वविद्यालय में श्री राम कथा का आयोजन पिछले तीन वर्षों से लगातार किया जा रहा है। राम कथा से विद्यार्थियों के साथ ही जनपद के जनमानस में भी आदर्श जीवन मूल्यों की सामाजिक चेतना जागृत हुई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने कहा कि देश के प्रख्यात श्रीराम कथा मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महराज और सुविख्यात कलाकारों को विश्वविद्यालय में बुलाने का उद्देश्य इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को श्रीराम के आदर्श जीवन से शिक्षा लेने और इन कलाकारों और उनकी प्रतिभा से रूबरू कराना है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से परिसर में आयोजित हो रहे श्री राम कथा अमृत वर्षा को सुनने के लिए पूर्वांचल के अन्य जिलों से भी लोग आते हैं।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के अंतर्गत ही एक से तीन अक्टूबर को सायं महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत एक अक्टूबर को देश के सुप्रसिद्ध कथक कलाकार रवि सिंह प्रयागराज एवं कथक नृत्यांगना प्रेरणा तिवारी का नृत्य आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ राजाराम यादव द्वारा उप शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया। कुलपति जी के साथ तबले पर शंकर तथा वैभव बिंदुसार और वायलिन पर सुरेश जी ने संगत की।

प्रयागराज से आई प्रेरणा तिवारी ने गणेश वंदना एवं ठुमरी पर जबरदस्त कथक नृत्य की प्रस्तुति की। प्रयागराज के प्रतिष्ठित कथक कलाकार रवि सिंह ने ऊँः नमः शिवाय की धुन पर अद्धीगिनी नृत्य प्रस्तुत किया। इस समारोह में कथक और भरतनाट्यम में जुगलबंदी पर प्रेरणा तिवारी और रवि सिंह का महिषासुर वध का नृत्य देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो उठे ।

02 अक्टूबर को लखनऊ की कलाकार श्रीमती मनीषा मिश्रा का कथक नृत्य हुआ। कथक कलाकार मनीषा मिश्रा के साथ बाल कलाकार आराध्य प्रवीण ने तबला वादन कर धमाल मचा दिया। संगीत संध्या की शुरुआत हंस ध्वनि राग से हुई इसमें तबला और वायलिन की जुगलबंदी पेश की गई , तबले पर शंकरदा और वायलिन पर सुरेश जी थे। संगीत समारोह के अगले चरण में कथक नृत्यांगना मनीषा मिश्रा ने अपने प्रस्तुति की शुरुआत...या देवी सर्वभूतेषु की धुन पर की। इसमें महिषासुर मर्दिनी

का अभिनय देखकर दर्शक भाव–विभोर हो उठे। समारोह में पंडित रविंद्र नाथ मिश्र, अराध्य प्रवीण का तबला वादन, हारमोनियम पर प्रवीण कश्यप और सारंगी पर पंडित विनोद मिश्र ने संगत की और गायन में मंजूषा मिश्रा ने साथ दिया। 3 अक्टूबर को अयोध्या के प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित सत्य प्रकाश मिश्र ने शास्त्रीय गायन, ध्रुपद गायक पंडित जयनारायण शर्मा, तबले पर श्री लालजी मलिक, श्री राजेश यादव तथा श्री शंकर दा, श्री सुरेश जी ने एवं साहित्य कुमार नाहर और शोभित कुमार नाहर ने सितार वादन पर अपनी विशिष्ट प्रस्तुति दी। प्रयागराज से आये प्रख्यात सितार वादक प्रोफेसर साहित्य कुमार नाहर और शोभित कुमार नाहर ने वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीर पराई जाने रे... भजन से शुरुआत की। इसके बाद राग वाचस्पति में स्वर और ताल की जुगलबंदी से पूरा सभागार झंकृत हो गया। महोबा से आए ध्रुपद गायक पंडित जयनारायण शर्मा ने ध्रुपद गायन पेश किया। उन्होंने जब अमीर खुसरो की प्रसिद्ध छाप तिलक सब छीनी मोसे नैना मिलाइके..सुनाया तो दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। अयोध्या के सत्य प्रकाश मिश्र ने बंदिश से शुरुआत की। उन्होंने ...सोचत काहे हे मनवा कौशिक कांगड़ा सुनाया, तो दर्शक झूम उठे। इसके बाद रंगी सारी गुलाबी चुनरिया रे... सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज मिश्र ने किया।

खिलाड़ी सम्मान समारोह

श्री राज्यपाल ने 104 खिलाड़ियों को किया सम्मानित

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में 29 अगस्त 2019 को राजभवन लखनऊ के गांधी सभागार में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 104 खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कास्य पदक से सम्मानित किया। इसके साथ ही 31 टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक भी सम्मानित हुए। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को छठवीं बार राजभवन में सम्मानित किया गया है।

प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि अगर हम शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तभी भारत विश्व गुरु बनेगा। विश्वविद्यालयों को खेल को पाठ्यक्रमों में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दिन हॉकी के महान जादूगर ध्यानचंद्र जी का जन्म दिवस है उनके लिए सम्मान प्रकट करने का दिन है। उन्होंने उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय गांवों को गोद ले और उनमें टीबी, कुपोषण को दूर करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करें। उन्होंने कहा कि बहुत सारे बच्चे पहली से 12वीं कक्षा के बीच पढ़ाई छोड़ देते हैं उन्हें पठन–पाठन से जोड़े रखने लिए माहौल बनाना होगा। ऐसा माहौल तैयार करें कि बच्चियां आगे भी पढ़ें। उन्होंने जल संचयन पर भी सुझाव दिए कहा कि पानी को बचाना होगा जितना पानी पीना है उतना ही गिलास में लें, जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से करोड़ों लीटर पानी बचाया जा सकता है। पॉलिथीन की समस्या को गंभीर बताते हुए उन्होंने कहा इसके लिए पूरे देश के लोगों को संकल्प लेने की जरूरत है अगर ऐसी छोटी–छोटी चीजों के प्रति शिक्षण संस्थान जागरूकता पैदा करते हैं तब देश के विकास की गति तेजी से बढ़ सकती है।

कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि खिलाड़ी युवाओं का प्रेरणा स्तम्भ होता है। उन्होंने कहा कि जिन्दगी बदलने के लिए सहर्ष संघर्ष करना पड़ता है। वक्त आपका है चाहो तो सोना बना लो और चाहो तो सोने में गुजार दो। अगर कुछ अलग करना है तो भीड़ से हटकर चलो। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को भी गिनाया। कहा कि पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने 41 पदक हासिल किए थे इस बार यह संख्या 104 हो गई है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति प्रो. टी. एन. सिंह ने खिलाड़ी सम्मान समारोह की प्रस्तावना प्रस्तुत की। राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने आभार व्यक्त किया। खेल सचिव डॉ अलोक कुमार सिंह ने खेल गतिविधियों कि वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल के साथ खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों की ग्रुप फोटोग्राफी हुई। समारोह का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने किया।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र

उत्कृष्टता केंद्र

शिक्षित बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार दिलाने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कौषल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की गयी है इसका उद्घाटन 31 मई, 2019 को प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर के कर कमलों से हुआ। इस प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण कौशल विकास एवं उद्यमिता भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने किया। उन्होने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कार्य की सराहना की और कहा कि इससे जौनपुर समेत आस–पास जिले के लोगों को प्रशिक्षित कर रोजगार देने में मदद मिलेगी।

उद्देश्य

प्रशिक्षुओं को आवश्यक प्रशिक्षण देकर कौशल के साथ सक्षम बनाना है, ताकि वह इस योग्य हो जाय कि कही भी इसका लाभ उठा सकें।

इस कार्य के लिए संकाय सदस्यों ने दिसम्बर 2018 से जनवरी 2019 तक विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में एक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के माध्यम से निम्नलिखित व्यवसायों में सम्भावित प्रशिक्षुओं की अभिरुचि की पहचान की गई। इसमें–इलेक्ट्रिशियन ट्रेनिंग, कंप्यूटर ट्रेनिंग, सी.एन.सी.ऑपरेटर, फिटर, वेल्डर, टर्नर, टेलरिंग व ब्यूटिशियन ट्रेनिंग इत्यादि।

राज्य केंद्र सरकार के तहत स्किलिंग कार्यक्रमों के लिए कौशल विकास मंत्रालय की ओर से संभव मदद का प्रयास विश्वविद्यालय कर रहा है, अभी तक 150 से अधिक प्रशिक्षुओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है तथा रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अभी जारी है। वर्तमान सत्र से परिसर में प्रत्येक कोर्स में 30–30 प्रशिक्षुओं के दो बैच शुरू किए गये है। हमारी सहभागी डेजाव्यू स्किल लर्निंग एण्ड ट्रेनिंग सिस्टम संस्था व्यावसायिक रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार प्रदान करने में सहयोग कर रही है। विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, भारत सरकार यूजीसी से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रयास कर रहा है। वर्तमान में चलाये जा रहे कौशल विकास के कार्यक्रम इलेक्ट्रिशियन (MES कोर्स कोड ELE701, 600 घंटे) इससे प्रशिक्षित लोग गॉव और शहर में बिजली से सम्बन्धित हर काम को कर सकते है। इस कार्य की शुरुआत के लिए टेकिप III एवं डेजाव्यू स्किल की मदद से शिक्षण सामग्री प्राप्त हो रही है, II-DTP और प्रिंट प्रकाशन सहायक (MES कोर्स कोड ICT 702, 500 घंटे) इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षु कंप्यूटर की मूलभूत बातें सिखते है। MS Office का उपयोग व्यापक रूप से किए जाने वाले पैकेज यथा Word, Power Point, Excel, Internet, Email और Publishing सॉफ्टवेयर जैसे फोटोशॉप सिखाया जा रहा है, प्रशिक्षु इंटरनेट कैफे, डिजाइनिंग के साथ रोजगार पा सकते हैं। एम0ओ0यू0 के अंतर्गत डेजाव्यू स्किल आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन, निरीक्षण और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

प्रशिक्षण विवरण

आवश्यकतानुसार कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, कार्यशाला, प्रयोगशाला हेतु संबंधित विभागों से शिक्षकों से सहयोग लिया जा रहा है, प्रयोग में लाये जाने वाले उपकरण एवं सॉफ्टवेयर आवश्यकतानुसार प्रयुक्त हो रहे हैं जिनमें प्रमुख रूप से फोटोशॉप, इनडिजाइन, कोरल–ड्रा इत्यादि है। प्रशिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्डिंग, बायोमेट्रिक उपस्थिति कर निगरानी पूरी सजगता एवं बारीकी से की जा रही है।

प्रत्येक कक्षा में प्रशिक्षुओं की संख्या 20 से 30 के मध्य होगी एवं उपस्थिति न्यूनतम 75 प्रतिशत आवश्यक है। मूल्यांकन के लिए सरकारी मानदंड थ्योरी और प्रैक्टिकल सहित कक्षाएं, प्रतिदिन तीन घंटे तक चलाई जा रही हैं।

पाठ्यक्रम के लिए प्लेसमेंट

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को कक्षा में आने हेतु प्रेरित करने के लिए, नियोक्ता तक पहुँच बनाने के लिए एवं रोजगार प्रदान कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशिक्षुओं को रोजगार में रूचि के अनुसार जैसे इलेक्ट्रिशियन, डीटीपी मुद्रण इत्यादि हेतु बैंको से तालमेल कर आसान शर्तों पर धन उपलब्ध कराने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिल्टी) कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय आसपास के उद्योगों व्यवसाय से संपर्क कर और अधिक कक्षाओं का शुभारंभ शीघ्र ही करने जा रहा है। इस कार्य में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राजकुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया है। और पूर्वांचल विश्वविद्यालय ग्रामोदय समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। समिति के समन्वयक शील निधि सिंह, राजन कुमार गुप्ता, संतोष कुमार यादव की देखरेख में इस कार्यक्रम को चलाया जा रहा है।

सिविल सर्विसेज की निःशुल्क कोचिंग

विश्वविद्यालय परिसर स्थित एन.एस.एस भवन में 12 मार्च, 2018 से निःशुल्क सिविल सर्विसेज कोचिंग का संचालन कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव की दूरगामी सोच व छात्र–कल्याण की भावना के दृष्टिगत एवं उनके निर्देशानुसार किया जा रहा है। समन्वयक डॉ0 मनराज यादव की देख–रेख में सफलता पूर्वक चल रहा है। कोचिंग में 75 छात्र–छात्राओं का प्रवेश हुआ है। पूर्व बैच के कुछ परीक्षार्थियों ने पीसीएस प्री. एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण किया है। कोचिंग के 20 छात्र–छात्राएं पीसीएस प्री. की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं, जिसको दृष्टिगत रखते हुये उच्चकोटि की तैयारी कराई जा रही है। विषय–विशेषज्ञों द्वारा विषयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विस्तारपूर्वक व्याख्यान आयोजित किया जाता है। समय–समय पर छात्र–छात्राओं के नैतिक एवं व्यक्तित्व–विकास हेतु समसामयिक घटनाओं पर सामूहिक चर्चा–परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के सभी वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े एवं गरीब छात्र–छात्राओं को रोजगारपरक शिक्षा के निमित्त निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान कर विश्वविद्यालय ने एक नई पहल शुरू की। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के गरीब छात्र एवं छात्राएं हर्ष के साथ अपने आपको अत्यन्त गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय की इस अप्रतिम एवं ऐतिहासिक पहल से आने वाले दिनों में हम सफलता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही साथ लक्ष्य की प्राप्ति में आर्थिक समस्यायें भी बाधा नहीं डाल पायेंगी।

विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय में सन् 1999 में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गयी थी। सन् 2004 में सुसज्जित पुस्तकालय का निर्माण किया गया था, जिसका नाम विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय रखा गया और इसका उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति माननीय भैरव सिंह शेखावत ने सन् 2004 में किया। सन् 2016 में उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पुस्तकालय को सेन्टर ऑफ एक्सिलेन्स से नवाजा है। वर्तमान समय में पुस्तकालय में 1165776 पुस्तकें, 312 भारतीय एवं विदेशी जर्नल व मैगजीन, 557 बैक वैलूम, 8107 पी–एच. डी. थीसिस, 760 सीडी, 5 दैनिक समाचारपत्र, 216 गवर्नमेन्ट पब्लिकेशन, प्रेस क्लीपिगं एवं सन्दर्भ पुस्तकें उपलब्ध है। ई0टी0डी0 लैब स्थापित है। पुस्तकालय में अलग से ई पुस्तकालय स्थापित है जिसमें 20 कम्प्यूटर के साथ 1 जी0बी0पी0एस0 के बी0एस0एन0एल0 लीज लाइन की सुविधा उपलब्ध है। यहां पर 28000 से अधिक ई–बुक,3600 ई–जर्नल, ई–थीसिस, ई–डाटाबेस, ई–केसस्टडीज एवं ई–आरकाईब्स के लिये स्प्रिंगर, मैग्राहील, एल्सबीयर, टेलर एण्ड फ्रान्सीस, पीयरसन, आईओपी, वर्ल्ड टेक्नालाजी, वाईले, सेज, इनसाइक्लोपिडिया ब्रीटानिका,रायल सोसाईटी कमेस्ट्री,वर्ल्ड ई0 बुक्स लाईब्रेरी, कैम्ब्रिज, नेचर पब्लिकेशन, आईईईई, एमराल्ड, एब्सको पब्लिशर का ई रिसोंस उपलब्ध है। पुस्तकालय में बुक बैंक की सुविधा समस्त छात्र व छात्राओं के लिये प्रदान की जाती है जिसमें 18699 पुस्तकें उपलब्ध है। सभी विद्यार्थियों को एक सेट बुक प्रति सेमेस्टर के लिये दिया जाता है।

शोध गंगा पर प्रदेश में प्रथम

Shodh ganga
a reservoir of Indian theses

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय यूजीसी के पोर्टल शोधगंगा पर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में प्रथम और देश में पाँचवें स्थान पर है। विश्वविद्यालय के सभी शोध ग्रंथ अब ऑनलाइन पढ़े जा सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित शोध गंगा एक ऐसा प्लेटफार्म है जिस पर शोध ग्रंथों को अपलोड किया जाता है। इस पर अपलोड होने के बाद इंटरनेट के माध्यम से कोई भी शोध ग्रंथों को पढ़ सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा शोध ग्रंथों को अपलोड करने का कार्य 2016 से प्रारंभ हुआ। इस कार्य का सफलतापूर्वक संचालन शोध गंगा के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. विद्युतमल द्वारा किया जा रहा है। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुरानी थीसिस को स्कैन कर डिजिटल रूप प्रदान कर उसे शोध गंगा की वेबसाइट पर पूरी सूचना के साथ अपलोड किया गया है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 8107 पी–एच0 डी0 थीसिस अब तक शोध गंगा पर अपलोड हो चुकी है।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान

महान शिक्षाविद एवं समाजसेवी प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) की स्मृति में भारत का पहला विज्ञान संस्थान प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान की स्थापना वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 2018 में की गई। मा. कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव के अथक प्रयासों से स्थापित इस संस्थान में चार विभाग भौतिकी विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, गणित विभाग, भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग तथा दो शोध केंद्र नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी शोध केंद्र व गैर परंपरागत ऊर्जा शोध केंद्र संचालित हो रहे है। इस संस्थान में विज्ञान स्नातक (B.Sc.) एवं परास्नातक (M.Sc.) भौतिकी, रसायन, गणित व भूगर्भ विज्ञान के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। शोध को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में पी–एच.डी (Ph.D.) एवं पोस्टडॉक्टोरल (PDF) प्रोग्राम की शुरुआत की जा चुकी है।

विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं से सुसज्जित यह संस्थान विज्ञान क्षेत्र में आधुनिक शोध की सभी जरूरतों को पूरा करता है। यह संस्थान मौलिक विज्ञान तथा आधुनिक विज्ञान के शोध के संगम का एक अनूठा उदाहरण है। संस्थान में मौलिक विज्ञान जैसे भौतिक, रसायन व गणित के साथ आधुनिक विज्ञान जैसे नैनो साइंस, पदार्थ विज्ञान एवं ऊर्जा विज्ञान के लिए नए और अत्याधुनिक उपकरण एवम प्रयोगशालायें स्थापित किये गए हैं।

अल्ट्रासोनिक्स का उपयोग करते हुए पदार्थ के आकार को मापने के लिए अत्याधुनिक जेटा ए पी एस (Zeta APS) एवं टी पी एस (TPS & 500S) के नवीनतम संस्करण की स्थापना गई है। एक्स किरणों (X-RAYS) का उपयोग करते हुए पदार्थ की संरचना के विस्तृत अध्ययन के लिए एक्स–रे डिफ्रैक्टोमीटर (XRD) भी संस्थान में मौजूद है। अति सूक्ष्म पदार्थों के सतह एवं संरचना के अध्ययन के लिए संस्थान में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉन स्कैनिन माइक्रोस्कोप (FE&SEM) भी लगाया गया है। संस्थान में यूवी विजिबल (UV&Vis) स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा इंफ्रारेड (FT&IR) स्पेक्ट्रोस्कॉपी की भी सुविधा उपलब्ध है। संस्थान में मौजूद सभी सुविधाएं व वैज्ञानिक उपकरण विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों के लिए प्रयोग हेतु खुले है।

अपनी स्थापना के एक वर्ष के भीतर ही इस संस्थान ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संस्थान के शिक्षकों के शोध कार्य अंतरराष्ट्रीय पटल पर ख्याति अर्जित कर रहे हैं। एक वर्ष से भी कम समय के अंदर संस्थान में अत्याधुनिक प्रयोगशाला एवं उपकरणों की स्थापना की गई है। संस्थान में 300 की क्षमता का एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय ऑडिटोरियम भी निर्मित किया गया है जिसका प्रयोग शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए किया जाता है।

समय–समय पर संस्थान में देश–विदेश के जाने माने वैज्ञानिकों व शिक्षाविदों के व्याख्यान आयोजित होते रहते हैं, जिससे विद्यार्थी एवं शोधार्थी देश विदेश में चल रहे शोध कार्यो एवं वैज्ञानिक गतिविधियों से परिचित होते है। 16 से 18 नवम्बर, 2019 को संस्थान एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। यह सम्मेलन देश विदेश में अल्ट्रासोनिक एवं पदार्थ विज्ञान में कार्य कर रहे वैज्ञानिक एवं शोधकर्ताओं के लिए है। इस सम्मेलन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय जगत में अल्ट्रासोनिक एवम पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए शोध कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा एवम व्याख्यान प्रस्तावित है।

कैंसर निदान के क्षेत्र में कार्य के लिए मिला अनुदान

विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को कैंसर के निदान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) की विंग साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) की योजना टीचर एसोसिएटशिप रिसर्च एक्सीलेंस के अंतर्गत अनुसंधान के लिए अनुदान मिला है। इस परियोजना पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मनीष कुमार गुप्ता एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर, बायोलॉजिकल साइंस एंड बायोइंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ0) रामासुब्बू संकर रामाकृष्णन के मार्गदर्शन में काम करेंगे, इस परियोजना में शरीर के अन्दर मौजूद कोशिकाओं में बीसीएल–2 फैमिली के प्रोटीन्स का नेटवर्क बायोलॉजी विधि के माध्यम से इंटरएक्टोम मॉडल को विकसित करना हैं, इस मॉडल के विकसित होने से शरीर में मौजूद कोशिकाओं की मृत्यु को समझने एवं कैंसर जैसी घातक बीमारी के निदान करने में सहायता मिलेगी।

सत्यमेव जयते
Science and Engineering Research Board (SERB)
Department of Science and Technology (DST)
Govt. of India

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ (आई.पी.आर.) की स्थापना

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित संकाय भवन में बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई पी आर) प्रकोष्ठ की स्थापना मार्च 2019 में की गयी। आई पी आर प्रकोष्ठ कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव जी की दूरगामी सोच है कि शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों के उकृष्ट शोध जो पेटेंट में परिवर्तित हो सके और समाज, देश और विश्व के काम आ सके और यह कार्य उनके निर्देशानुसार नोडल अधिकारी डॉ. मनीष कुमार गुप्ता की देख रेख में हो रहा हैं। इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य आई पी आर उत्पाद को विकसित करने के लिए सलाह एवं मार्गदर्शन देना है। परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों,वैज्ञानिकों, शोधार्थियों को नवोन्मेषी एवं डिजाइन आधारित कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना, पेटेंट को फाइल करने में सुविधा प्रदान करना, उद्योगों व विभिन्न शोध संस्थानों से समझौता को बढ़ावा देना, आईपीआर उत्पादों का व्यवसायीकरण करना इत्यादि हैं। आई पी आर प्रकोष्ठ की मुख्य गतिविधियाँ संगोष्ठी, सम्मलेन, समिट के माध्यम से आई.पी.आर. के बारे में समझ एवं जागरूकता को बढ़ावा देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना, पेटेंट संरक्षण करना सम्मिलित हैं।

सेन्ट्रल ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट सेल

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय में सेन्ट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट सेल की स्थापना नवम्बर 2017 में कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव द्वारा की गई। नवम्बर 2017 में ही प्लेसमेन्ट सेल की नव नियुक्त निदेशक प्रो0 रंजना प्रकाश, पूर्व विभागाध्यक्ष भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, के द्वारा परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों बी0टेक0, बी0फार्मा, एम0बी0ए0, एम0सी0ए0 के साथ ही विज्ञान संकाय के अन्तर्गत संचालित एम0एस0सी0 बायोटेक्नालॉजी, माइक्रोबायलॉजी, बायोकेमेस्ट्री तथा पर्यावरण विज्ञान, जनसंचार, अनुप्रयुक्त व्यावहारिक मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को साट स्किल एवं कम्प्यूटेशन की ट्रेनिंग देश के प्रख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा करायी गई। उसके बाद देश की प्रतिष्ठित कम्पनियाँ कैंपस में आयीं और विद्यार्थियों का चयन किया, जिससे वर्ष 2017 में बहुत ही कम समय में 735 विद्यार्थियों को उपाधि के साथ ही रोजगार भी उपलब्ध कराया गया।

वर्ष 2018 में देश के विभिन्न प्रान्तों से विषय विशेषज्ञों को बुलाकर ट्रेनिंग करायी गयी। वर्ष 2018 में केवल परिसर ही नहीं बल्कि माननीय कुलपति जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चार जिलों के लगभग 850 महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को भी रोजगार मेले में आमंत्रित किया गया। रोजगार मेले के पूर्व परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों के छात्रा/छात्राओं का कैंपस प्लेसमेन्ट के द्वारा सितम्बर 2018 से फरवरी 2019 तक कुल 250 विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों में हुआ।

दिनांक 25 एवं 26 फरवरी 2019 को परिसर में विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध लगभग 850 महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं के साथ ही परिसर में अध्ययनरत छात्रों ने भाग लिया। उक्त रोजगार मेले में लगभग तीन हजार छात्रों ने भाग लिया। इसमें देश की ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित 28 कम्पनियाँ आई और 1080 विद्यार्थियों को चयन किया। इस प्रकार विगत दो वर्षों में वर्ष 2017–2018 एवं 2018–2019 में कुल लगभग दो हजार विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त कराया गया। यह विश्वविद्यालय अपने छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराने वाला प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय बन गया है।

1– 11.09.2019 से 18.09.2019 तक एम.बी.ए.(एग्री),एम.बी.ए. (ई कामर्स),एम.बी.ए., एम.बी.ए. (एच.आर.एम.), एम.बी.ए. (बिजनेस इकोनामिक्स), एम.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड कन्ट्रोल), एम.बी.ए.(एच.आर.डी.) के छात्रों की साफ्ट स्किल इनहैंसमेंट का विशेष प्रशिक्षण श्री सनी सचदेवा, विप्रो–सर्टिफाइड ट्रेनर द्वारा दिया गया।

2– 19.09.2019 से 26.09.2019 तक एम.बी.ए. (एग्री), एम.बी.ए.(ई कामर्स), एम.बी.ए., एम.बी.ए.(एच.आर.एम.), एम.बी.ए.(बिजनेस इकोनामिक्स), एम.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड कन्ट्रोल), एम.बी.ए. (एच.आर.डी.) के छात्र को साफकान इन्डिया प्रा0 लि0, लखनऊ के ट्रेनर द्वारा ऑफिस आटोमेशन एण्ड एक्सल पर कम्प्यूटर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया जिसमें कम्पनी के मैनेजर श्री सौरभ सिंह, श्री धीरज पाण्डेय, श्री सूरज पाण्डेय, श्री अतुल तिवारी, श्री आशीष तिवारी, श्री आनन्द कुमार, श्री नवनीत सिंह, श्री सौरभ दूबे, श्री अरविन्द कुमार, श्री नवील नोमानी, श्री मनीष तिवारी, द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

3– 11.09.2019 से 18.09.2019 तक बी0 टेक0, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बी0टेक0 कम्प्यूटर साइंस, बी0टेक0 इन्फारमेशन इंजीनियरिंग, बी0टेक0 इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, बी0टेक0 इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा एम0सी0ए0 के छात्रों को विभिन्न विषयों जैसे–एनशिस, मशीन लर्निंग, पायथन, आई0ओ0टी0, मैट लैब, पी स्पाइस में प्रशिक्षण दिया गया।

4– 19.09.2019 से 26.09.2019 तक बी0टेक0 के समस्त छात्रों को साफ्ट स्किल इनहैन्समेंट ट्रेनिंग अवसर वेन्चर्स जयपुर के ट्रेनर श्री अपलव सक्सेना, श्री सौरभ श्रीवास्तव तथा सुश्री रितिका कुमारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

5– 15.10.2019 से 22.10.2019 तक परिसर में संचालित प्रो0 राजेन्द्र सिंह "रज्जू भईया" संस्थान के छात्रों एम0एस0सी0 भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, भूगर्भ विज्ञान के साथ ही एम0एस0सी0 बायोटेक्नालॉजी, माइक्रोबायलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, पर्यावरण विज्ञान तथा एम0ए0 (मॉस कम्यूनिकेशन) के साथ ही फार्मेसी संस्थान के छात्रों को श्री सनी सचदेवा द्वारा स्पोकेन इंग्लिश एवं साफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिया गया।

21, 22 अक्टूबर को देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों में 26 विद्यार्थियों का कैम्पस सेलेक्शन हुआ। 21, 22 नवम्बर 2019 को आयोजित कैम्पस ड्राइव में 101 विद्यार्थी चयनित हुए। महाविद्यालयों के बी0ए0, बी0एस0सी0, बी0काम0, एम0ए0,

एम0एस–सी0, एम0काम0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 के छात्र/छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन हुआ, साथ ही परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों इंजीनियरिंग, एम0सी0ए0, एम0बी0ए0, बी0फार्मा0, बॉयोटेक्नालॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, पर्यावरण विज्ञान, अप्रयुक्त व्यवहारिक मनोविज्ञान एवं प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह "रज्जू भईया" संकाय के विद्यार्थियों हेतु फरवरी 2020 में विशाल रोजगार मेले का आयोजन पिछले दो वर्षों की भाँति ही सम्पन्न कराया जायेगा।

सेन्ट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट सेल द्वारा परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों के छात्रों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में समर ट्रेनिंग हेतु भेजा जाता है। उक्त छात्रों को परिसर में ही भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कम्पनियाँ जो एन0 एस0 डी0 सी0 द्वारा प्रमाणित हैं की ट्रेनिंग अन्तिम वर्ष के छात्रों को कराने के पश्चात् उन्हें एन0एस0डी0सी0 द्वारा सर्टिफाइड प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराया जाता है, साथ ही माननीय कुलपति, प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव के निर्देशन में निदेशक, सेन्ट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट सेल द्वारा वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए उपाधि प्राप्त करने के साथ ही नौकरी हेतु चयन पत्र भी उपलब्ध कराना माननीय कुलपति जी के मुख्य बिन्दुओं में है जिसके लिए माननीय कुलपति जी चौबीसों घण्टे तैयार रहते हैं, एवं विश्वविद्यालय का विकास ही उनका परम उद्देश्य है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के संकाय भवन में दिनांक 26 मई 2018 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना की गई है। यह शोध पीठ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं चिंतन पर आधारित शोध को बढ़ावा देता है तथा संबंधित विषय पर प्रतिवर्ष सेमिनार, कार्यशाला, पोस्टर प्रतियोगिता व सिंपोजियम का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है व शोध छात्रों को पुस्तकें व आर्थिक सहयोग प्रदान करता है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 25 सितंबर 2019 को एकात्म मानव दर्शन का युगबोध विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 महेश चंद शर्मा जी अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान नई दिल्ली व विशिष्ट अतिथि डॉ0 चन्द्र प्रकाश सिंह निदेशक, अरुंधति वशिष्ठ अनुसंधान पीठ, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव जी ने किया। शोध पीठ के अध्यक्ष प्रो0 डॉ0 मानस पाण्डेय, सदस्य डॉ0 राजकुमार व डॉ0 अनुराग मिश्र हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का अनावरण 22 सितम्बर 2018 को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रो0 दिनेश शर्मा ने किया था।

440 शोधार्थी जेआरएफ/आरजीएनएफ/ओबीसी फेलोशिप

UGC
University Grants Commission

विश्वविद्यालय में डाक्टोरल डिग्री हेतु विभिन्न विषयों में वर्तमान सत्र में कुल 440 शोधार्थियों का जेआरएफ/आरजीएनएफ/ओबीसी फेलोशिप हेतु यूजीसी पोर्टल पर ऑन लाइन पंजीकरण किया गया है। इन शोधार्थियों का विश्वविद्यालय के यूजीसी सेल द्वारा प्रत्येक माह का फेलोशिप ऑन लाइन अग्रसारित किया जाता है। फेलोशिप की धनराशि पीएफएमएस के माध्यम से मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा डायरेक्ट शोधार्थी के खाते में भेजा जाता है जिससे छात्र–छात्रायें लाभान्वित हो रहे है। विश्वविद्यालय के इन शोधार्थियों को गुणवत्ता युक्त शोध हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पॉच वर्षों में कुल रूपया 92.00 करोड़ की व्यवस्था की गयी है। जो कि विश्वविद्यालय के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम (TEQIP-III)

उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की विकास यात्रा

देश में तकनीकी शिक्षण संस्थानों के असीमित संख्या में वृद्वि के कारण गुणवत्ता क मापदण्ड पूरित किए जाने के उद्देश्य से विश्व बैंक ने भारत वर्ष में इस दिशा में उच्चीकरण हेतु अनुदान दिया है, जो वर्तमान में अपने तीसरे चरण में कार्यशील है। भारत सरकार की इस योजना के कार्यान्वयन की दिशा में उत्तर प्रदेश की सरकारी विश्वविद्यालय संकाय संस्थाऐं भी लाभ प्राप्त कर रही है। इसी क्रम में वर्ष अक्टूबर 2017 से उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान को भी अनुदान प्राप्त हुई है ताकि तकनीकी शिक्षा के मूलभूत ढॉचे को प्रबल किया जाय। संस्थान को विश्व बैंक पोषित तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम (टेकिप–III) के अंतर्गत प्रथम रुपए 10 करोड़ की अनुदान राशि वर्ष 2017 के प्रभाव से प्राप्त हुई। योजना के दूसरे वर्ष तक उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्य का प्रदेश में प्रथम स्थान रहा जिसके फलस्वरूप रू 01 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि अवमुक्त की गई है। कार्य योजना अगले वर्ष तक जारी रहेगी एवं प्रगति को दृष्टिगत रखते हुए आशा की जाती है कि और अतिरिक्त धनराशि भविष्य में अवमुक्त होगी। इस परियोजना के अंतर्गत नई प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है, जो निम्नवत् है– पावर सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन, कंट्रोल, मैटेरियल टेस्टिंग, फाइबर आप्टिक्स लैब जो प्रयोगशालायें उच्चीकृत की गई है– मशीन, नेटवर्क, पावर

इलेक्ट्रॉनिक, ड्राइव, पावर सिस्टम प्रोटेक्शन। विभागीय लर्निंग रिसोर्सेज–....., एफ0 पी0 जी0 ए0, कैडेन्स, मल्टिसिम, गासिंयन,–यू0–16 (रसा0 वि0) टायफून हिल, ओपल– आर0टी0 क्बैलनेट, डेस्कटॉप कंप्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट, इत्यादि क्रय किए गये। प्रयोगशालाओं हेतु फर्नीचर, 02 प्रयोगशालाओं एवं टेकिप–कार्यालय का उच्चीकरण (सिविल अनुरक्षण) एवं स्मार्ट क्लास की अवस्थापना की गई है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक विभागाध्यक्ष डॉ0 संदीप कुमार सिंह–आईआईटी दिल्ली, एवं एआईसीटीई, श्री दीप प्रकाश, आईआईएम उदयपुर, पी0ई0एस0 माण्ड्या, इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स गैंगटोक, श्री अंकुश, श्री नवीन, श्री हिमांशु मांड्या, श्री आशीष, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ आइ.आई.टी. शिलांग, माण्ड्या, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ0 रजनीश भास्कर सी.यू0ओ0, पुणे, चंडीगढ़, शिमला, लक्षद्वीप, ऊटी, पोर्ट ब्लेयर, नोएडा, मांड्या, बागलकोट, बंगलुरू, कन्याकुमारी, नई दिल्ली, में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिये। श्री सत्यम उपाध्याय ने पुणे, शिमला, दिल्ली, लखनऊ, लक्षद्वीप, गंगटोक, मांड्या इत्यादि स्थानों पर शैक्षणिक कार्यक्रम में भाग लिये। श्री सौरभ वी कुमार ने सी0ओ0ई0 पुणे, शिमला, मांड्या, गंगटोक, लखनऊ, बंगलुरू, दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। श्री मनीष गुप्ता ने शक्तिनगर, इलाहाबाद, मांड्या, लखनऊ, कु0 जया शुक्ला ने पुणे, चंडीगढ़, बंगलुरू, मांड्या, ऊटी, अमेठी, अनुराग सिंह ने नोएडा, मांड्या स्थानों पर कोर्स/कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में श्री रवि प्रकाश ने मांड्या, बागलकोट, गोवा, पुणे, बंगलुरू, लक्षद्वीप, ऊटी, गंगटोक, लखनऊ दिल्ली के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इसी प्रकार प्रोफेसर बी.बी. तिवारी, प्रोफेसर ए.के. श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संतोष कुमार, डॉ0 संजीव गंगवार, ज्ञानेंद्र पाल, दिलीप, प्रशांत, अशोक, रविकांत, दीप्ति पांडेय व डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह ने देश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। संस्थान के कंप्यूटर साइंस इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वर्कशाप एवं एफ.डी.पी. आयोजित किया गया। संस्थान में एम. टेक. पाठ्यक्रम इसी वर्ष से प्रारंभ किया गया। विद्यार्थियों हेतु अभिप्रेरण कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन, इंटर्नशिप, इंजीनियरिंग दिवस, विज्ञान दिवस समारोह, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, औद्योगिक भ्रमण, कौशल विकास, सांस्कृतिक, महिला सशक्तिकरण, सॉट स्किल, गेट कोचिंग, विषय विशेषज्ञ से व्याख्यान विद्यार्थियों को हैकथान गतिविधि में भेजने, व्यवसायिक निकायों की ईकाई स्थापना आई.ई.आई., आई.ई.टी.ई. (आई), आई.ई.ई.ई. (संयुक्त राज्य) आउटरीच एक्टिविटी संस्थान की गतिविधियों की बेहतरी के लिए राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन एकक नई दिल्ली के निर्देशों के क्रम में एक बोर्ड ऑफ गवर्नर्स गठित की गई है। इस परिषद के चेयरमैन श्री राकेश कुमार उपाध्याय, पूर्व प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष बी.एस.एन.एल, श्री शिवराज अस्थाना, आई.ए.एस., डेजा व्यू., श्री अनिरुद्ध सिंह, जिंदल स्टील के प्रेसिडेंट, श्री अनिमेश विसारिया, इन्टीग्रा, माइक्रो, बैंगलोर में वाइस प्रेसिडेंट श्री सुरेंद्र सिंह भूतपूर्व कार्यकारी निदेशक ओएनजीसी एवं प्रोफेसर लक्ष्मीनारायण हाजरा, कलकत्ता विश्वविद्यालय वाह्य सदस्य हैं। कार्य निष्पादन की समीक्षा हेतु एन.आई.टी. सूरत के प्रो. के.वी. गंगाधरन एवं मेंटरिंग हेतु प्रो. एम.एस. सुतावने,सी.ओ.ई. पुणे, विगत दो वर्षों में इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु मार्गदर्शन निरंतर देते हैं। टेकिप–III परियोजना के तहत 02 संस्थानों की युग्मीकृत व्यवस्था के तहत पी.ई.एस कॉलेज आफ इंजीनियरिंग मांड्या को मेंटर संस्था बनाया गया है, इस व्यवस्था के अंतर्गत दोनों संस्थान पारस्परिक संस्थानों की अच्छाइयों को आपस में साझेदारी कर विकास की नई इबारतें लिख रहे हैं। हम दोनों संस्थानों की मेन्टर–मेंटी कार्य प्रदर्शन देश में इने गिने संस्थानों के स्तर की है। हम पारस्परिक सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियों बी.ओ.सी. बैठकों में साझेदारी, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध इत्यादि दिशाओं में कार्यक्रम किये है।

किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय से शोध के लिए समझौता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ का शोध के लिए समझौता हुआ। किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ के कलाम भवन में दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर केजीएमयू लखनऊ के कुलपति प्रो. एम एल बी भट्ट ने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के साथ किये गए एमओयू से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों में अकादमिक, ट्रेनिंग, शोध कार्य, संयुक्त शोध प्रकाशन एवं पेंटेंट को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही फैकेल्टी विजिट, स्टूडेंट, एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम एवं संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम होंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय में शोध की उच्च स्तर की सुविधाएं है। इससे विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान, बायो टेक्नोलॉजी विभाग, प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान संस्थान एवं इंजीनियरिंग संस्थान में होने वाले शोध में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न फंडिंग एजेंसीज में दोनों विश्वविद्यालय का संयुक्त रूप से मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट हेतु आवेदन किया जाएगा। इस अवसर पर केजीएमयू से डॉ सुधीर सिंह एवं पीयू से डॉ0 मनीष कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

कौशल विकास के लिए हुआ एमओयू

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की कौशल विकास योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जुलाई 2019 में डेजाव्यू स्किल लर्निंग एंड डेवलपमेंट सिस्टम नई दिल्ली के साथ कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी बेरोजगारों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के छात्र सुविधा केंद्र में इसका प्रशिक्षण प्रारम्भ हो गया है। विश्वविद्यालय परिसर में डेजाव्यू के डायरेक्टर एवं कॉरपोरेट अफेयर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ0 पीयूष सक्सेना एवं डेजाव्यू मुंबई की ट्रेनिंग मैनेजर डॉ0 चौताली से विस्तृत वार्ता कर कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय की ओर से पूर्वांचल विश्वविद्यालय ग्रामोदय समिति के संचालक शीलनिधि सिंह,

राजन गुप्ता, संतोष कुमार यादव द्वारा विश्वविद्यालय के आसपास के बेरोजगारों की रोजगार में अभिरुचि, योग्यता आदि का विस्तृत रूप से सर्वे कर रिपोर्ट निरीक्षण मंडल को सौंपा। विश्वविद्यालय एक टीम एक सप्ताह की ट्रेनिंग के लिए मुंबई जाएगी इसके बाद बेहतर ढंग से इस कार्य को अंजाम दिया जा सके। इस कार्य को बेहतर ढंग से करने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित करने के लिए कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने अपने नेतृत्व में प्रो0 बी.बी. तिवारी, डॉ0 राजकुमार समेत की समिति बनाई है।

मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र ने 2019 में एक नया बैक्टीरिया खोजा, अमेरिका के डेटाबेस में जुड़ा

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में स्थापित मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र का प्रमुख उद्देश्य मशरुम के खेती के प्रति किसानो एवं छात्रों को जागरूक करना, प्रशिक्षित करना तथा मशरुम से सम्बंधित शोध करना है। इस कार्य हेतु केंद्र कई बार किसानों को मशरुम की खेती प्रशिक्षण एवं निःशुल्क बीज उपलब्ध कराता रहा है। केंद्र को भारत सरकार के विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (DST) एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), नई दिल्ली द्वारा शोध हेतु शोध परियोजनाएं भी वित्तपोषित हुई है। शोध केंद्र ने वर्ष 2019 में केंद्र समन्वयक प्रो. रामनारायण के शोध निर्देशन में मशरुम में बिना किसी हानिकारक प्रभाव के उत्पादन एवं मशरुम की गुणवत्ता में वृद्धि करने वाले एक नये बैक्टीरिया (Glutamicibacter arilaitensis MRC 119) की खोज की है, जो शोध केंद्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उक्त बैक्टीरिया का डाटा नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफार्मेशन (NCBI) अमेरिकन गवर्नमेंट की वेबसाइट के डाटा बैंक में उपलब्ध है। मशरुम केंद्र पूर्व में कुछ अन्य नए लाभकारी बैक्टीरिया भी खोज चुका है। साथ में केंद्र ने कई शोध पत्र भी विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित जर्नलों में भी प्रकाशित किये है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधार्थी सिंपल कुमारी मौर्या, रोशन लाल गौतम, श्वेता सिंह, प्रमिल कुमार यादव, नाहिदा आरिफ एवं मधुमिता सिंह मशरुम उत्पादन एवं शोध में अपना सहयोग दे रहे है।

डॉ0 श्याम कन्हैया को मिला यूजीसी से स्टार्ट-अप प्रॉजेक्ट ग्रांट

प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 श्याम कन्हैया को यूजीसी से स्टार्ट–अप स्कीम के अंतर्गत १० लाख का प्रॉजेक्ट ग्रांट मिला है। इस प्रोजेक्ट की अवधि दो साल की होगी। इसके अंतर्गत गंगा के मैदानी भाग की अत्यंत महत्वपूर्ण सई नदी के भू–आकृति विज्ञान एवं नदी तंत्र में होने वाली अपक्षय/अपरदन प्रक्रिया पर शोध होगा। सई नदी हरदोई जनपद के भिजवान झील से निकल कर 715 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद जौनपुर के राजघाट पर गोमती में मिल जाती है। दिनोंदिन सई के जल में बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर से जलीय जीवों का अस्तित्व लगभग खत्म हो गया है। वर्तमान समय में सई नदी के अस्तित्व तथा उसके जल में होने वाले प्रदूषण की गंभीर समस्या को देखते हुए इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत सई नदी में होने वाले भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तनों का गहन अध्ययन किया जायेगा जिससे सई नदी बेसिन एवं उसके जल को संरक्षित किया जा सके।

विश्वविद्यालय का आधिकारिक ब्लॉग पूरब बानी

वीर बहादुर सिंह पर्वांचल विश्वविद्यालय का आधिकारिक ब्लॉग पूरब बानी है। इसकी शुरूआत 25 मई 2011 को की गई थी। ब्लॉग के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियों को वैश्विक मंच पर पहुंचाया गया है। यह ब्लॉग विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से लोगों से जुड़े लोगों के बीच लोक प्रिय है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ0 मनोज मिश्र एवं डॉ0 दिग्विजय सिंह राठौर द्वारा इसे निर्मित कर संचालित किया जा रहा है। ब्लॉग की पाठक संख्या लगभग 3 लाख है, जिसमें मुख्य रूप से भारत, संयुक्त राज्य, रूस, जर्मनी, यूक्रेन, इंडोनेशिया, फ्रांस आदि देशों के पाठक शामिल हैं।

अखण्ड भारत का सपना पूरा – कुलपति

अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने पर विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में 06 अगस्त 2019 को विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सभा आयोजित की गई। सभा को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है। अब इस धरती के स्वर्ग तक हर हिंदुस्तानी पहुँच सकता है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से देश के सभी नागरिक गौरवान्वित हुए है। उन्होंने कहा कि विगत स्वतंत्रता दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार ने अखंड भारत बनाने का संकल्प लिया था। यह संकल्प आज एक वर्ष में ही पूरा हो गया।

देश के माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा माननीय कुलपति जी को प्रेषित आभार सन्देश

माननीय गृह मंत्री 'भारत सरकार'
श्री अमित शाह जी

From: **Amit Shah** <amitshah.bjp@gmail.com>
Sent: Wed, 14 Aug 2019 16:08:23
To: **"Prof. Dr.Raja Ram Yadav"** <vc_vbspuniversity@redifimail.com>
Subject:Re: **Purvanchal University Jaunpur**

भारत के संविधान की धारा 370 की समाप्ति और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन के सम्बन्ध में आपके द्वारा प्रेषित शुभेच्छा–पत्र प्राप्त हुआ। सहृदय धन्यवाद। माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ ही देशहित में निर्णय लेने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

कश्मीर के लिए बलिदान हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की " एक देश, एक निशान, एक विधान " की उक्ति के साकार होने के साथ–साथ कश्मीर के लिए शहीद हुए प्रत्येक व्यक्ति की शहादत आज वास्तविक अर्थो में सार्थक हुई है। इस निर्णय से जम्मू एवं कश्मीर का युवा देश की मुख्यधारा में सम्मिलित होगा और प्रगति पथ पर और तेजी से आगे बढ़ेगा।

मुझे विश्वास है कि कुछ दिनों में बच्चे हसते–खेलते स्कूल जाएँगे, बुजुर्गो का समुचित इलाज होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा और पर्यटक बिना किसी भय के सपरिवार डल झील का आनन्द उठा सकेंगे। आप सभी से मिले भरपूर समर्थन के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

अमित शाह
AMIT SHAH

सत्यमेव जयते

गृह मंत्री
भारत
HOME MINISTER
INDIA

दिनाँकः 06 सितम्बर, 2019

प्रो. राजाराम यादव जी,

भारत के संविधान की धारा 370 की समाप्ति और जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन के संबंध में आपके द्वारा प्रेषित शुभेच्छा-पत्र प्राप्त हुआ, सहृदय धन्यवाद। **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति** के साथ देशहित में निर्णय लेने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

इस निर्णय से जम्मू एवं कश्मीर विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित होगा और प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

आप सभी से मिले भरपूर समर्थन के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

धन्यवाद।

आपका,

(अमित शाह)

प्रो. राजाराम यादव,
कुलपति, वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,
जौनपुर - 222 003, उत्तर प्रदेश

Office : Ministry of Home Affairs, North Block, New Delhi-110001
Tel. : 23092462, 23094686, Fax : 23094221
E-mail : hm@nic.in

विश्वविद्यालय में आमंत्रित वाह्य विशेषज्ञ–2019

- प्रो. कृष्णा मिश्रा, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज।
- प्रो. एम. पी सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. एम.ए. सिद्दीकी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- प्रो. एस के यादव, पूर्व डीन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।
- प्रो. एस. के. द्विवेदी, अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. एच. सी. पुरोहित, प्रोफेसर, दून विश्वविद्यालय, देहरादून ।
- प्रो. ख्वाजा शाहिद, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।
- प्रो. बेचन शर्मा, जैव रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. कल्पलता पांडे, शिक्षा विभाग, एमजी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. मुकुल श्रीवास्तव,जनसंचार विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. शिवेश शर्मा, एम.एन.आई.ई.टी., प्रयागराज।
- प्रो. दिनेश यादव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. पद्मनाभ द्विवेदी, कृषि विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. संतोष दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. जी.पी. साहू, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज।
- प्रो. जसवंत सिंह, डा.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो आर.एस. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. अफताब आलम, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- प्रो. गोपेश्वर नारायन, ह्यूमन मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स, बीएचयू, वाराणसी।
- प्रो. बेचन शर्मा, केंद्रीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद, प्रयागराज।
- प्रो. धरनी धर दुबे (भूतपूर्व), बायोटेक्नोलॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- प्रो. शिव मोहन प्रसाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. रथींद्र मोहन बनिक, आई.आई.टी., बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. राकेश कुमार मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. राजीव गौर, रा0 म0 लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- प्रो. शरद कुमार मिश्र, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. संतोष दूबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. अरुण कुमार मिश्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. आर० पी० सिन्हा, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. अशोक कुमार, स्कूल आफ बायोटेक्नोलॉजी, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. सुधीर कुमार शुक्ला, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।
- प्रो. वंदना पांडेय, प्ररेणा शोध संस्थान जनसंचार, नोएडा।
- प्रो. आशीष सिंह, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बी.एच.यू., मिर्जापुर।
- डॉ. अनुराधा धारा, डेल सर्विस, हैदराबाद।
- डॉ. छाया सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- सुश्री वन्दना शेओरन, कन्सल्टेंट चंडीगढ।
- प्रो. एस.ए. अन्सारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. एच.पी. माथुर, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. के.के. अग्रवाल, डीन, एम.जी.काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. परवेज तालिब, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।
- प्रो. नरेश चन्द्र गौतम, कुलपति, महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, म.प्र.।
- प्रो. आर एल. सिंह, जैव रसायन विभाग, अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. ए.सत्यनारायण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. ए.एम. सक्सेना, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. ए.के. सिन्हा, एम.जे.पी. विश्वविद्यालय, बरेली।
- प्रो. एम.एस. खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो. एम.के. अग्रवाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. एम.पी. सिंह, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
- प्रो. एस. वी. पाण्डेय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
- प्रो. एस.के. शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. एस.के. दीक्षित, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय।
- प्रो. एस.के. वर्मा, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
- प्रो. एस.सी. मुखोपाध्याय, कलकत्ता विश्वविद्यालय।
- प्रो. एस.डी. पोद्दार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा।
- प्रो. एल.एम. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. बी. आर. चौधरी, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. बी.एस. राजपूत, पूर्व कुलपति, ग्रेटर नोयडा।
- प्रो. बी.एन. मिश्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. बी.एन. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. बी.एन. सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. बी.एन. पाण्डेय, अदमास विश्वविद्यालय, कोलकता।
- प्रो. बी.एन. शर्मा, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. बालक दास, भौतिक विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, यू.पी. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. कौशल किशोर श्रीवास्तव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. काली चरण स्नेही, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रो. के.पी. सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय इलाहाबाद, प्रयागराज।
- प्रो. कल्पना गुप्ता, महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. मृदुला त्रिपाठी (अ.प्रा.), इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. मीरा दीक्षित, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. मारकण्डेय नाथ तिवारी, श्री लालबहादुर शास्त्रीय राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
- प्रो. मनमोहन कृष्णा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. दिनेश कुशवाहा, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, म.प्र.।
- प्रो. विद्या अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. विभा उपाध्याय, जयपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान।
- प्रो. विश्राम राम, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, उमराई रोड, उमराई, मेघालय।
- प्रो. विरेन्द्र सिंह, रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

- प्रो. विक्रम कुमार, निदेशक एस.एस. पी.एल., एनपीएस नई दिल्ली, पूर्व निदेशक, सी.एस.आई.आर., नई दिल्ली।
- प्रो. जितेन्द्र कुमार, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. हौशिला प्रसाद सिंह, प्रयागराज।
- प्रो. हौशिला प्रसाद, इन्दिरा गांधी नेशनल जनजातीय। विश्वविद्यालय, अमरकंटक म.प्र.।
- प्रो. भरत सिंह, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार।
- प्रो. पी सी पतंजलि, पूर्व कुलपति वी. बी. सिं. पू. वि. वि. जौनपुर।
- प्रो. पी.के. पाण्डेय, यू.पी.आर.टी.यू., प्रयागराज।
- प्रो. पी.सी. यादव, विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. पी.सी. मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रो. पूनम मिश्रा, राजकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा।
- प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, कम्प्यूटर साइंस, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. प्रेम सागरनाथ तिवारी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. रमाशंकर त्रिपाठी, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. रामजी लाल, सेवा निवृत्त आचार्य, वीर बहादुर सिह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- प्रो. राजीव द्विवेदी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र.।
- प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. राना कृष्ण पाल सिंह, कुलपति, डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. साहेब अली, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
- प्रो. सर्वेश कुमार आई.आई.एस.टी. त्रिवेन्द्र।
- प्रो. सुधीर सिंह, आई.सी.ए.आर., वाराणसी।
- प्रो. सुशील के सिंह, फार्मेसी, आई.आई.टी., बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. सुन्दर लाल, पूर्व कुलपति वी.ब.सिं.पू.वि.वि., जौनपुर।
- प्रो. उमारानी त्रिपाठी, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो.एम.एम. तिवारी, छत्तीसगढ़ कालेज, रायपुर, छत्तीसगढ़।
- प्रो. बलिराम, रसायन विभाग, इन्स्टीयूट ऑफ साइन्स, बी.एच.यू.।
- प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री, कुलपति, हिमांचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमांचल।
- प्रो. विरेन्द्र बहादुर सिंह, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून।
- प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. वीलाश ए तमाने, सेवानिवृत्त पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- प्रो. चौथी राम यादव, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. चन्द्रशेखर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय।
- प्रो. जी. पी. साहू, बीएचयू, वाराणसी।
- प्रो. जी.पी. सिंह, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. जे. सिंह, इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ सूगरकेन रिसर्च, लखनऊ।
- प्रो. जे.एन. शुक्ला, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. जगदीश नारायण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. नजामुद्दीन खॉ, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ।
- प्रो. अमित मित्तल, चितकरा विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़।
- प्रो. अनिता गोपेश, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. आशीष सक्सेना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. आई.आर. सिद्धीकी रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- प्रो. आर.एस. सिंह, ए.पी.एस. विश्वविद्यालय, रीवा।
- प्रो. आर.एन. खरवार, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. आर.एन. त्रिपाठी, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. आर.बी. पटेल, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. आद्या प्रसाद पाण्डेय, मनीपुर सेन्ट्रल, विश्वविद्यालय मनीपुर।
- प्रो. ओम प्रकाश सिंह, जे.एन.यू., नई दिल्ली।
- प्रो. ओम प्रकाश भारती, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. अली मेंहदी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. अलोक कुमार गुप्ता, अनुबन्धक प्रो. आई.आई.टी. धनबाद।
- प्रो. लल्लन यादव, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- श्री ए. पी. नटराजन, डायरेक्टर विक्टोरिया ट्रेनिंग फॉउन्डेशन,चेन्नई।
- श्री एम वी डी प्रसाद, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना।
- श्री एन हनुमंत राव, विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी।
- श्री शशिकान्त सिंह, वाराणसी कालेज, वाराणसी।
- श्री शारथ वेडाला, इंजीनियर, बंगलूरु।
- श्री केशव प्रशाद मौर्य, माननीय उप मुख्यमन्त्री उ.प्र.।
- श्री मडल्ला सॉई प्रसन्ना, हैदराबाद।
- श्री शिव प्रकाश जी, राष्ट्रीय सहसचिव, भाजपा।
- श्री शिवानन्द आर पुजारा, कन्सल्टेंट पुणे, इस्लामपुर।
- श्री पिंगनागन प्रनवम, डायरेक्टर, तेलंगाना।
- श्री विजय कुमार मकयम, आई पी आर अटॉरनी, हैदराबाद
- श्री नितिन रमेश गोकर्ण, आई ए एस, लखनऊ ।
- श्री पी. मोहन कु.गॉधी, कन्सलटेन्ट ट्रेनर, हैदराबाद
- श्री राजीव सिंह, जिला रोजगार कार्यालय, जौनपुर।
- श्री राजेन्द्र सिंह, अमरउजाला, लखनऊ।
- श्री सागर किरांगी, अपलिकेशन इंजीनियर VI साल्यूशन, बंगलूरु।
- श्री सैयद अबदुर रॉफ मगराबी, कन्सलटेन्ट ट्रेनर, हैदराबाद।
- श्री सूरज पारही, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर रोबोगेर साल्यूशन।
- श्री जी के उपाध्याय, टेलीकॉम विभाग, नई दिल्ली।
- श्री जीजेश कु. वी., इंजीनियर बंगलूरु।
- श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, नैनी, प्रयागराज।
- श्री अरुण कुमार, एस. मैनेजर,स.आई.टी. टुमकुर।
- श्री अमित त्यागी, बीएचयू, वाराणसी।
- श्री आर के उपाध्याय, पूर्व सी.एम.डी., बी.एस.एन.एल.।
- श्री आर.के. अग्रवाल, डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र.।
- श्री अजय सिंह, सी.ई.ओ., रोबोगेर साल्यूशन, हैदराबाद।
- शोएब खान, महाप्रबंधक, सिंडिकेट बैंक, लखनऊ।
- डॉ. बी के पाण्डेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- डॉ. बी.एन. सिंह, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ।
- डॉ. राम हर्ष गुप्ता , जी. डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज, मीरजापुर ।
- डॉ. आशिमा सिंह गुरेजा, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा।
- डॉ. कुंवर सुरेंद्र बहादुर, जनसंचार विभाग, बी.बी.ए.यू. लखनऊ।
- डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, जनसंचार विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- डॉ. अरविंद कुमार सिंह, जनसंचार विभाग, सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय कानपुर।
- डॉ. ए. पी. नटराजन, डायरेक्टर विक्टोरिया प्रशिक्षण फाउन्डेशन।
- डॉ. ए. पैट्रिक, हैदराबाद, तेलंगाना।

- डॉ. एम. के. मिश्रा, सिस्टम एनालिस्ट आई.आई.टी., प्रयागराज।
- डॉ. एम.एस. मुठ्ठु, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. एस.एम. खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- डॉ.श्याम प्रकाश सिंह, म.बी.स. कॉलेज, गगांपुर, वाराणसी।
- डॉ. करन सिंह, असिस्टेंट जे.एन.यू., दिल्ली।
- डॉ. मनोज दिवाकर, जे.एन.यू., दिल्ली।
- डॉ. ब्रिजेश कुमार भारद्वाज, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- डॉ. दिनेश सिंह, एम.एन.एन.आई.टी., प्रयागराज।
- डॉ. पी सी अभिलाष, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. पुष्पराज गुप्ता, इलाहाबाद।
- डॉ. पूणिमा सक्सेना अवस्थी, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. रामचन्द्र रेडी, डायरेक्टर, हैदराबाद, तेलंगाना।
- डॉ. संदीप कुमार, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. सारा नसरीन, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू, भागलपुर, बिहार।
- डॉ. सुरेश कुमार शर्मा, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. सुनील मिश्रा, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. सन्तोश कुमार राय, वाराणसी।
- डॉ. उर्मिला रानी श्रीवास्तव, बीएचयू, वाराणसी।
- डॉ. छाया सिंह, प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ, लखनऊ।
- डॉ. तुसार सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. जी एन पाण्डेय, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सर्वोदय भारत पार्टी।
- डॉ. अरूण कुमार सिंह, टी.एम.वी., मुरादाबाद।
- डॉ. अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, यूनाइटेट नैनी, इलाहाबाद।
- डॉ. अन्जू, पंतजलि, हरिद्वार।
- डॉ. साधना श्रीवास्तव, उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
- डॉ. एहतेशाम अहमद, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ पीयूष सक्सेना, रिलायंस इंडस्ट्रीज एल.टी.डी., मुम्बई।
- डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक, नट्रासुरिटेक, लखनऊ।
- डॉ. ए. के. सिंह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय विज्ञान और प्रौद्यागिकी विभाग टेक्नोलाजी भवन, नई दिल्ली।
- डॉ. ए.के. घोस, बी.एच.यू., वाराणसी।
- डॉ. एम. आर. मौर्य, आई. आई. टी. रूढ़की, उत्तरांचल।
- डॉ. एम.पी. चौहान, एन.डी.यू.ए. एण्ड टेक्नालॉजी, कुमारगंज, फैजाबाद।
- डॉ. धनन्जय यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- डॉ. महेन्द्र यादव, आई. आई. टी., धनबाद।
- डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, माननीय केन्द्रीय मन्त्री, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय।
- डॉ. मनमोहन कृष्ण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. मन्जुला चतुर्वेदी, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. रिचा चौधरी, भीमराव अम्बेडकर दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- डॉ. हरेराम तिवारी, आई. आई. टी. खड़गपुर, प. बंगाल।
- डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ. राजेश कुमार गर्ग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- डॉ. श्रेयांश द्विवेदी, कुलपति, महर्षि बाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, हरियाणा।
- डॉ. शम्भू उपाध्याय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. सरोज गुप्ता, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट।
- डॉ. सत्य प्रकाश दूबे, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान ।
- डॉ. डी. कृष्णामूर्ति, नविल क्रिस्टल टेक्नोलॉजी, जापान।
- डॉ. दीनानाथ सिंह, डी.ए.वी.पी.जी. कालेज, वाराणसी।
- डॉ. छाया शुक्ला, सदस्य उत्तराखण्ड पब्लिक सर्विस कमीशन, उत्तराखण्ड।
- डॉ. जसीम अहमद, जामिया मीलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, पूर्व शिक्षा मन्त्री, उत्तर प्रदेश।
- डॉ. अनिता गोपेश, प्राणि विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय इलाहाबाद।
- डॉ. आर.डी. शुक्ला, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- डॉ. गोपाल प्रसाद नायक, शिक्षा विभाग, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. गुंजन सुशील, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

सांस्कृतिक संध्या में कथक कलाकार श्री रवि सिंह एवं सुश्री प्रेरणा तिवारी की टीम को सम्मानित करते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं आचार्य श्री शान्तनु जी महाराज।

कत्थक नृत्य प्रस्तुत करती प्रख्यात नृत्यांगना मनीषा मिश्रा जी

उपशास्त्रीय गायन प्रस्तुत करते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

श्री शंकर दा श्री सुरेश जी श्री सुनील जी

सांस्कृतिक संध्या में उपस्थित श्रोतागण

बाल कलाकार आराध्य प्रवीण एवं कत्थक कलाकार मनीषा मिश्रा जी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव जी

प्रस्तुति देते प्रख्यात कलाकार
श्री साहित्य कुमार नाहर श्री शोभित कुमार नाहर

ध्रुपद गायन से श्रोताओं को भाव विभोर करते श्री जय नारायण शर्मा
ध्रुपद गायक

प्रख्यात शास्त्रीय गायक श्री सत्य प्रकाश मिश्रा अपनी प्रस्तुति देते हुए

प्रस्तुति देते हुए बाल कलाकार आराध्य प्रवीण

श्री राम कथा अमृत वर्षा में कथा का पान कराते आचार्य श्री शान्तनु जी महाराज

आचार्य श्री शान्तनु जी महाराज का अभिनंदन करते
कुलपति प्रो0 डा0 राजाराम यादव

श्री राम कथा अमृत वर्षा में पधारे
इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आर.एल.हांगलू
को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

श्री राम कथा अमृत वर्षा में इ0 वि0 वि0 के
कुलपति प्रो0 आर.एल. हांगलू जी आचार्य श्री शान्तनु महाराज जी का
माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए

आचार्य श्री शान्तनु जी महाराज को स्मृति चिन्ह देते
कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं डॉ. आशीष गौतम

बाइसवें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो० विक्रम कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं मंच पर उपस्थित तत्कालीन कुलाधिपति श्री राम नाईक जी।

बाइसवें दीक्षांत समारोह में संबोधित करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

बाइसवें दीक्षांत समारोह में तत्कालीन कुलाधिपति श्री राम नाईक जी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

बाइसवें दीक्षांत समारोह में प्रो० यू०पी० सिंह को डीएस–सी की मानद उपाधि प्रदान करते तत्कालीन माननीय कुलाधिपति जी एवं कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में योग गुरू स्वामी रामदेव जी महाराज को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव।

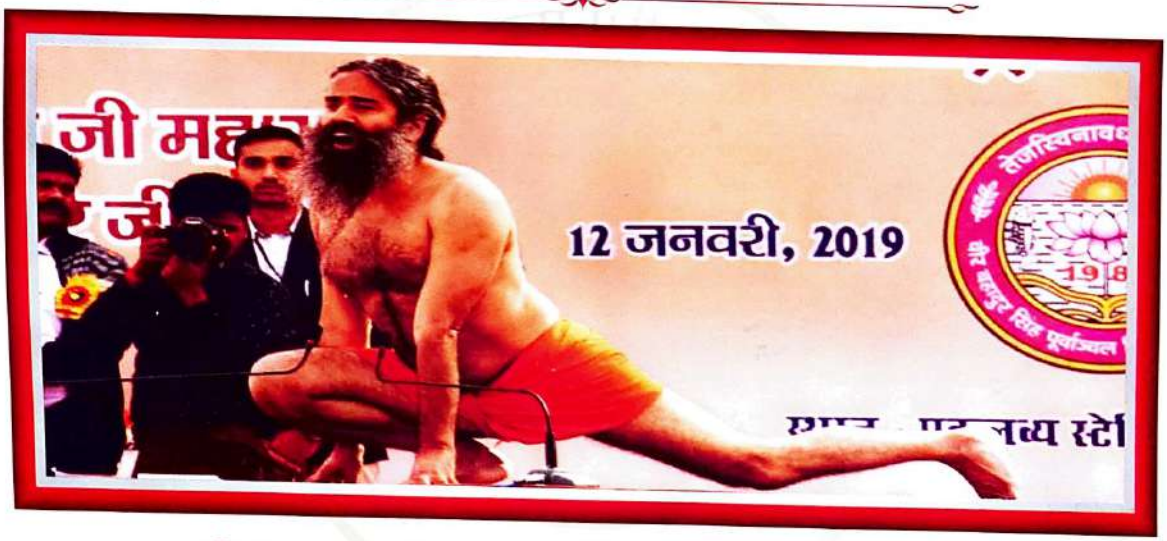

'राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में योग करते योग गुरू स्वामी रामदेव जी महाराज'।

'राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में योग करती विश्वविद्यालय की छात्राएं'।

शिक्षक सम्मान समारोह–2019 में सेवानिवृत्त शिक्षक को सम्मानित करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं शिक्षक संघ के पदाधिकारीगण।

वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं शिक्षकगण।

वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते प्रो० बी०बी० तिवारी।

विश्वविद्यालयीय शिक्षा की स्वायत्तता विषयक गोष्ठी के मुख्य अतिथि
मा० श्री शिव प्रकाश जी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

'एकात्म मानव दर्शन का युगबोध विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ० महेश चन्द्र शर्मा को
स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं साथ में विशिष्ट अतिथि डॉ० चन्द्र प्रकाश सिंह जी।

विश्वविद्यालयीय शिक्षा की स्वायत्तता विषयक संगोष्ठी के शुभारम्भ अवसर पर दीप प्रज्जवलन करते
मुख्य अतिथि मा० शिव प्रकाश जी एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण।

विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के केन्द्रीय मंत्री श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय जी विश्वविद्यालय में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण करते हुए।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री मा० श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय जी।

विश्व दुग्ध दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीण पशु पालको के साथ कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं अन्य।

शोधार्थियों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं मंचासीन अतिथिगण।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में पूर्व कुलपति प्रो० सुन्दर लाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित 'रन फार योग' कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन करते उ0प्र0 के पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह गौर, कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं टेकिप के बी.ओ.जी. के मा0 सदस्यगण।

कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव को प्रशस्ति पत्र भेंट करते अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर के निदेशक विकास कुमार।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता अभियान की शुरूआत करते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह – 2019 उद्घाटन सत्र में उपस्थित कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं विशिष्ट अतिथिगण।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार।

महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित मतदाता साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते उ0प्र0 के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री एम वेंकटेश्वर लू।

गोद लिए गाँव जासोपुर चकिया में छात्रा की टी०बी० रोग की जाँच करते चिकित्सक डॉ० विकास सिंह, उपस्थित कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं अन्य।

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में महर्षि बाल्मिकी संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल हरियाणा के कुलपति डॉ० श्रेयांश द्विवेदी को गतिमान देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पेपर प्रजेन्टेशन एवार्ड से सम्मानित डॉ. नृपेन्द्र सिंह को बधाई देते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं अन्य।

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) संस्थान में रज्जू भइया के जीवन वृत्त पट्ट का अनावरण करते मा० शिव प्रकाश जी एवं अन्य।

प्रख्यात कवि डॉ० विष्णु सक्सेना एवं कवयित्री सुश्री कविता तिवारी को सम्मानित करते शिक्षक गण।

विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित व्याख्यान में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० कुलदीप चंद अग्निहोत्री को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान करते कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देते कथक कलाकार श्री विशाल कृष्णा।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चाणक्य के नाटक के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव, राजर्षि टण्डन मुक्त वि०वि० के कुलपति प्रो० के०एन० सिंह, डॉ० आशीष गौतम एवं अन्य।

मंहत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में चाणक्य के नाटक में अभिनय करते प्रख्यात कलाकार ''पद्मश्री'' श्री मनोज जोशी जी।

प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा सपनों को करें साकार

पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में बोले केंद्रीय मंत्री डा. महेन्द्र नाथ पांडे

कुलपति ने गिनाईं उपलब्धियां

शोध में उत्साह के संग समर्पण भी जरूरी

प्रो. मनमोहन कृष्ण को पीयू में सम्मानित करते वीसी प्रो. राजाराम।

कार्यशाला

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

इलाहाबाद विवि के अर्थशास्त्र ... साधना है। शोधार्थी अपने ... से ज्ञान के समुद्र में एक ... डालता है। उन्होंने कहा कि ... और सामाजिक जरूरतों ... मुताबिक शोध होने चाहिए ... भारतीय सामाजिक अनुसं...

अब भारत के स्वर्ग तक पहुंचेगा हर हिंदुस्तानी

Jansandesh Times जौनपुर 3

मन का टॉक्सिन निकालती है रामकथा

बोले शांतनु

रामकथा से समाज में आई है सकारात्मकता : कुलपति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सात दिनी राम कथा की शुरुआत

अमर उजाला

संस्कार विहीन शिक्षा समाज के लिए घातक

पूविवि में हुई बदलते परिवेश में उच्च शिक्षा एवं चुनौतियां विषयक संगोष्ठी

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल हरियाणा के कुलपति डा. श्रेयांश द्विवेदी ने कहा कि भारत अर्पण, समर्पण और तर्पण की भूमि है। इस शिक्षा के क्षेत्र में अपने ...

पूविवि के विश्वेश्वरैया हाल में आयोजित कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते केंद्रीय मंत्री डा महेन्द्र नाथ पांडे। अमर उजाला

न्यूज WINDOW

पूविवि के कुलपति को मिलेगा भगवंतम राष्ट्रीय पुरस्कार

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम यादव को एकौस्टिक्स के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान एवं शोध के ... प्रोफेसर एस भगवंतम राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा। एकौस्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली का यह पुरस्कार 17 अक्टूबर 2019 को ... के राधेश्याम विश्वविद्यालय में 47 वें ... एकौस्टिक्स संगोष्ठी के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। विदित है कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार एकौस्टिक्स के क्षेत्र में विश्व स्तरीय मौलिक ... के लिए दिया जाता है। प्रो. राजाराम यादव ... 55 वर्षों से एकौस्टिक्स के क्षेत्र में सैद्धांतिक ... प्रायोगिक शोध में सक्रिय रहे हैं। आपके ...

टीवी मुक्त गांव को विवि ने बढ़ाया कदम

पूविवि में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का गुब्बारा उड़ाकर शुभारंभ करते कुलपति प्रो राजाराम यादव।

बाधाओं को पार करना सिखाता है खेल

ना मानूंगी–ना मानूंगी पिया बिन कृष्ण के मनाए...

रासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में स्थापना सप्ताह के तहत ... सांस्कृतिक ... ने गाए। पहले ... कुलपति प्रो. ... से भरण गई ... मानूंगी पिया ... दर्शकों को ... के कोई धन्यो ...

पं. दीनदयाल ने अखंड भारत के लिए किया था काम : डा.महेश शर्मा

जल से बांधा समां

'कलयुग का भाई संपत्ति बांटता है'

राजा होना सुख का मार्ग नहीं, स्मरण रहे

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में चाणक्य नाटक के जरिए दिया संदेश, मनोज जोशी ...

जहां है वह, फरिश्तों का साया नहीं जाता

पीयू में नवीनतम जीटी एपीएस लगाया गया

कौशल विकास को एमओयू पर वीसी ने किए हस्ताक्षर

'विद्यार्थी वृक्षों को बनाएं अपना मित्र'

प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा सपनों को करें साकार

...भावनात्मक बुद्धिमत्ता का करें प्रयो...

पूर्वांचल विवि परिसर में लगेंगे नौ ट्रांसफार्मर

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर व आवासीय ... में बिजली आपूर्ति सुचारु करने ... लिए मिनी पावर हाउस लगाने ... कैंपस व आवासीय परिसर में बिजली की समस्या सुधारने के मद्देनजर मिनी पावर हाउस का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें दो ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। विवि कैंपस के साथ शिक्षक और ... स्थानों पर ट्रांसफार्मर लगना है, उनमें विश्वकर्मा हास्टल, शिक्षक व कर्मचारी कालोनी में दो, डा. सीबी रमन हास्टल में दो, पीएनबी बैंक के सामने दो और आईबीएम भवन के ...

गो-सेवा से मनोकामना होगी पूर्ण

दुग्ध दिवस पर बोले पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति

केजीएमयू से पूविवि का शोध के लिए समझौता

जॉब फेयर में 432 को मिला ऑफर

स्प्रिंगर नेचर ने कुलपति को दिया प्रशस्ति पत्र

डा. नृपेंद्र को मिला बेस्ट पेपर एवार्ड

जॉब फेयर में 830 छात्रों को नौकरी का ऑफर

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

विदेशों तक पहुंची विश्वविद्यालय की साख-वाइसचांसलर

हिन्दुस्तान

नमन

पीयू में कुलपति ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

47 छात्रों को मिला जॉब आफर

पीयू की टीम का खिताब पर कब्जा

महिला हैंडबाल

जौनपुर | निज संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला हैंडबाल टीम ने बुधवार को अखिल भारतीय अंतर विवि प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा कर लिया।

'किताबों के साथ व्यावहारिक ज्ञान जरूरी'

योग गुरु रामदेव ने छात्रों में भरा जोश

पीयू ने टीबी मुक्त गांव के लिए बढ़ाया कदम

ऊर्जावान हैं पीयू के खिलाड़ी : गोकर्ण

कुलपतिने पुस्तक मेलेका किया अवलोकन

प्लेसमेंट में चयनित छात्रों को वितरित किये नियुक्ति-पत्र

छात्र बेहतर कार्य करने में सक्षम

विवि के विकास के लिए मिलकर कार्य करें

संस्कार विहीन शिक्षा समाज के लिए घातक

पूविवि में हुई बदलते परिवेश में उच्च शिक्षा एवं चुनौतियां विषयक संगोष्ठी

कौशल विकास के अव्वल आए विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

विवि में इंजीनियरिंग एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

104 खिलाड़ी राजभवन में सम्मानित

लड़कियां तेजी से बढ़ रही आगे

हर परिस्थिति में छात्र कार्य करने में सक्षम

छात्रों की कामयाबी ही विश्वविद्यालय का असल मकसद, दो दिवसीय जॉब फेयर मेला का हुआ शुभारंभ

शामिल हुए 19 हजार परीक्षार्थी

राष्ट्र निर्माण में हिन्दी पत्रकारिता अहम

समाज के लिए आदर्श होता है शिक्षक

राज भवन: खिलाड़ी सम्मान समारोह– 2019 में सम्मानित खिलाड़ियों के साथ माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं कुलपतिगण

बाईसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक धारकों के साथ तत्कालीन माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक जी, मुख्य अतिथि प्रो0 विक्रम कुमार, कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
"भारत का शीराज" रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह " कुतबन" का मादल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
दो धर्मो की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना " जौनपुरी" यह,
संघर्षो की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हों आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।

मुद्रक: प्रिन्ट गैलरी, 9415940550